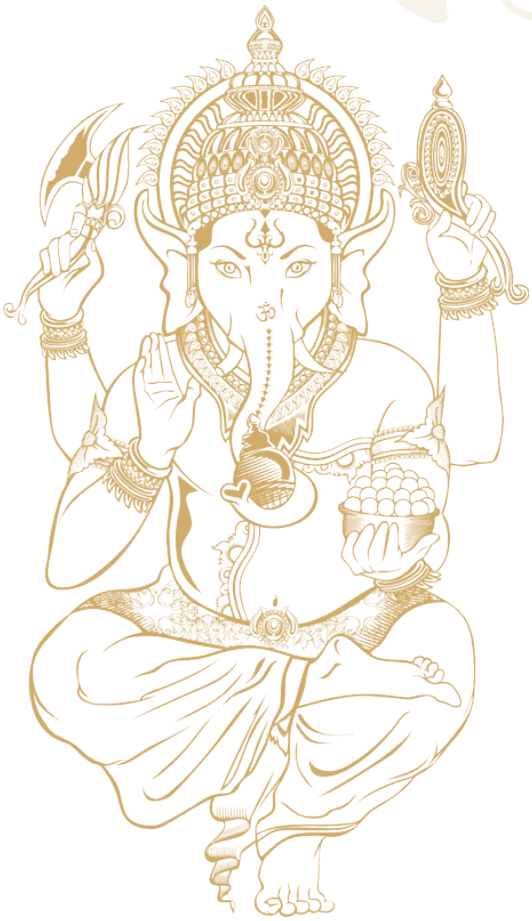

Mr.

Prerna Prasad

Model: Web-MatchAnalysisDetailed

Order No: 120103001

कुँडली मिलान का महत्व

वैवाहिक जीवन में अनुकूलता हेतु जन्मकुण्डली मिलान किया जाता है।

इसमें सर्वप्रथम अष्टकूट मिलान किया जाता है। जातक की राशि व नक्षत्र के अनुसार उसका वर्ण, वश्य, तारा, योनि, राशेश, गण, भकूट एवं नाडी का ज्ञान करके वर-वधू के जीवन की अनुकूलता अथवा प्रतिकूलता का निर्णय किया जाता है। वर्ण विचार से कर्म, वश्य विचार से स्वभाव, तारा विचार से भाग्य, योनि विचार व ग्रह मैत्री विचार से पारस्परिक संबध, गण से सामाजिकता, भकूट से जीवन में तालमेल एवं नाड़ी विचार से स्वास्थ्य व सतांन संबधी फल का विचार किया जाता है। इन सभी गुणों को क्रमशः 1 से 8 तक अंक दिये जाते है। इस प्रकार अष्टकूट विचार में कुल 36 गुणों का विचार किया जाता है। जिसमें कम से कम 18 गुणों का होना आवश्यक है। इससे कम गुण वाले विवाह ज्योतिषीय विधान के अनुसार अव्यवहारिक रहते हैं।

अष्टकूट मिलान के साथ मांगलिक दोष का विचार भी अति महत्वपूर्ण माना जाता है। यदि मंगल लग्न कुंडली में 1,4,7,8 एवं 12 वें भाव में स्थित हो तो मंगली दोष होता है। मंगली दोष निवारण के लिए आवश्यक है कि वर-वधू दोनों मंगली न हों या दोनों मंगली हों। शास्त्रों में इनके अलावा भी दोष निवारण के सूत्र दिए गए हैं। इस दोष के निवारण से किसी प्रकार के अमंगल की संभावनाएं कम हो जाती है और वैवाहिक जीवन सुख व शांतिपूर्ण गुजरता है।

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13-14/04/1995	जन्म तिथि	05/02/1997
गुरु-शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 01:01:00	जन्म समय	16:00:00 घंटे
घटी 47:01:42	जन्म समय(घटी)	23:20:35 घटी
India	देश	India
Kanniyakumari	स्थान	Mumbai
08:05:00 उत्तर	अक्षांश	18:58:00 उत्तर
77:34:00 पूर्व	रेखांश	72:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:44	स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:12:19	सूर्योदय	07:11:43
18:28:41	सूर्यास्त	18:33:49
23:47:38	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:01

मकर	लग्न	मिथुन
शनि	लग्न लग्नाधिपति	बुध
कन्या	राशि	धनु
बुध	राशि-स्वामी	गुरु
उ०फाल्गुनी	नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
4	चरण	3
ध्रुव	योग	वज्र
गर	करण	गर
पी-पीयूष	जन्म नामाक्षर	फा-फाल्गुनी
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ
वैश्य	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	मानव
गौ	योनि	वानर
मनुष्य	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	मध्य
मूषक	वर्ग	मूषक

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 1वर्ष 4मा 22दि		02:54:47	मक	लग्न	मिथु	19:17:57	शुक्र 7वर्ष 1मा 28दि	
राहु		29:36:44	मीन	सूर्य	मक	22:51:03	मंगल	
04/09/2013		06:54:05	कन्या	चंद्र	धनु	21:53:32	05/04/2020	
05/09/2031		21:37:18	कर्क	मंगल	कन्या	12:06:13	06/04/2027	
राहु	17/05/2016	28:48:51	मीन	बुध	मक	00:49:41	मंगल	01/09/2020
गुरु	11/10/2018	21:21:13	वृश्चि व	गुरु	मक	09:39:11	राहु	20/09/2021
शनि	17/08/2021	26:07:54	कुंभ	शुक्र	मक	09:00:10	गुरु	26/08/2022
बुध	05/03/2024	25:47:57	कुंभ	शनि	मीन	10:12:27	शनि	05/10/2023
केतु	24/03/2025	11:48:34	तुला व	राहु व	कन्या	05:43:05	बुध	02/10/2024
शुक्र	23/03/2028	11:48:34	मेष व	केतु व	मीन	05:43:05	केतु	28/02/2025
सूर्य	15/02/2029	06:29:13	मक	हर्ष	मक	11:30:09	शुक्र	30/04/2026
चन्द्र	17/08/2030	01:42:05	मक	नेप	मक	04:20:27	सूर्य	05/09/2026
मंगल	05/09/2031	06:21:55	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	11:30:15	चन्द्र	06/04/2027

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:38 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:01

लग्न-चलित

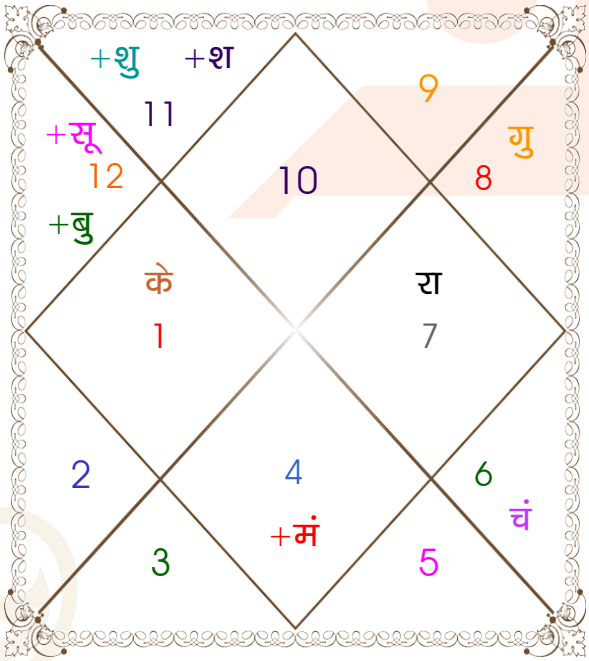

लग्न-चलित

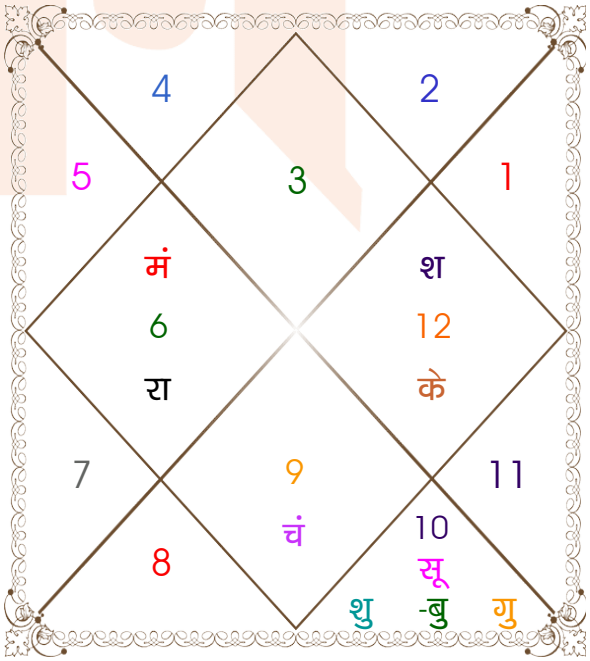

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

चन्द्र कुंडली

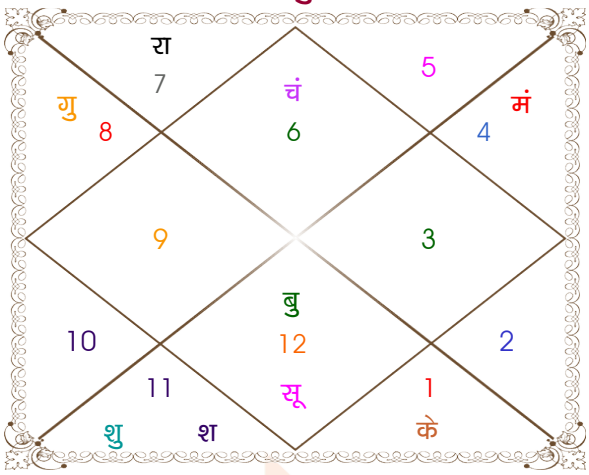

चन्द्र कुंडली

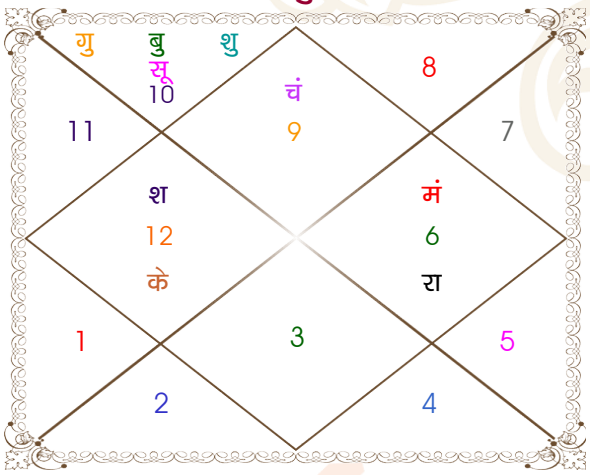

सूर्य कुंडली

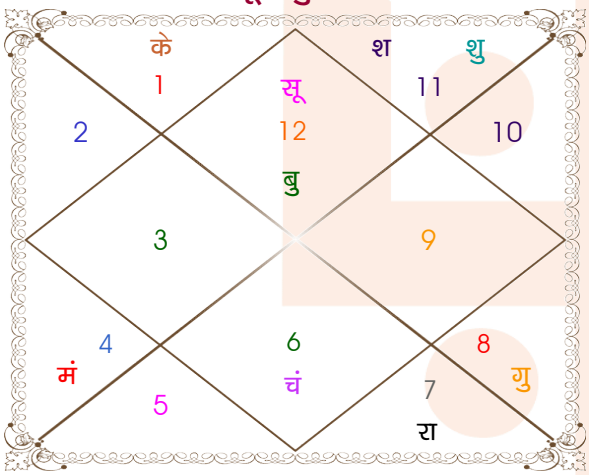

सूर्य कुंडली

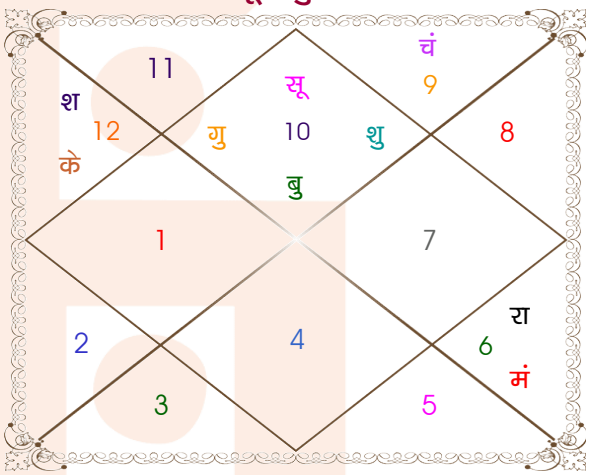

नवमांश कुंडली

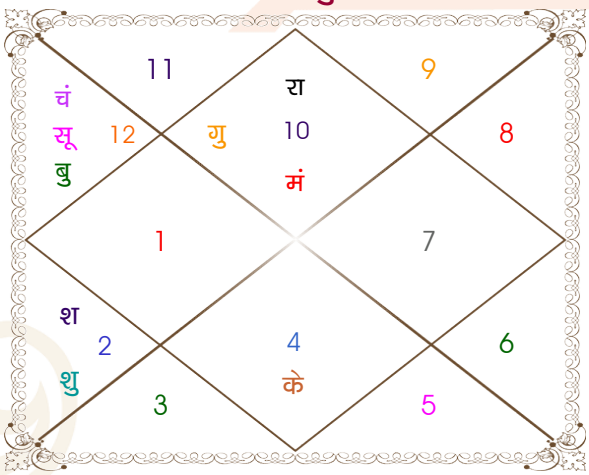

नवमांश कुंडली

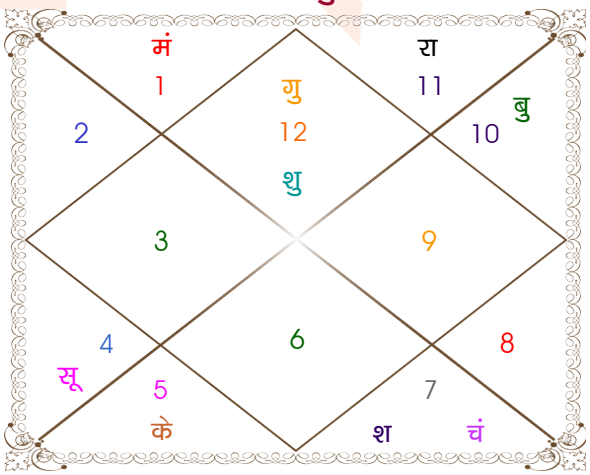

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

कृष्णमूर्ति पद्धति

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 4 मास 4 दिन

के.पी. अयनांश : 23:41:14

फॉरच्युना : मिथुन 10:18:31

ग्रह

ग्रह	व	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
सूर्य		मीन	29:43:07	गुरु	बुध	शनि	गुरु
चंद्र		कन्या	07:00:29	बुध	सूर्य	केतु	केतु
मंगल		कर्क	21:43:41	चंद्र	बुध	सूर्य	राहु
बुध		मीन	28:55:15	गुरु	बुध	शनि	शुक्र
गुरु	व	वृश्चिक	21:27:37	मंगल	बुध	शुक्र	केतु
शुक्र		कुंभ	26:14:17	शनि	गुरु	केतु	गुरु
शनि		कुंभ	25:54:21	शनि	गुरु	केतु	शुक्र
राहु	व	तुला	11:54:57	शुक्र	राहु	शनि	मंगल
केतु	व	मेष	11:54:57	मंगल	केतु	बुध	शुक्र
हर्ष		मक	06:35:36	शनि	सूर्य	बुध	गुरु
नेप		मक	01:48:29	शनि	सूर्य	गुरु	बुध
प्लूटो	व	वृश्चिक	06:28:18	मंगल	शनि	बुध	मंगल

निरयण भाव

भाव	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
1	मक	03:01:10	शनि	सूर्य	शनि	शनि
2	कुंभ	04:50:27	शनि	मंगल	शुक्र	केतु
3	मीन	08:21:12	गुरु	शनि	शुक्र	शुक्र
4	मेष	10:23:56	मंगल	केतु	शनि	शुक्र
5	वृष	09:10:20	शुक्र	सूर्य	शुक्र	गुरु
6	मिथु	05:50:10	बुध	मंगल	चंद्र	राहु
7	कर्क	03:01:10	चंद्र	गुरु	राहु	सूर्य
8	सिंह	04:50:27	सूर्य	केतु	मंगल	राहु
9	कन्या	08:21:12	बुध	सूर्य	शुक्र	चंद्र
10	तुला	10:23:56	शुक्र	राहु	गुरु	राहु
11	वृश्चिक	09:10:20	मंगल	शनि	शुक्र	राहु
12	धनु	05:50:10	गुरु	केतु	राहु	राहु

भाव कुंडली

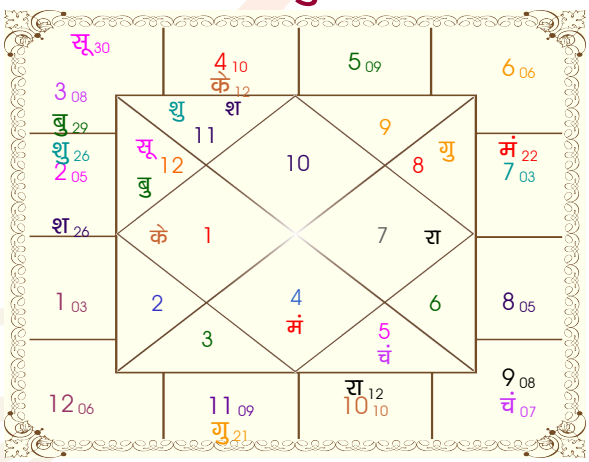

भोग्य दशा काल : शुक्र 7 वर्ष 0 मास 1 दिन

के.पी. अयनांश : 23:42:45

फॉरच्युना : वृष 18:26:42

ग्रह

ग्रह	व	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
सूर्य		मक	22:57:20	शनि	चंद्र	सूर्य	गुरु
चंद्र		धनु	21:59:48	गुरु	शुक्र	शनि	शनि
मंगल		कन्या	12:12:29	बुध	चंद्र	राहु	गुरु
बुध		मक	00:55:57	शनि	सूर्य	राहु	सूर्य
गुरु		मक	09:45:28	शनि	सूर्य	शुक्र	बुध
शुक्र		मक	09:06:27	शनि	सूर्य	शुक्र	गुरु
शनि		मीन	10:18:43	गुरु	शनि	शुक्र	केतु
राहु	व	कन्या	05:49:22	बुध	सूर्य	बुध	सूर्य
केतु	व	मीन	05:49:22	गुरु	शनि	बुध	शुक्र
हर्ष		मक	11:36:26	शनि	चंद्र	मंगल	बुध
नेप		मक	04:26:43	शनि	सूर्य	शनि	मंगल
प्लूटो		वृश्चिक	11:36:31	मंगल	शनि	चंद्र	शनि

निरयण भाव

भाव	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
1	मिथु	19:24:13	बुध	राहु	मंगल	गुरु
2	कर्क	14:10:07	चंद्र	शनि	राहु	केतु
3	सिंह	11:31:04	सूर्य	केतु	बुध	बुध
4	कन्या	12:45:47	बुध	चंद्र	राहु	शनि
5	तुला	16:23:11	शुक्र	राहु	शुक्र	गुरु
6	वृश्चिक	19:05:17	मंगल	बुध	केतु	गुरु
7	धनु	19:24:13	गुरु	शुक्र	राहु	शुक्र
8	मक	14:10:07	शनि	चंद्र	गुरु	शनि
9	कुंभ	11:31:04	शनि	राहु	शनि	शुक्र
10	मीन	12:45:47	गुरु	शनि	मंगल	शुक्र
11	मेष	16:23:11	मंगल	शुक्र	चंद्र	राहु
12	वृष	19:05:17	शुक्र	चंद्र	बुध	राहु

भाव कुंडली

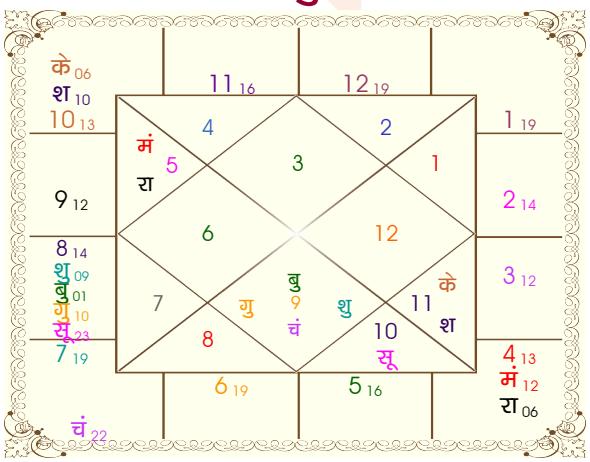

SURESH MAHARAJ

ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .

+91 9860000004

suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

कारकत्व एवं स्वामित्व

भाव कारक

भाव	ग्रह
1	शनि-
2	शुक्र, शनि,
3	सूर्य+ चंद्र, मंगल, बुध+ गुरु+ शुक्र- शनि-
4	मंगल- केतु+
5	शुक्र-
6	सूर्य- मंगल- बुध, गुरु-
7	चंद्र- मंगल,
8	सूर्य- चंद्र+
9	सूर्य- मंगल- बुध, गुरु-
10	शुक्र- राहु+
11	मंगल- गुरु, शुक्र, शनि,
12	गुरु- शुक्र- शनि-

भाव कारक

भाव	ग्रह
1	बुध-
2	सूर्य- चंद्र- मंगल-
3	सूर्य- मंगल, बुध- गुरु- शुक्र- राहु+
4	बुध-
5	चंद्र- शुक्र-
6	मंगल-
7	सूर्य, चंद्र+ मंगल, बुध, गुरु, शुक्र,
8	सूर्य, बुध, गुरु, शुक्र, शनि, राहु, केतु-
9	शनि+ केतु+
10	गुरु-
11	मंगल-
12	चंद्र- शुक्र-

ग्रह कारकत्व

ग्रह	भाव
सूर्य	3+ 6- 8- 9-
चंद्र	3, 7- 8+
मंगल	3, 4- 6- 7, 9- 11-
बुध	3+ 6, 9,
गुरु	3+ 6- 9- 11, 12-
शुक्र	2, 3- 5- 10- 11, 12-
शनि	1- 2, 3- 11, 12-
राहु	10+
केतु	4+

ग्रह कारकत्व

ग्रह	भाव
सूर्य	2- 3- 7, 8,
चंद्र	2- 5- 7+ 12-
मंगल	2- 3, 6- 7, 11-
बुध	1- 3- 4- 7, 8,
गुरु	3- 7, 8, 10-
शुक्र	3- 5- 7, 8, 12-
शनि	8, 9+
राहु	3+ 8,
केतु	8- 9+

स्वामित्व

लग्न नक्षत्र स्वामी	सूर्य
लग्न राशि स्वामी	शनि
राशि नक्षत्र स्वामी	सूर्य
राशि स्वामी	बुध
वार स्वामी	शुक्र
लग्न अन्तर स्वामी	शनि
राशि अन्तर स्वामी	केतु

स्वामित्व

लग्न नक्षत्र स्वामी	राहु
लग्न राशि स्वामी	बुध
राशि नक्षत्र स्वामी	शुक्र
राशि स्वामी	गुरु
वार स्वामी	बुध
लग्न अन्तर स्वामी	मंगल
राशि अन्तर स्वामी	शनि

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

षोडशवर्ग चक्र

वर्गीय कुंडलियां लग्न कुंडली का विस्तार होती हैं। प्रत्येक कुंडली का एक विशेष लक्ष्य होता है, जैसा कि निम्न कुंडलियों के साथ वर्णन किया गया है। विस्तृत रूप से यह जानने के लिए कि ये कुंडलियां कौन से विषय का प्रतिनिधित्व करती हैं, इनका अध्ययन मूल लग्न कुंडली के साथ किया जाना चाहिए। बहरहाल, ये कुंडलियां विशेष सावधानी से देखी जानी चाहिएं, क्योंकि यहां ग्रहों की दृष्टि नहीं होती। सामान्यतः ग्रह का आचरण उस राशि या भाव तक सीमित रहता है जिनमें वे इन वर्गीय कुंडलियों में स्थित हैं।

लग्न कुंडली

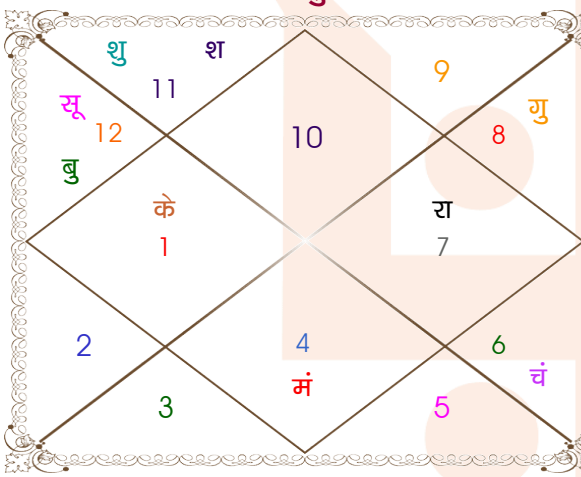

देह विचारः

लग्न कुंडली

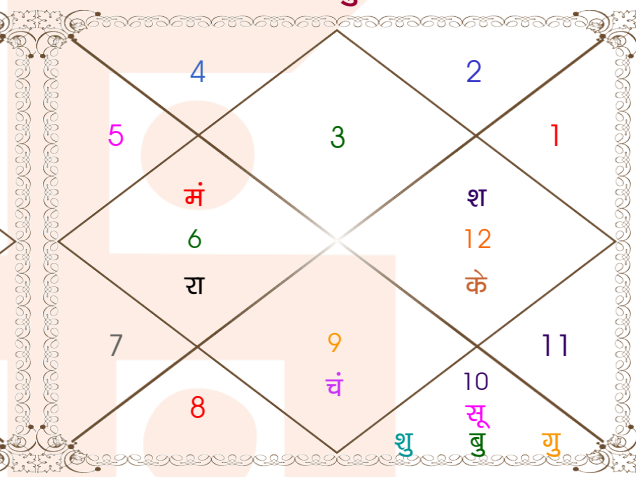

देह विचारः

होरा कुंडली

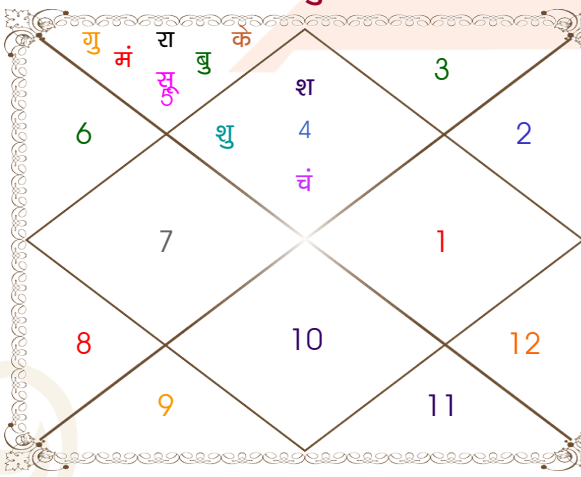

सम्पदाविचारः

होरा कुंडली

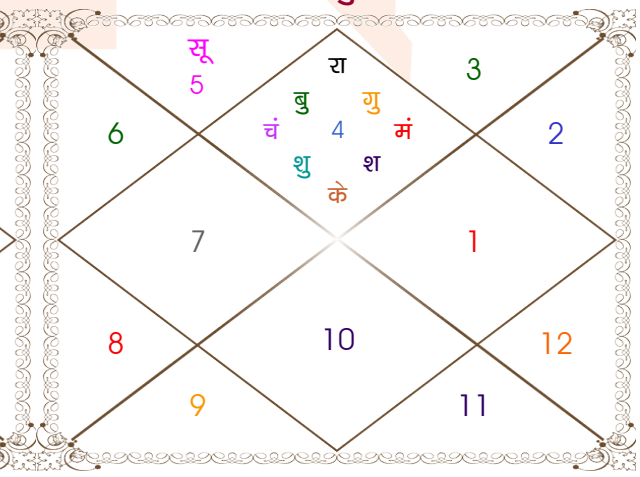

सम्पदाविचारः

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

षोडशवर्ग चक्र

द्रेष्काण कुंडली

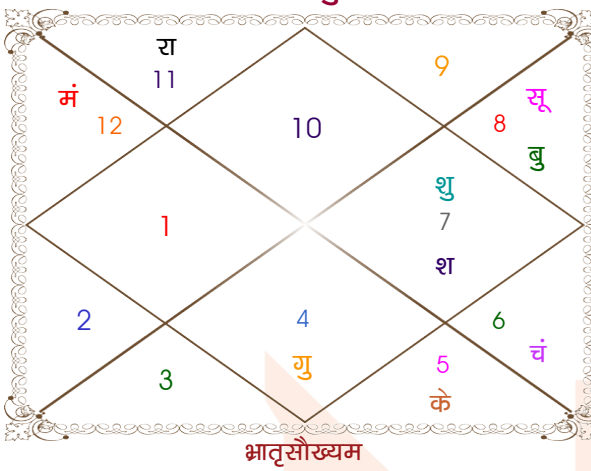

भ्रातृसौख्यम

द्रेष्काण कुंडली

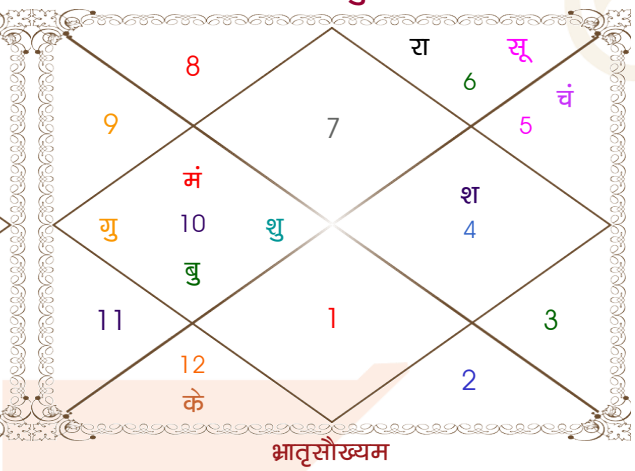

भ्रातृसौख्यम

चतुर्थांश कुंडली

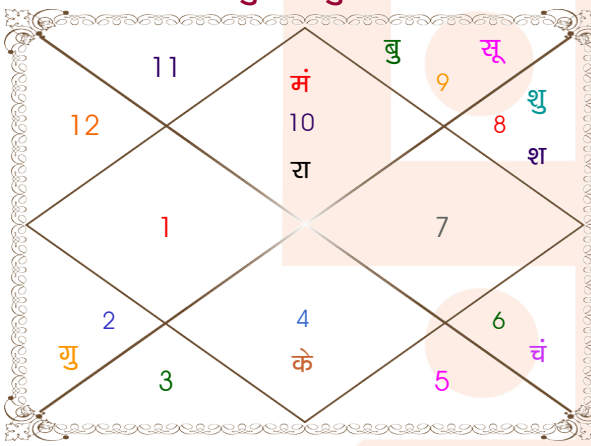

भाग्यविचारः

चतुर्थांश कुंडली

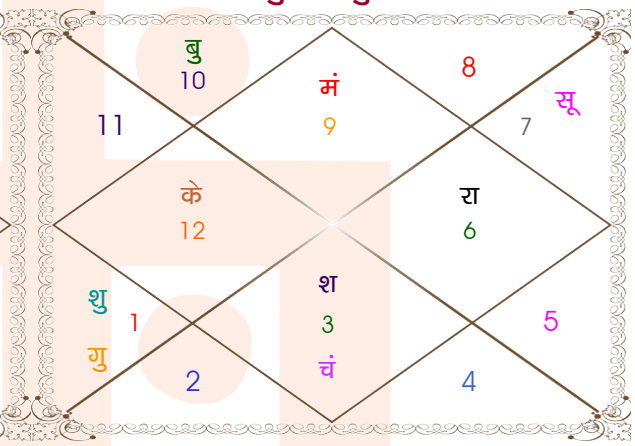

भाग्यविचारः

सप्तमांश कुंडली

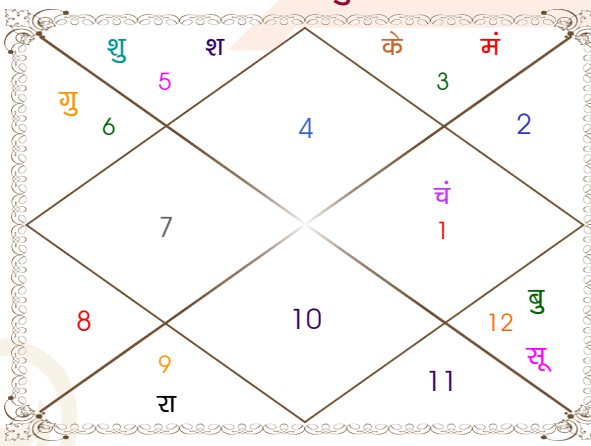

पुत्रपौत्रादिज्ञानम्

सप्तमांश कुंडली

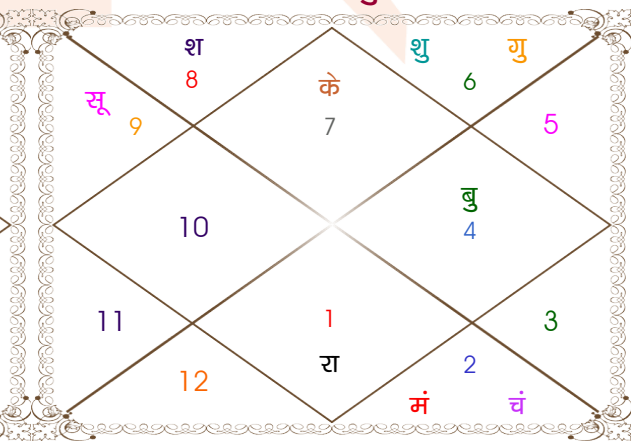

पुत्रपौत्रादिज्ञानम्

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

षोडशवर्ग चक्र

नवमांश कुंडली

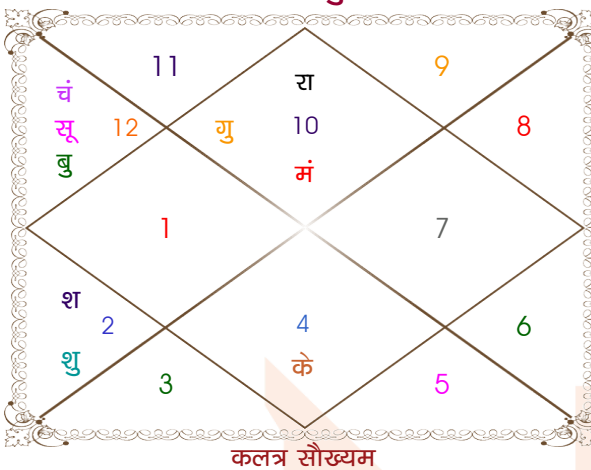

कलत्र सौख्यम

नवमांश कुंडली

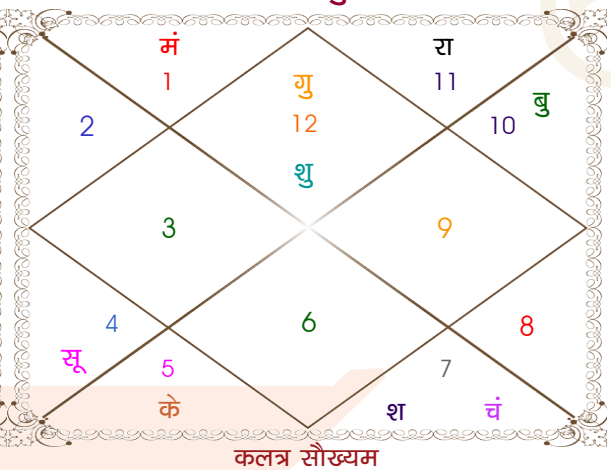

कलत्र सौख्यम

दशमांश कुंडली

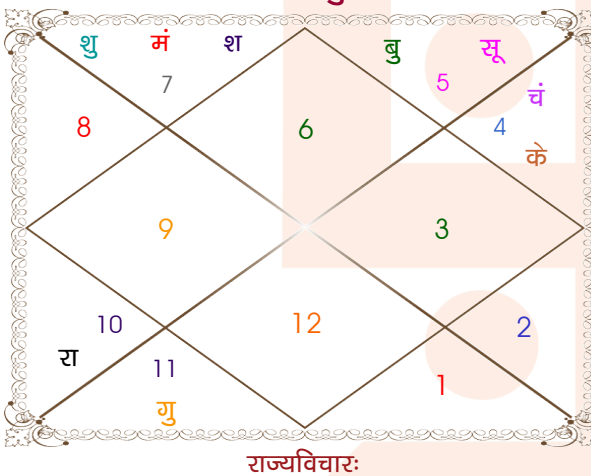

राज्यविचारः

दशमांश कुंडली

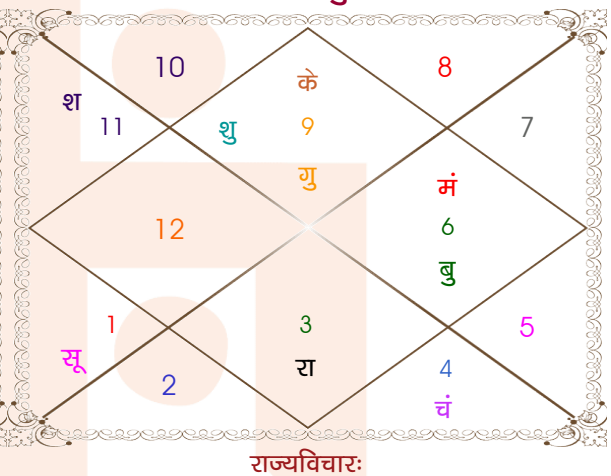

राज्यविचारः

द्वादशांश कुंडली

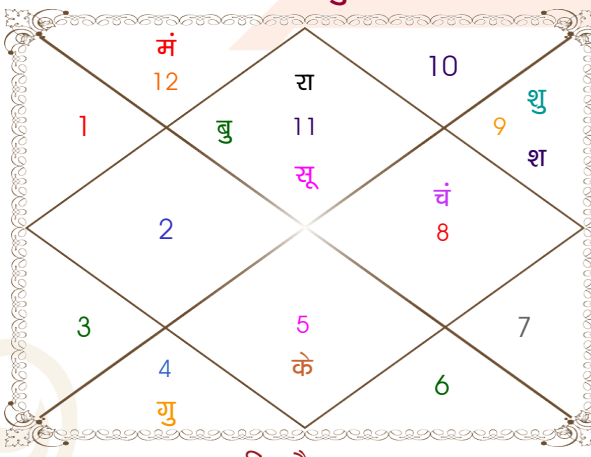

पितृसौख्यम

द्वादशांश कुंडली

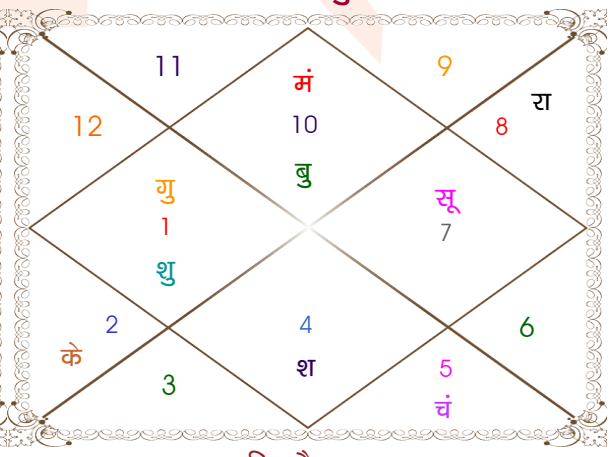

पितृसौख्यम

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

षोडशवर्ग चक्र

षोडशांश कुंडली

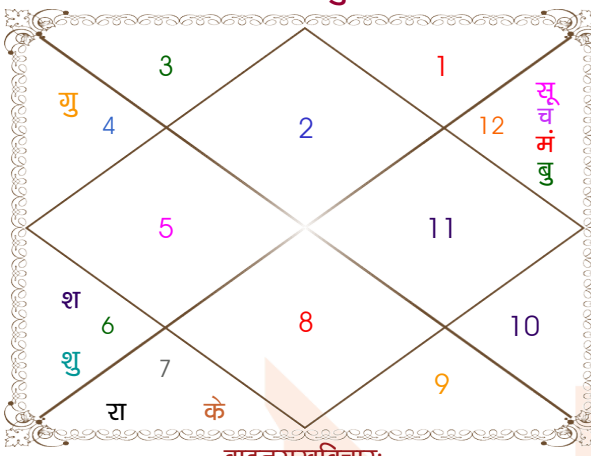

वाहनसुखविचारः

षोडशांश कुंडली

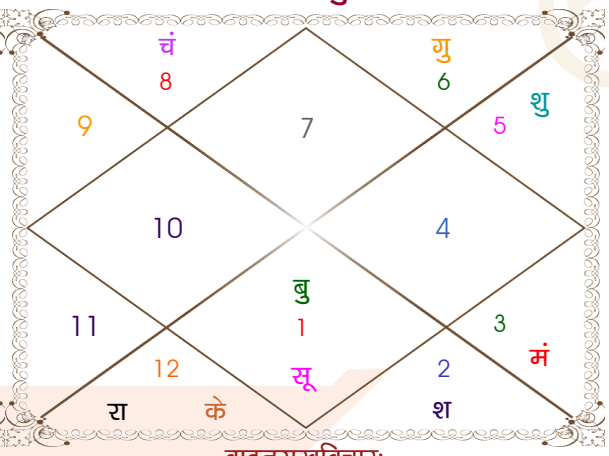

वाहनसुखविचारः

त्रिंशांश कुंडली

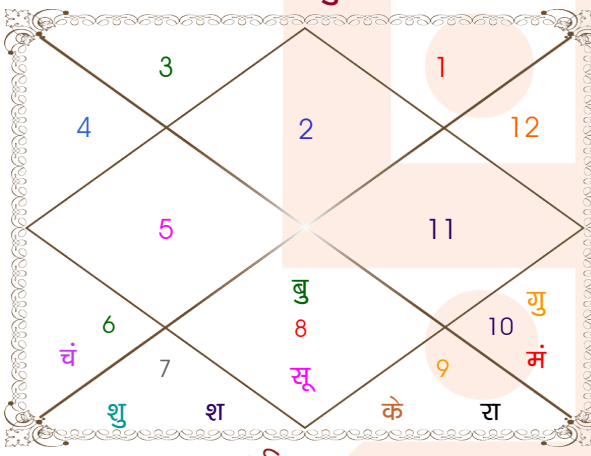

अरिष्टज्ञानम्

त्रिंशांश कुंडली

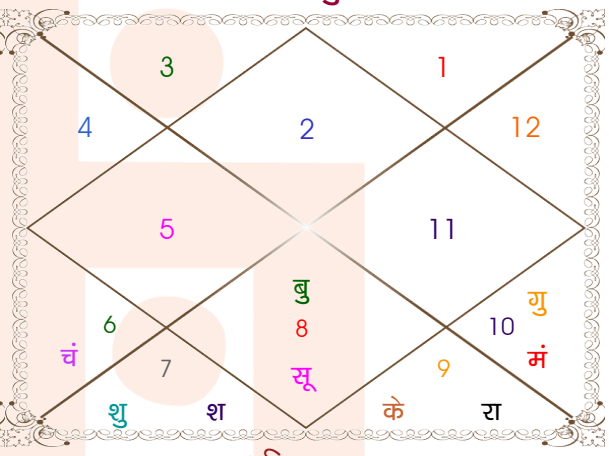

अरिष्टज्ञानम्

षष्ट्यंश कुंडली

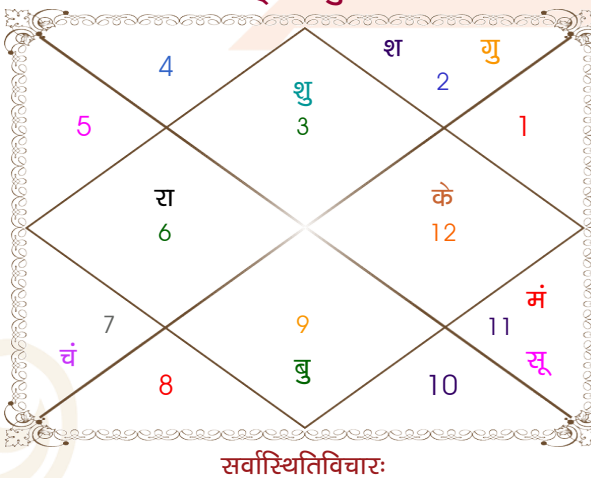

सर्वास्थितिविचारः

षष्ट्यंश कुंडली

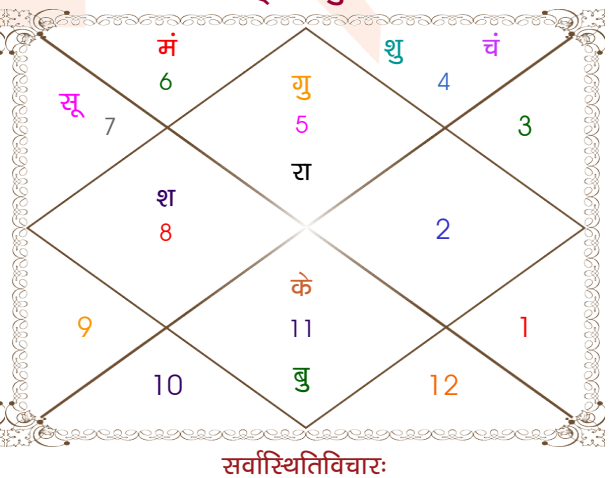

सर्वास्थितिविचारः

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

मैत्री सारिणी

नैसर्गिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	सम	---	सम	मित्र	सम	सम	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	---	शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	---	मित्र	मित्र	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	---	मित्र	शत्रु
राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	मित्र	---	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	---

पंचधा मैत्री - Mr.

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	सम	सम	शत्रु	सम	सम	सम	अधिशत्रु	सम
चंद्र	सम	---	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम	अधिशत्रु
मंगल	सम	अतिमित्र	---	अधिशत्रु	सम	शत्रु	शत्रु	सम	अतिमित्र
बुध	सम	अधिशत्रु	शत्रु	---	शत्रु	अतिमित्र	मित्र	शत्रु	मित्र
गुरु	सम	अतिमित्र	सम	अधिशत्रु	---	सम	मित्र	मित्र	शत्रु
शुक्र	सम	अधिशत्रु	शत्रु	अतिमित्र	मित्र	---	सम	सम	अतिमित्र
शनि	सम	अधिशत्रु	अधिशत्रु	अतिमित्र	मित्र	सम	---	सम	सम
राहु	अधिशत्रु	सम	सम	शत्रु	मित्र	सम	सम	---	अधिशत्रु
केतु	सम	अधिशत्रु	अतिमित्र	मित्र	शत्रु	अतिमित्र	सम	अधिशत्रु	---

पंचधा मैत्री - Prerna Prasad

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	अतिमित्र	सम	शत्रु	सम	अधिशत्रु	सम	अधिशत्रु	सम
चंद्र	अतिमित्र	---	मित्र	अतिमित्र	मित्र	मित्र	मित्र	सम	सम
मंगल	सम	अतिमित्र	---	अधिशत्रु	सम	शत्रु	शत्रु	अधिशत्रु	सम
बुध	सम	सम	शत्रु	---	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	मित्र
गुरु	सम	अतिमित्र	सम	अधिशत्रु	---	अधिशत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र
शुक्र	अधिशत्रु	सम	शत्रु	सम	शत्रु	---	अतिमित्र	सम	अतिमित्र
शनि	सम	सम	अधिशत्रु	अतिमित्र	मित्र	अतिमित्र	---	सम	अधिशत्रु
राहु	अधिशत्रु	सम	अधिशत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम	---	अधिशत्रु
केतु	सम	सम	सम	मित्र	मित्र	अतिमित्र	अधिशत्रु	अधिशत्रु	---

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

प्रस्ताराष्टकवर्ग सारिणी

सूर्य का अष्टकवर्ग

	मी	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	कुल
शनि	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	8
गुरु	1	1	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	4
मंगल	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	8
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
शुक्र	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	0	3
बुध	0	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	7
चंद्र	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	4
लग्न	1	1	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	6
कुल	5	4	3	3	5	4	3	4	5	4	4	4	48

सूर्य का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	1	1	0	0	1	1	0	1	0	0	0	1	6
सूर्य	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	8
चंद्र	0	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	4
मंगल	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	8
बुध	0	1	1	0	0	1	1	1	1	0	0	1	7
गुरु	0	1	1	0	0	1	0	1	0	0	0	0	4
शुक्र	0	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	3
शनि	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	8
कुल	4	5	5	3	2	7	5	5	4	2	2	4	48

चंद्र का अष्टकवर्ग

	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कं	सि	कुल
शनि	0	0	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	4
गुरु	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	7
मंगल	1	0	1	1	0	0	0	1	1	0	0	1	6
सूर्य	1	1	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	6
शुक्र	0	1	1	1	0	0	0	1	1	1	0	1	7
बुध	1	1	0	1	1	0	1	0	1	1	1	0	8
चंद्र	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	1	0	7
लग्न	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	4
कुल	5	4	5	6	2	2	3	3	6	6	3	4	49

चंद्र का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	4
सूर्य	0	0	1	1	1	0	1	1	0	0	0	1	6
चंद्र	0	1	1	0	0	1	1	0	1	0	1	0	6
मंगल	0	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
बुध	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	1	8
गुरु	1	0	0	1	1	0	1	1	1	1	0	0	7
शुक्र	1	1	0	1	0	1	1	1	0	0	0	1	7
शनि	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	4
कुल	4	5	3	6	5	2	6	6	2	4	2	4	49

मंगल का अष्टकवर्ग

	कं	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कुल
शनि	0	1	1	1	1	1	0	1	0	0	1	0	7
गुरु	0	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
सूर्य	1	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	5
शुक्र	1	0	1	0	0	1	1	0	0	0	0	0	4
बुध	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	4
चंद्र	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	3
लग्न	0	0	0	1	1	0	1	0	1	0	0	1	5
कुल	5	5	3	4	3	3	5	3	1	2	4	1	39

मंगल का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	1	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	5
सूर्य	0	1	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	5
चंद्र	0	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	3
मंगल	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	7
बुध	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	4
गुरु	0	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	0	4
शुक्र	0	0	1	0	1	0	0	1	1	0	0	0	4
शनि	0	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	7
कुल	2	3	7	1	2	2	5	6	4	1	1	5	39

बुध का अष्टकवर्ग

	मी	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	कुल
शनि	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	8
गुरु	0	1	0	1	0	0	1	1	0	0	0	0	4
मंगल	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	8
सूर्य	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	1	5
शुक्र	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	1	8
बुध	1	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	8
चंद्र	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	1	6
लग्न	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	1	1	7
कुल	4	5	4	4	4	5	3	6	4	4	4	7	54

बुध का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	1	0	1	1	0	1	0	1	0	1	0	1	7
सूर्य	0	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	5
चंद्र	0	1	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	6
मंगल	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	8
बुध	0	1	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	8
गुरु	0	0	1	0	1	0	0	1	1	0	0	0	4
शुक्र	1	1	0	0	1	1	0	1	0	1	1	1	8
शनि	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	8
कुल	4	5	6	3	2	7	4	6	5	5	1	6	54

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

प्रस्ताराष्टकवर्ग सारिणी

गुरु का अष्टकवर्ग

	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कर्क	सिं	कं	तु	कुल
शनि	0	0	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	4
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	8
मंगल	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	7
सूर्य	1	1	1	0	1	1	1	1	0	0	1	1	9
शुक्र	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	0	1	6
बुध	1	1	1	0	1	1	0	1	1	1	0	0	8
चंद्र	0	0	1	0	1	0	1	0	1	0	0	1	5
लग्न	1	0	1	1	0	1	1	1	1	0	1	1	9
कुल	5	4	7	3	4	5	5	6	6	3	3	5	56

गुरु का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	कर्क	सिं	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	1	0	1	1	0	1	1	1	1	0	1	1	9
सूर्य	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	1	9
चंद्र	1	0	1	0	1	0	1	0	0	1	0	0	5
मंगल	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	7
बुध	1	1	1	0	0	1	1	1	0	1	1	0	8
गुरु	1	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	1	8
शुक्र	0	1	1	0	0	1	1	1	0	0	1	0	6
शनि	0	1	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	4
कुल	6	3	5	5	4	5	7	5	2	4	6	4	56

शुक्र का अष्टकवर्ग

	कुं	मी	मे	वृ	मि	कर्क	सिं	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुल
शनि	0	0	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	7
गुरु	0	1	0	0	1	1	1	1	0	0	0	0	5
मंगल	0	1	0	1	1	0	0	1	1	0	1	0	6
सूर्य	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	3
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	9
बुध	0	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	5
चंद्र	0	0	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	9
लग्न	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	1	8
कुल	3	4	4	6	4	3	4	6	5	5	4	4	52

शुक्र का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	कर्क	सिं	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	1	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	8
सूर्य	0	0	0	0	1	0	0	1	1	0	0	0	3
चंद्र	1	0	0	1	1	0	1	1	1	1	1	1	9
मंगल	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	1	0	6
बुध	0	1	1	0	0	1	0	1	0	0	0	1	5
गुरु	0	1	0	0	1	1	1	1	0	0	0	0	5
शुक्र	1	1	0	0	1	1	1	1	0	1	1	1	9
शनि	0	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	0	7
कुल	3	5	3	4	6	4	5	7	3	5	4	3	52

शनि का अष्टकवर्ग

	कुं	मी	मे	वृ	मि	कर्क	सिं	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुल
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
गुरु	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	4
मंगल	0	0	1	1	1	0	0	1	0	1	1	0	6
सूर्य	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	7
शुक्र	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	1	1	3
बुध	1	0	0	0	0	0	1	0	1	1	1	1	6
चंद्र	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	3
लग्न	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	0	1	6
कुल	2	3	5	1	4	3	1	3	4	4	5	4	39

शनि का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	कर्क	सिं	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	1	0	1	0	1	1	0	1	0	0	0	1	6
सूर्य	1	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	7
चंद्र	0	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	3
मंगल	0	0	1	1	1	0	0	1	0	1	1	0	6
बुध	0	0	1	0	1	1	1	1	1	0	0	0	6
गुरु	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	4
शुक्र	0	0	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	3
शनि	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	4
कुल	2	3	5	3	5	2	3	6	3	3	3	1	39

लग्न का अष्टकवर्ग

	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कर्क	सिं	कं	तु	वृश्चि	ध	कुल
शनि	0	1	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	6
गुरु	0	1	1	1	1	0	1	1	1	0	1	1	9
मंगल	0	0	0	1	1	0	1	0	1	0	0	1	5
सूर्य	1	1	0	0	1	1	0	1	0	0	0	1	6
शुक्र	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	0	7
बुध	1	0	1	1	0	1	0	1	0	1	0	1	7
चंद्र	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	0	5
लग्न	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
कुल	2	5	4	5	5	5	4	4	3	3	4	5	49

लग्न का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	कर्क	सिं	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	4
सूर्य	1	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	6
चंद्र	0	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	4
मंगल	0	0	1	1	0	1	0	1	0	0	1	0	5
बुध	1	0	1	0	1	0	1	1	0	1	1	0	7
गुरु	1	1	1	1	0	1	1	1	0	1	1	0	9
शुक्र	1	1	0	0	1	1	0	1	0	1	1	1	8
शनि	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	0	1	6
कुल	5	4	5	2	4	4	4	6	2	4	5	4	49

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग

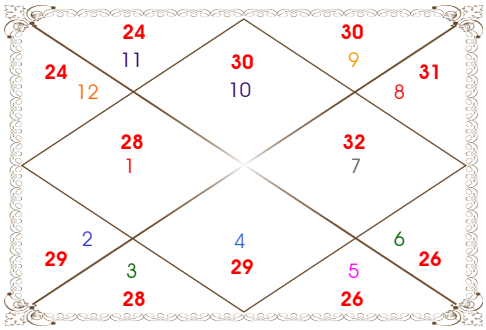

सर्वाष्टकवर्ग

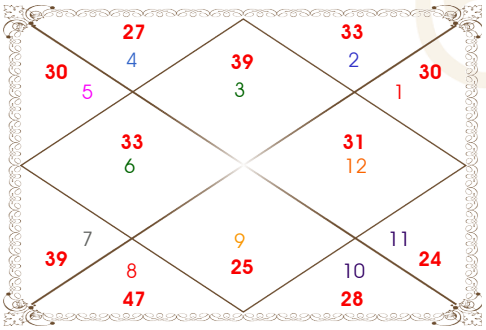

Mr.

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	5	1	4	3	1	3	4	4	5	4	2	3	39
गुरु	5	5	6	6	3	3	5	5	4	7	3	4	56
मंगल	2	4	1	5	5	3	4	3	3	5	3	1	39
सूर्य	4	3	3	5	4	3	4	5	4	4	4	5	48
शुक्र	4	6	4	3	4	6	5	5	4	4	3	4	52
बुध	5	4	4	4	5	3	6	4	4	4	7	4	54
चंद्र	3	6	6	3	4	5	4	5	6	2	2	3	49
बिन्दु	28	29	28	29	26	26	32	31	30	30	24	24	337
रेखा	28	27	28	27	30	30	24	25	26	26	32	32	335

Prerna Prasad

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	5	4	5	2	4	4	4	6	2	4	5	4	49
सूर्य	4	5	5	3	2	7	5	5	4	2	2	4	48
चंद्र	4	5	3	6	5	2	6	6	2	4	2	4	49
मंगल	2	3	7	1	2	2	5	6	4	1	1	5	39
बुध	4	5	6	3	2	7	4	6	5	5	1	6	54
गुरु	6	3	5	5	4	5	7	5	2	4	6	4	56
शुक्र	3	5	3	4	6	4	5	7	3	5	4	3	52
शनि	2	3	5	3	5	2	3	6	3	3	3	1	39
बिन्दु	30	33	39	27	30	33	39	47	25	28	24	31	386
रेखा	34	31	25	37	34	31	25	17	39	36	40	33	382

शोध्य पिंड - Mr.

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	18	110	117	67	76	38	104
ग्रह पिंड	12	35	76	36	26	40	20
शोध्य पिंड	30	145	193	103	102	78	124

शोध्य पिंड - Prerna Prasad

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	108	55	107	153	140	68	88	118
ग्रह पिंड	10	55	54	38	46	43	27	32
शोध्य पिंड	118	110	161	191	186	111	115	150

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

विंशोत्तरी दशा

सूर्य 1 वर्ष 4 मास 22 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
14/04/1995		04/09/1996		04/09/2006	
04/09/1996		04/09/2006		04/09/2013	
	00/00/0000	चंद्र	05/07/1997	मंगल	31/01/2007
	00/00/0000	मंगल	03/02/1998	राहु	19/02/2008
	00/00/0000	राहु	05/08/1999	गुरु	25/01/2009
	00/00/0000	गुरु	04/12/2000	शनि	06/03/2010
	00/00/0000	शनि	05/07/2002	बुध	03/03/2011
	14/04/1995	बुध	05/12/2003	केतु	30/07/2011
बुध	30/04/1995	केतु	05/07/2004	शुक्र	28/09/2012
केतु	05/09/1995	शुक्र	06/03/2006	सूर्य	03/02/2013
शुक्र	04/09/1996	सूर्य	04/09/2006	चंद्र	04/09/2013

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
04/09/2013		05/09/2031		05/09/2047	
05/09/2031		05/09/2047		04/09/2066	
राहु	17/05/2016	गुरु	23/10/2033	शनि	07/09/2050
गुरु	11/10/2018	शनि	05/05/2036	बुध	18/05/2053
शनि	17/08/2021	बुध	11/08/2038	केतु	26/06/2054
बुध	05/03/2024	केतु	18/07/2039	शुक्र	26/08/2057
केतु	24/03/2025	शुक्र	18/03/2042	सूर्य	08/08/2058
शुक्र	23/03/2028	सूर्य	04/01/2043	चंद्र	08/03/2060
सूर्य	15/02/2029	चंद्र	05/05/2044	मंगल	17/04/2061
चंद्र	17/08/2030	मंगल	11/04/2045	राहु	22/02/2064
मंगल	05/09/2031	राहु	05/09/2047	गुरु	04/09/2066

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
04/09/2066		05/09/2083		04/09/2090	
05/09/2083		04/09/2090		05/09/2110	
बुध	31/01/2069	केतु	01/02/2084	शुक्र	04/01/2094
केतु	28/01/2070	शुक्र	02/04/2085	सूर्य	04/01/2095
शुक्र	28/11/2072	सूर्य	08/08/2085	चंद्र	04/09/2096
सूर्य	05/10/2073	चंद्र	09/03/2086	मंगल	04/11/2097
चंद्र	06/03/2075	मंगल	05/08/2086	राहु	05/11/2100
मंगल	02/03/2076	राहु	23/08/2087	गुरु	07/07/2103
राहु	20/09/2078	गुरु	29/07/2088	शनि	05/09/2106
गुरु	25/12/2080	शनि	07/09/2089	बुध	06/07/2109
शनि	05/09/2083	बुध	04/09/2090	केतु	05/09/2110

शुक्र 7 वर्ष 1 मास 28 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
05/02/1997		05/04/2004		05/04/2010	
05/04/2004		05/04/2010		05/04/2020	
	00/00/0000	सूर्य	24/07/2004	चंद्र	04/02/2011
	00/00/0000	चंद्र	22/01/2005	मंगल	05/09/2011
	00/00/0000	मंगल	30/05/2005	राहु	06/03/2013
	00/00/0000	राहु	24/04/2006	गुरु	06/07/2014
	00/00/0000	गुरु	10/02/2007	शनि	04/02/2016
	05/02/1997	शनि	23/01/2008	बुध	05/07/2017
शनि	05/04/2000	बुध	28/11/2008	केतु	04/02/2018
बुध	04/02/2003	केतु	05/04/2009	शुक्र	05/10/2019
केतु	05/04/2004	शुक्र	05/04/2010	सूर्य	05/04/2020

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
05/04/2020		06/04/2027		05/04/2045	
06/04/2027		05/04/2045		05/04/2061	
मंगल	01/09/2020	राहु	17/12/2029	गुरु	24/05/2047
राहु	20/09/2021	गुरु	11/05/2032	शनि	05/12/2049
गुरु	26/08/2022	शनि	18/03/2035	बुध	12/03/2052
शनि	05/10/2023	बुध	05/10/2037	केतु	15/02/2053
बुध	02/10/2024	केतु	23/10/2038	शुक्र	17/10/2055
केतु	28/02/2025	शुक्र	23/10/2041	सूर्य	05/08/2056
शुक्र	30/04/2026	सूर्य	17/09/2042	चंद्र	05/12/2057
सूर्य	05/09/2026	चंद्र	18/03/2044	मंगल	11/11/2058
चंद्र	06/04/2027	मंगल	05/04/2045	राहु	05/04/2061

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
05/04/2061		05/04/2080		05/04/2097	
05/04/2080		05/04/2097		06/04/2104	
शनि	08/04/2064	बुध	02/09/2082	केतु	01/09/2097
बुध	17/12/2066	केतु	30/08/2083	शुक्र	01/11/2098
केतु	26/01/2068	शुक्र	30/06/2086	सूर्य	09/03/2099
शुक्र	28/03/2071	सूर्य	06/05/2087	चंद्र	08/10/2099
सूर्य	09/03/2072	चंद्र	05/10/2088	मंगल	06/03/2100
चंद्र	08/10/2073	मंगल	02/10/2089	राहु	25/03/2101
मंगल	17/11/2074	राहु	20/04/2092	गुरु	01/03/2102
राहु	23/09/2077	गुरु	27/07/2094	शनि	10/04/2103
गुरु	05/04/2080	शनि	05/04/2097	बुध	06/04/2104

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - शुक्र		राहु - सूर्य		राहु - चंद्र	
24/03/2025		23/03/2028		15/02/2029	
23/03/2028		15/02/2029		17/08/2030	
शुक्र	22/09/2025	सूर्य	09/04/2028	चंद्र	02/04/2029
सूर्य	16/11/2025	चंद्र	06/05/2028	मंगल	04/05/2029
चंद्र	15/02/2026	मंगल	25/05/2028	राहु	25/07/2029
मंगल	20/04/2026	राहु	14/07/2028	गुरु	06/10/2029
राहु	02/10/2026	गुरु	27/08/2028	शनि	01/01/2030
गुरु	25/02/2027	शनि	18/10/2028	बुध	19/03/2030
शनि	17/08/2027	बुध	03/12/2028	केतु	20/04/2030
बुध	20/01/2028	केतु	22/12/2028	शुक्र	21/07/2030
केतु	23/03/2028	शुक्र	15/02/2029	सूर्य	17/08/2030

मंगल - शुक्र		मंगल - सूर्य		मंगल - चंद्र	
28/02/2025		30/04/2026		05/09/2026	
30/04/2026		05/09/2026		06/04/2027	
शुक्र	10/05/2025	सूर्य	06/05/2026	चंद्र	22/09/2026
सूर्य	31/05/2025	चंद्र	17/05/2026	मंगल	05/10/2026
चंद्र	05/07/2025	मंगल	24/05/2026	राहु	06/11/2026
मंगल	30/07/2025	राहु	12/06/2026	गुरु	04/12/2026
राहु	02/10/2025	गुरु	30/06/2026	शनि	07/01/2027
गुरु	28/11/2025	शनि	20/07/2026	बुध	06/02/2027
शनि	04/02/2026	बुध	07/08/2026	केतु	19/02/2027
बुध	05/04/2026	केतु	14/08/2026	शुक्र	26/03/2027
केतु	30/04/2026	शुक्र	05/09/2026	सूर्य	06/04/2027

राहु - मंगल		गुरु - गुरु		गुरु - शनि	
17/08/2030		05/09/2031		23/10/2033	
05/09/2031		23/10/2033		05/05/2036	
मंगल	08/09/2030	गुरु	17/12/2031	शनि	18/03/2034
राहु	05/11/2030	शनि	19/04/2032	बुध	27/07/2034
गुरु	26/12/2030	बुध	07/08/2032	केतु	19/09/2034
शनि	25/02/2031	केतु	22/09/2032	शुक्र	21/02/2035
बुध	20/04/2031	शुक्र	30/01/2033	सूर्य	08/04/2035
केतु	13/05/2031	सूर्य	10/03/2033	चंद्र	24/06/2035
शुक्र	15/07/2031	चंद्र	13/05/2033	मंगल	17/08/2035
सूर्य	04/08/2031	मंगल	28/06/2033	राहु	03/01/2036
चंद्र	05/09/2031	राहु	23/10/2033	गुरु	05/05/2036

राहु - राहु		राहु - गुरु		राहु - शनि	
06/04/2027		17/12/2029		11/05/2032	
17/12/2029		11/05/2032		18/03/2035	
राहु	01/09/2027	गुरु	13/04/2030	शनि	23/10/2032
गुरु	10/01/2028	शनि	30/08/2030	बुध	20/03/2033
शनि	14/06/2028	बुध	01/01/2031	केतु	19/05/2033
बुध	01/11/2028	केतु	21/02/2031	शुक्र	09/11/2033
केतु	28/12/2028	शुक्र	17/07/2031	सूर्य	31/12/2033
शुक्र	11/06/2029	सूर्य	30/08/2031	चंद्र	28/03/2034
सूर्य	30/07/2029	चंद्र	11/11/2031	मंगल	27/05/2034
चंद्र	20/10/2029	मंगल	01/01/2032	राहु	31/10/2034
मंगल	17/12/2029	राहु	11/05/2032	गुरु	18/03/2035

गुरु - बुध		गुरु - केतु		गुरु - शुक्र	
05/05/2036		11/08/2038		18/07/2039	
11/08/2038		18/07/2039		18/03/2042	
बुध	30/08/2036	केतु	31/08/2038	शुक्र	27/12/2039
केतु	18/10/2036	शुक्र	27/10/2038	सूर्य	14/02/2040
शुक्र	05/03/2037	सूर्य	13/11/2038	चंद्र	05/05/2040
सूर्य	15/04/2037	चंद्र	11/12/2038	मंगल	01/07/2040
चंद्र	23/06/2037	मंगल	31/12/2038	राहु	24/11/2040
मंगल	10/08/2037	राहु	20/02/2039	गुरु	03/04/2041
राहु	13/12/2037	गुरु	07/04/2039	शनि	04/09/2041
गुरु	02/04/2038	शनि	31/05/2039	बुध	20/01/2042
शनि	11/08/2038	बुध	18/07/2039	केतु	18/03/2042

राहु - बुध		राहु - केतु		राहु - शुक्र	
18/03/2035		05/10/2037		23/10/2038	
05/10/2037		23/10/2038		23/10/2041	
बुध	28/07/2035	केतु	27/10/2037	शुक्र	24/04/2039
केतु	21/09/2035	शुक्र	30/12/2037	सूर्य	18/06/2039
शुक्र	23/02/2036	सूर्य	18/01/2038	चंद्र	17/09/2039
सूर्य	09/04/2036	चंद्र	19/02/2038	मंगल	20/11/2039
चंद्र	26/06/2036	मंगल	14/03/2038	राहु	02/05/2040
मंगल	19/08/2036	राहु	10/05/2038	गुरु	25/09/2040
राहु	06/01/2037	गुरु	30/06/2038	शनि	18/03/2041
गुरु	10/05/2037	शनि	30/08/2038	बुध	20/08/2041
शनि	05/10/2037	बुध	23/10/2038	केतु	23/10/2041

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

गुरु - सूर्य		गुरु - चंद्र		गुरु - मंगल	
18/03/2042		04/01/2043		05/05/2044	
04/01/2043		05/05/2044		11/04/2045	
सूर्य	01/04/2042	चंद्र	14/02/2043	मंगल	25/05/2044
चंद्र	26/04/2042	मंगल	14/03/2043	राहु	15/07/2044
मंगल	13/05/2042	राहु	26/05/2043	गुरु	30/08/2044
राहु	26/06/2042	गुरु	30/07/2043	शनि	23/10/2044
गुरु	04/08/2042	शनि	15/10/2043	बुध	10/12/2044
शनि	19/09/2042	बुध	23/12/2043	केतु	30/12/2044
बुध	30/10/2042	केतु	21/01/2044	शुक्र	25/02/2045
केतु	16/11/2042	शुक्र	11/04/2044	सूर्य	14/03/2045
शुक्र	04/01/2043	सूर्य	05/05/2044	चंद्र	11/04/2045

राहु - सूर्य		राहु - चंद्र		राहु - मंगल	
23/10/2041		17/09/2042		18/03/2044	
17/09/2042		18/03/2044		05/04/2045	
सूर्य	09/11/2041	चंद्र	01/11/2042	मंगल	09/04/2044
चंद्र	06/12/2041	मंगल	03/12/2042	राहु	06/06/2044
मंगल	25/12/2041	राहु	24/02/2043	गुरु	27/07/2044
राहु	12/02/2042	गुरु	08/05/2043	शनि	25/09/2044
गुरु	28/03/2042	शनि	02/08/2043	बुध	19/11/2044
शनि	19/05/2042	बुध	19/10/2043	केतु	11/12/2044
बुध	05/07/2042	केतु	20/11/2043	शुक्र	13/02/2045
केतु	24/07/2042	शुक्र	19/02/2044	सूर्य	04/03/2045
शुक्र	17/09/2042	सूर्य	18/03/2044	चंद्र	05/04/2045

गुरु - राहु		शनि - शनि		शनि - बुध	
11/04/2045		05/09/2047		07/09/2050	
05/09/2047		07/09/2050		18/05/2053	
राहु	20/08/2045	शनि	26/02/2048	बुध	25/01/2051
गुरु	15/12/2045	बुध	30/07/2048	केतु	23/03/2051
शनि	03/05/2046	केतु	02/10/2048	शुक्र	03/09/2051
बुध	04/09/2046	शुक्र	03/04/2049	सूर्य	22/10/2051
केतु	25/10/2046	सूर्य	28/05/2049	चंद्र	12/01/2052
शुक्र	21/03/2047	चंद्र	28/08/2049	मंगल	09/03/2052
सूर्य	03/05/2047	मंगल	31/10/2049	राहु	04/08/2052
चंद्र	15/07/2047	राहु	14/04/2050	गुरु	13/12/2052
मंगल	05/09/2047	गुरु	07/09/2050	शनि	18/05/2053

गुरु - गुरु		गुरु - शनि		गुरु - बुध	
05/04/2045		24/05/2047		05/12/2049	
24/05/2047		05/12/2049		12/03/2052	
गुरु	18/07/2045	शनि	18/10/2047	बुध	01/04/2050
शनि	18/11/2045	बुध	26/02/2048	केतु	19/05/2050
बुध	09/03/2046	केतु	20/04/2048	शुक्र	04/10/2050
केतु	23/04/2046	शुक्र	21/09/2048	सूर्य	15/11/2050
शुक्र	31/08/2046	सूर्य	06/11/2048	चंद्र	23/01/2051
सूर्य	09/10/2046	चंद्र	23/01/2049	मंगल	12/03/2051
चंद्र	13/12/2046	मंगल	18/03/2049	राहु	14/07/2051
मंगल	27/01/2047	राहु	03/08/2049	गुरु	01/11/2051
राहु	24/05/2047	गुरु	05/12/2049	शनि	12/03/2052

शनि - केतु		शनि - शुक्र		शनि - सूर्य	
18/05/2053		26/06/2054		26/08/2057	
26/06/2054		26/08/2057		08/08/2058	
केतु	10/06/2053	शुक्र	05/01/2055	सूर्य	12/09/2057
शुक्र	17/08/2053	सूर्य	04/03/2055	चंद्र	11/10/2057
सूर्य	06/09/2053	चंद्र	08/06/2055	मंगल	31/10/2057
चंद्र	10/10/2053	मंगल	15/08/2055	राहु	23/12/2057
मंगल	02/11/2053	राहु	04/02/2056	गुरु	07/02/2058
राहु	02/01/2054	गुरु	07/07/2056	शनि	03/04/2058
गुरु	25/02/2054	शनि	07/01/2057	बुध	22/05/2058
शनि	30/04/2054	बुध	19/06/2057	केतु	11/06/2058
बुध	26/06/2054	केतु	26/08/2057	शुक्र	08/08/2058

गुरु - केतु		गुरु - शुक्र		गुरु - सूर्य	
12/03/2052		15/02/2053		17/10/2055	
15/02/2053		17/10/2055		05/08/2056	
केतु	31/03/2052	शुक्र	28/07/2053	सूर्य	01/11/2055
शुक्र	27/05/2052	सूर्य	15/09/2053	चंद्र	25/11/2055
सूर्य	13/06/2052	चंद्र	05/12/2053	मंगल	12/12/2055
चंद्र	12/07/2052	मंगल	30/01/2054	राहु	25/01/2056
मंगल	01/08/2052	राहु	26/06/2054	गुरु	04/03/2056
राहु	21/09/2052	गुरु	02/11/2054	शनि	20/04/2056
गुरु	05/11/2052	शनि	06/04/2055	बुध	31/05/2056
शनि	29/12/2052	बुध	22/08/2055	केतु	17/06/2056
बुध	15/02/2053	केतु	17/10/2055	शुक्र	05/08/2056

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

योगिनी दशा

सिद्धा 1 वर्ष 7 मास 15 दिन

सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष	
14/04/1995		28/11/1996		28/11/2004	
28/11/1996		28/11/2004		28/11/2005	
	00/00/0000	संक	08/09/1998	मंग	08/12/2004
	00/00/0000	मंग	28/11/1998	पिंग	28/12/2004
	00/00/0000	पिंग	10/05/1999	धांय	28/01/2005
	00/00/0000	धांय	08/01/2000	भ्राम	09/03/2005
	00/00/0000	भ्राम	28/11/2000	भद्रि	29/04/2005
	14/04/1995	भद्रि	08/01/2002	उल्क	29/06/2005
भद्रि	29/09/1995	उल्क	10/05/2003	सिद्ध	08/09/2005
उल्क	28/11/1996	सिद्ध	28/11/2004	संक	28/11/2005

पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष	
28/11/2005		28/11/2007		28/11/2010	
28/11/2007		28/11/2010		28/11/2014	
पिंग	08/01/2006	धांय	28/02/2008	भ्राम	10/05/2011
धांय	09/03/2006	भ्राम	29/06/2008	भद्रि	28/11/2011
भ्राम	30/05/2006	भद्रि	28/11/2008	उल्क	29/07/2012
भद्रि	08/09/2006	उल्क	29/05/2009	सिद्ध	09/05/2013
उल्क	08/01/2007	सिद्ध	28/12/2009	संक	30/03/2014
सिद्ध	30/05/2007	संक	29/08/2010	मंग	09/05/2014
संक	08/11/2007	मंग	28/09/2010	पिंग	29/07/2014
मंग	28/11/2007	पिंग	28/11/2010	धांय	28/11/2014

भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष	
28/11/2014		28/11/2019		28/11/2025	
28/11/2019		28/11/2025		28/11/2032	
भद्रि	09/08/2015	उल्क	28/11/2020	सिद्ध	09/04/2027
उल्क	08/06/2016	सिद्ध	28/01/2022	संक	28/10/2028
सिद्ध	29/05/2017	संक	30/05/2023	मंग	07/01/2029
संक	09/07/2018	मंग	30/07/2023	पिंग	29/05/2029
मंग	29/08/2018	पिंग	28/11/2023	धांय	28/12/2029
पिंग	08/12/2018	धांय	29/05/2024	भ्राम	08/10/2030
धांय	10/05/2019	भ्राम	28/01/2025	भद्रि	29/09/2031
भ्राम	28/11/2019	भद्रि	28/11/2025	उल्क	28/11/2032

सिद्धा 2 वर्ष 6 मास 2 दिन

सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष	
05/02/1997		10/08/1999		10/08/2007	
10/08/1999		10/08/2007		09/08/2008	
	00/00/0000	संक	20/05/2001	मंग	20/08/2007
	00/00/0000	मंग	09/08/2001	पिंग	09/09/2007
	00/00/0000	पिंग	19/01/2002	धांय	10/10/2007
	00/00/0000	धांय	19/09/2002	भ्राम	19/11/2007
	05/02/1997	भ्राम	10/08/2003	भद्रि	09/01/2008
भ्राम	19/06/1997	भद्रि	19/09/2004	उल्क	10/03/2008
भद्रि	10/06/1998	उल्क	19/01/2006	सिद्ध	20/05/2008
उल्क	10/08/1999	सिद्ध	10/08/2007	संक	09/08/2008

पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष	
09/08/2008		09/08/2010		09/08/2013	
09/08/2010		09/08/2013		09/08/2017	
पिंग	19/09/2008	धांय	09/11/2010	भ्राम	19/01/2014
धांय	18/11/2008	भ्राम	10/03/2011	भद्रि	09/08/2014
भ्राम	08/02/2009	भद्रि	10/08/2011	उल्क	10/04/2015
भद्रि	20/05/2009	उल्क	08/02/2012	सिद्ध	19/01/2016
उल्क	19/09/2009	सिद्ध	08/09/2012	संक	09/12/2016
सिद्ध	08/02/2010	संक	10/05/2013	मंग	18/01/2017
संक	20/07/2010	मंग	09/06/2013	पिंग	09/04/2017
मंग	09/08/2010	पिंग	09/08/2013	धांय	09/08/2017

भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष	
09/08/2017		09/08/2022		09/08/2028	
09/08/2022		09/08/2028		10/08/2035	
भद्रि	20/04/2018	उल्क	10/08/2023	सिद्ध	19/12/2029
उल्क	18/02/2019	सिद्ध	09/10/2024	संक	10/07/2031
सिद्ध	08/02/2020	संक	08/02/2026	मंग	19/09/2031
संक	20/03/2021	मंग	10/04/2026	पिंग	08/02/2032
मंग	10/05/2021	पिंग	09/08/2026	धांय	08/09/2032
पिंग	19/08/2021	धांय	08/02/2027	भ्राम	19/06/2033
धांय	19/01/2022	भ्राम	10/10/2027	भद्रि	10/06/2034
भ्राम	09/08/2022	भद्रि	09/08/2028	उल्क	10/08/2035

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

योगिनी दशा

सिद्धा 1 वर्ष 7 मास 15 दिन

संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष	
28/11/2032		28/11/2040		28/11/2041	
28/11/2040		28/11/2041		28/11/2043	
संक	08/09/2034	मंग	08/12/2040	पिंग	08/01/2042
मंग	28/11/2034	पिंग	28/12/2040	धांय	09/03/2042
पिंग	10/05/2035	धांय	28/01/2041	भ्राम	30/05/2042
धांय	08/01/2036	भ्राम	09/03/2041	भद्रि	08/09/2042
भ्राम	28/11/2036	भद्रि	29/04/2041	उल्क	08/01/2043
भद्रि	08/01/2038	उल्क	29/06/2041	सिद्ध	30/05/2043
उल्क	10/05/2039	सिद्ध	08/09/2041	संक	08/11/2043
सिद्ध	28/11/2040	संक	28/11/2041	मंग	28/11/2043

धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष		भद्रिका 5 वर्ष	
28/11/2043		28/11/2046		28/11/2050	
28/11/2046		28/11/2050		28/11/2055	
धांय	28/02/2044	भ्राम	10/05/2047	भद्रि	09/08/2051
भ्राम	29/06/2044	भद्रि	28/11/2047	उल्क	08/06/2052
भद्रि	28/11/2044	उल्क	29/07/2048	सिद्ध	29/05/2053
उल्क	29/05/2045	सिद्ध	09/05/2049	संक	09/07/2054
सिद्ध	28/12/2045	संक	30/03/2050	मंग	29/08/2054
संक	29/08/2046	मंग	09/05/2050	पिंग	08/12/2054
मंग	28/09/2046	पिंग	29/07/2050	धांय	10/05/2055
पिंग	28/11/2046	धांय	28/11/2050	भ्राम	28/11/2055

उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष	
28/11/2055		28/11/2061		28/11/2068	
28/11/2061		28/11/2068		28/11/2076	
उल्क	28/11/2056	सिद्ध	09/04/2063	संक	08/09/2070
सिद्ध	28/01/2058	संक	28/10/2064	मंग	28/11/2070
संक	30/05/2059	मंग	07/01/2065	पिंग	10/05/2071
मंग	30/07/2059	पिंग	29/05/2065	धांय	08/01/2072
पिंग	28/11/2059	धांय	28/12/2065	भ्राम	28/11/2072
धांय	29/05/2060	भ्राम	08/10/2066	भद्रि	08/01/2074
भ्राम	28/01/2061	भद्रि	29/09/2067	उल्क	10/05/2075
भद्रि	28/11/2061	उल्क	28/11/2068	सिद्ध	28/11/2076

सिद्धा 2 वर्ष 6 मास 2 दिन

संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष	
10/08/2035		10/08/2043		09/08/2044	
10/08/2043		09/08/2044		09/08/2046	
संक	20/05/2037	मंग	20/08/2043	पिंग	19/09/2044
मंग	09/08/2037	पिंग	09/09/2043	धांय	18/11/2044
पिंग	19/01/2038	धांय	10/10/2043	भ्राम	08/02/2045
धांय	19/09/2038	भ्राम	19/11/2043	भद्रि	20/05/2045
भ्राम	10/08/2039	भद्रि	09/01/2044	उल्क	19/09/2045
भद्रि	19/09/2040	उल्क	10/03/2044	सिद्ध	08/02/2046
उल्क	19/01/2042	सिद्ध	20/05/2044	संक	20/07/2046
सिद्ध	10/08/2043	संक	09/08/2044	मंग	09/08/2046

धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष		भद्रिका 5 वर्ष	
09/08/2046		09/08/2049		09/08/2053	
09/08/2049		09/08/2053		09/08/2058	
धांय	09/11/2046	भ्राम	19/01/2050	भद्रि	20/04/2054
भ्राम	10/03/2047	भद्रि	09/08/2050	उल्क	18/02/2055
भद्रि	10/08/2047	उल्क	10/04/2051	सिद्ध	08/02/2056
उल्क	08/02/2048	सिद्ध	19/01/2052	संक	20/03/2057
सिद्ध	08/09/2048	संक	09/12/2052	मंग	10/05/2057
संक	10/05/2049	मंग	18/01/2053	पिंग	19/08/2057
मंग	09/06/2049	पिंग	09/04/2053	धांय	19/01/2058
पिंग	09/08/2049	धांय	09/08/2053	भ्राम	09/08/2058

उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष	
09/08/2058		09/08/2064		10/08/2071	
09/08/2064		10/08/2071		10/08/2079	
उल्क	10/08/2059	सिद्ध	19/12/2065	संक	20/05/2073
सिद्ध	09/10/2060	संक	10/07/2067	मंग	09/08/2073
संक	08/02/2062	मंग	19/09/2067	पिंग	19/01/2074
मंग	10/04/2062	पिंग	08/02/2068	धांय	19/09/2074
पिंग	09/08/2062	धांय	08/09/2068	भ्राम	10/08/2075
धांय	08/02/2063	भ्राम	19/06/2069	भद्रि	19/09/2076
भ्राम	10/10/2063	भद्रि	10/06/2070	उल्क	19/01/2078
भद्रि	09/08/2064	उल्क	10/08/2071	सिद्ध	10/08/2079

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

शुभाशुभ ज्ञानम्

शुभाशुभज्ञान आपको अपने मित्र एवं शत्रु वर्ग का बोध कराता है। मूलांक, भाग्यांक एवं मित्रांको से मित्रता एवं साझेदारी करने से लाभ तथा सहयोग की प्राप्ति होती है। साथ ही शुभ दिन एवं वर्ष उन्नति कारक तथा शुभ ग्रहों की दशाएं लाभदायक होती हैं। इसी प्रकार मित्रलग्न लाभदायक एवं मित्र राशि से घनिष्ठता होती है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न, द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान का दैनिक जीवन में प्रयोग शुभफलदायक सिद्ध हो सकता है।

5	मूलांक	5
6	भाग्यांक	6
3, 5, 9, 6	मित्र अंक	3, 5, 9, 6
2, 4, 8	शत्रु अंक	2, 4, 8
23,32,41,50,59	शुभ वर्ष	23,32,41,50,59
शुक्र, शनि, बुध	शुभ दिन	बुध, शुक्र, शनि
शुक्र, शनि, बुध	शुभ ग्रह	बुध, शुक्र, शनि
वृष, मिथुन	मित्र राशि	मीन, सिंह
मेष, कन्या, वृश्चिक	मित्र लग्न	कन्या, कुम्भ, मेष
गणेश	अनुकूल देवता	हनुमान
नीलम	शुभ रत्न	पन्ना
जमुनिया, बिलौर	शुभ उपरत्न	संगपन्ना, मरगज
पन्ना	भाग्य रत्न	नीलम
लौह	शुभ धातु	कांसा
काला	शुभ रंग	हरित
पश्चिम	शुभ दिशा	उत्तर
संध्या	शुभ समय	सूर्योदय के बाद
कस्तूरी, कृष्ण गौ, उपानह	दान पदार्थ	हाथी दाँत, कपूर, फल
उड़द	दान अन्न	मूँग
तेल	दान द्रव्य	घी

रत्न चयन

किसी भी कुंडली में दशानुसार ग्रह का उपाय एवं रत्न धारण करने से शुभत्व में वृद्धि होती है। वैज्ञानिक रूप से विशिष्ट ग्रह का मंत्रोच्चारण करने से उस ग्रह की रश्मियों की मानव शरीर के चारों ओर सुरक्षा श्रृंखला बन जाती है एवं रत्न रश्मियों को सोखकर मानव शरीर में प्रवाहित कर शुभत्व में वृद्धि करता है। अतः रत्न का बेदाग होना एवं शरीर से स्पर्श करना अत्यंत आवश्यक माना गया है।

सामान्यतया उपाय ग्रह दशा के फल की वृद्धि के लिए महादशा स्वामी का किया जाता है। उपाय में मंत्रोच्चारण, दान एवं व्रत ही प्रमुख हैं। रत्न निर्बल परंतु लग्नेश, भाग्येश या योगकारक ग्रहों का पहना जाता है। आपको कब कौन सा उपाय या रत्न धारण करना चाहिए नीचे तालिका में उसके कार्यसिद्धि क्षेत्र सहित दिया गया है। महादशाओं में रत्नों के तीन-तीन विकल्प दिए गए हैं। आपको कोई भी विकल्प उसकी कार्यसिद्धि क्षेत्र एवं क्षमता देखकर अपनी आवश्यकतानुसार पहन सकते हैं तथा अतिरिक्त उपाय भी अपनी क्षमतानुसार कर सकते हैं।

Mr.

जीवन रत्नः	नीलम	धन, स्वास्थ्य
भाग्य रत्नः	पन्ना	पराक्रम, शत्रु व रोग मुक्ति, भाग्योदय
कारक रत्नः	हीरा	धन, सन्तति सुख, व्यावसायिक उन्नति

Prerna Prasad

जीवन रत्नः	पन्ना	दुर्घटना से बचाव, स्वास्थ्य, सुख
भाग्य रत्नः	नीलम	व्यावसायिक उन्नति, दुर्घटना से बचाव, भाग्योदय
कारक रत्नः	हीरा	दुर्घटना से बचाव, कम खर्च, सन्तति सुख

रत्न	ग्रह	रत्ती	धातु	अंगुली	दिन	समय	नक्षत्र
माणिक्य	सूर्य	4	सोना	अना	रविवार	सुबह	कृतिका, उ०फाल्गुनी, उत्तराषाढ़ा
मोती	चन्द्र	4	चांदी	कनि	सोमवार	सुबह	रोहिणी, हस्त, श्रवण
मूंगा	मंगल	6	चांदी	अना	मंगलवार	सुबह	मृगशिरा, चित्रा, धनिष्ठा
पन्ना	बुध	4	सोना	कनि	बुधवार	सुबह	आश्लेषा, ज्येष्ठा, रेवती
पुखराज	गुरु	4	सोना	तर्जन	गुरुवार	सुबह	पुनर्वसु, विशाखा, पू०भाद्रपद
हीरा	शुक्र	1	प्लेटि	कनि	शुक्रवार	सुबह	भरणी, पू०फाल्गुनी, पूर्वाषाढ़ा
नीलम	शनि	4	पंचधातु	मध्य	शनिवार	शाम	पुष्य, अनुराधा, उ०भाद्रपद
गोमेद	राहु	5	अष्टधातु	मध्य	शनिवार	रात्रि	आर्द्रा, स्वाति, शतभिषा
लहसुनिया	केतु	6	चांदी	अना	गुरुवार	रात्रि	अश्विनी, मघा, मूल

साढ़ेसाती विचार

चंद्रमा से जन्म कुंडली में जब गोचरवश शनि की स्थिति द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थान में होती है तो साढ़ेसाती कहलाती है। शनि की चंद्रमा से चतुर्थ एवं अष्टम भाव में स्थिति होने पर ढैया शारीरिक, मानसिक या आर्थिक कष्ट देता है । लेकिन कई बार यह आश्चर्यजनक उन्नति भी प्रदान करती है । साढ़ेसाती का प्रभाव सात वर्ष एवं ढैया का प्रभाव ढाई वर्ष रहता है ।

सामान्यतया साढ़ेसाती मनुष्य के जीवन में तीन बार आती है । प्रथम बचपन में द्वितीय युवावस्था में तथा तृतीय वृद्धावस्था में आती है । प्रथम साढ़ेसाती का प्रभाव शिक्षा एवं माता-पिता पर पड़ता है । द्वितीय साढ़ेसाती का प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति एवं परिवार पर पड़ता है परंतु तृतीय साढ़ेसाती स्वास्थ्य पर अधिक प्रभाव करती है ।

निम्नलिखित तालिका में साढ़ेसाती का समय तथा प्रत्येक ढैया का शुभाशुभ फल इंगित किया गया है ।

प्रथम चक्रः

अष्टम स्थानस्थ ढैया	16/04/1998-05/06/2000
साढेसाती प्रथम ढैया	01/11/2006-09/09/2009
साढेसाती द्वितीय ढैया	09/09/2009-15/11/2011
साढेसाती तृतीय ढैया	15/11/2011-02/11/2014
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	19/01/2017-18/01/2020

प्रथम चक्रः

चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	05/02/1997-16/04/1998
अष्टम स्थानस्थ ढैया	05/09/2004-01/11/2006
साढेसाती प्रथम ढैया	02/11/2014-19/01/2017
साढेसाती द्वितीय ढैया	19/01/2017-18/01/2020
साढेसाती तृतीय ढैया	18/01/2020-21/07/2022

द्वितीय चक्रः

अष्टम स्थानस्थ ढैया	26/10/2027-11/04/2030
साढेसाती प्रथम ढैया	20/08/2036-29/06/2039
साढेसाती द्वितीय ढैया	29/06/2039-06/03/2041
साढेसाती तृतीय ढैया	06/03/2041-02/12/2043
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	29/11/2046-20/07/2049

द्वितीय चक्रः

चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	24/03/2025-26/10/2027
अष्टम स्थानस्थ ढैया	06/07/2034-20/08/2036
साढेसाती प्रथम ढैया	02/12/2043-29/11/2046
साढेसाती द्वितीय ढैया	29/11/2046-20/07/2049
साढेसाती तृतीय ढैया	20/07/2049-17/02/2052

तृतीय चक्रः

अष्टम स्थानस्थ ढैया	01/04/2057-22/05/2059
साढेसाती प्रथम ढैया	03/10/2065-21/08/2068
साढेसाती द्वितीय ढैया	21/08/2068-25/10/2070
साढेसाती तृतीय ढैया	25/10/2070-20/04/2073
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	04/08/2076-03/01/2079

तृतीय चक्रः

चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	09/09/2054-01/04/2057
अष्टम स्थानस्थ ढैया	15/02/2064-03/10/2065
साढेसाती प्रथम ढैया	20/04/2073-04/08/2076
साढेसाती द्वितीय ढैया	04/08/2076-03/01/2079
साढेसाती तृतीय ढैया	03/01/2079-18/08/2081

शनि का ढैया फल

ढैया के प्रकार	फल	क्षेत्र
अष्टम स्थानस्थ ढैया	अशुभ	सुख हानि
साढेसाती प्रथम ढैया	अशुभ	दुर्घटना
साढेसाती द्वितीय ढैया	सम	भाग्योदय
साढेसाती तृतीय ढैया	शुभ	व्यावसायिक उन्नति
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	सम	कम खर्च

शनि का ढैया फल

ढैया के प्रकार	फल	क्षेत्र
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	सम	व्यावसाय
अष्टम स्थानस्थ ढैया	अशुभ	धन
साढेसाती प्रथम ढैया	अशुभ	शत्रु से कष्ट
साढेसाती द्वितीय ढैया	सम	दम्पति
साढेसाती तृतीय ढैया	शुभ	दुर्घटना से बचाव

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

कालसर्प योग

अग्रे राहुरधः केतुः सर्वे मध्यगताः ग्रहाः।
योगाऽयं कालसर्पाख्यो शीघ्रं तं तु विनाशय।।

आगे राहु हो एवं नीचे केतु मध्य में सभी (सातों) ग्रह विद्यमान हो तो कालसर्प योग बनता है। अतः इस योग से ग्रसित जातकों के लिए आवश्यक है कि वे इस काल सर्प योग का निदान करा लें। जिससे कि कुंडली के शुभ योगों के फल पूर्णयता मिलते रहें।

द्वादाश भावों में राहु की स्थिति के अनुसार काल सर्प योग मुख्यतः द्वादश प्रकार के होते हैं। वे हैं-

1. अनंत, 2. कुलिक, 3. वासुकि, 4 शङ्खपाल, 5. पद्म, 6. महापद्म, 7. तक्षक, 8. कर्कोटक, 9. शङ्खचूड, 10. घातक, 11. विषधर, 12. शेषनाग।

यह योग उदित अनुदित भेद से दो प्रकार के होते हैं राहु के मुख में सभी सातों ग्रह ग्रसित हो जाएं तो उदित गोलार्द्ध नामक योग बनता है एवं राहु की पृष्ठ में यदि सभी ग्रह हों तो अनुदितन गोलार्द्ध नामक योग बनता है।

यदि लग्न कुंडली में सभी सातों ग्रह राहु से केतु के मध्य में हो लेकिन अंशानुसार कुछ ग्रह राहु केतु की धुरी से बाहर हों तो आंशिक काल सर्प योग कहलाता है। यदि कोई एक ग्रह राहु-केतु की धुरी से बाहर हो तो भी आंशिक काल सर्प योग बनता है।

यदि राहु से केतु तक सभी भावों में कोई न कोई ग्रह स्थित हो तो यह योग पूर्ण रूप से फलित होता है। यदि राहु-केतु के साथ सूर्य या चंद्र हो तो यह योग अधिक प्रभावशाली होता है। यदि राहु, सूर्य व चंद्र तीनों एक साथ हो तो ग्रहणकाल सर्प योग बनता है। इसका फल हजार गुना अधिक हो जाता है। ऐसे जातक को काल सर्प योग की शांति करवाना अति आवश्यक होता है।

काल सर्प योग का प्रभाव

इस योग में उत्पन्न जातक को मानसिक अशांति, धनप्राप्ति में बाधा, संतान अवरोध एवं गृहस्थी में प्रतिपल कलह के रूप में प्रकट होता है। प्रायः जातक को बुरे स्वप्न आते हैं । कुछ न कुछ अशुभ होने की आशंका मन में बनी रहती है। जातक को अपनी क्षमता एवं कार्यकुशलता का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है, कार्य अक्सर देर से सफल होते हैं। अचानक नुकसान एवं प्रतिष्ठा की क्षति इस योग के लक्षण हैं।

जातक के शरीर में वात पित्त त्रिदोषजन्य असाध्य रोग अकारण उत्पन्न होते है। ऐसे रोग जो प्रतिदिन क्लेश (पीडा) देते हैं तथा औषधि लेने पर भी ठीक नहीं होते हों, काल सर्प योग के कारण होते हैं।

काल सर्प योग के औपचारिक उपाय के द्वारा इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त

किया जा सकता है। जन्मपत्रिका के अनुसार जब-जब राहु एवं केतु की महादशा, अंतर्दशा आदि आती है तब तब यह योग असर दिखाता है। गोचर में राहु व केतु का जन्मकालिक राहु-केतु व चंद्र पर भ्रमण भी इस योग को सक्रिय कर देता है। उस समय विशेष ध्यान देकर पूजा अर्चनादि श्रद्धा विश्वास के साथ करें, अवश्य लाभ होगा। कालसर्प योग यंत्र के सम्मुख 43 दिन तक सरसों के तेल का दीया जलाने से भी इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है।

जातक पर काल सर्प योग का प्रभाव

Mr.

आपकी जन्मपत्रिका में काल सर्प योग विद्यमान नहीं है। अतः आपको इस योग के लिए शांति आदि की आवश्यकता नहीं है एवं आप पूर्ण रूप से सुखी जीवन व्यतीत कर सकेंगे।

Prerna Prasad

आपकी जन्मकुण्डली में शंखपाल नामक कालसर्प योग केवल अनुदित रूप में विद्य मान है। अनुदित योग पूर्ण रूप से कालसर्प योग की परिभाषा में नहीं आता, लेकिन फिर भी इसका कुछ फल अवश्य मिलता है। परिणामस्वरूप घर-द्वार जमीन-जायदाद, चल-अचल सम्बन्धी वस्तुओं पर थोड़ा बहुत कठिनाईयाँ आती हैं और उससे जातक को बेवजह चिन्ता कभी-कभी घेर लेती है तथा विद्या प्राप्ति में आंशिक रूप से तकलीफ उठानी पड़ती है।

माता से कोई न कोई किसी समय आंशिक रूप में तकलीफ मिलती है। सवारी एवं नौकरों से भी कोई न कोई परेशानियाँ उपस्थित होती रहती हैं। जिसमें थोड़ा बहुत नुकसान उठाने पड़ते हैं। वैवाहिक जीवन सामान्य होते हुए भी कभी-कभी तनावग्रस्त हो जाता है। चन्द्रमा के प्रभावित होने के कारण जातक समय-समय मानसिक रूप से परेशान रहता है। कार्य के क्षेत्र में अनेक विघ्न आते हैं। पर वे सब विघ्न कालान्तर में स्वतः नष्ट हो जाते हैं। बहुत सारे कामों को एक साथ करने के कारण कोई भी काम प्रायः पूरा नहीं हो पाता है।

इस योग के प्रभाव से जातक का आर्थिक संतुलन थोड़ा बहुत बिगड़ जाता है, जिस कारण आर्थिक संकट उपस्थित हो जाता है। लेकिन इतना सब कुछ हो जाने के बाद भी जातक के व्यवसाय, नौकरी तथा राजनीति के क्षेत्र में बहुत सफलताएँ प्राप्त होती हैं एवं सामाजिक पद प्रतिष्ठा भी मिलती है।

यदि आप कभी उपरोक्त परेशानी महसूस करते हैं तो निम्नलिखित उपाय करें, अवश्य लाभ मिलेगा।

1. काल सर्प दोष निवारण यंत्र घर में स्थापित करके, इसका नियमित पूजन करें।
2. बहते पानी में नारियल के फल को तीन बार शुभ मुहूर्त्त में प्रवाहित करें।
3. बहते पानी में कोयला को शुभ मुहूर्त्त में तीन बार प्रवाहित करें।
4. हरिजन को मसूर की दाल तथा द्रव्य शुभ मुहूर्त्त में तीन बार दान करें।
5. हनुमान चलीसा का 108 बार पाठ करें।
6. शयन कक्ष में लाल रंग के पर्दे, चादर तथा तकियों का उपयोग करें।

7. कुल देवता की पूजा करें।
8. धूम्रवस्त्र, तिल, कम्बल एवं सप्तधान्य शुभ मुहूर्त्त में रात्रि को दान करें।
9. केतु की उपासना उसकी महादशा में अवश्य करें।
10. देवदारु, सरसों तथा लोहवान को उबाल कर एक बार स्नान करें।
11. सवा महीने जौ के दाने पक्षियों को खिलाएँ।
12. नीला रूमाल, नीला घड़ी का पट्टा, नीला पैन, लोहे की अंगूठी धारण करें।

विशेष

ध्यान रखें कालसर्पयोग का पूजन केवल श्रीखण्ड चन्दन से करें। कुंकुम, सिन्दूर, रोली आदि का प्रयोग न करें। तिरुपति बालाजी के पास कालाहस्ती शिव मंदिर में जाकर कालसर्प योग की शांति का उपाय विधि-विधान से एक बार करें अथवा 12 ज्योतिर्लिंग में से किसी भी ज्योतिर्लिंग में जाकर पूजा करें जैसे - कि सौराष्ट्र गुजरात में सोमनाथ मंदिर, महाराष्ट्र के नासिक में त्रयंबकेश्वर मंदिर, उज्जैन, भीमाशंकर, नागेश्वर, रामेश्वर, वगेरे।

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गौ	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.50		

कुल : **27.5 / 36**

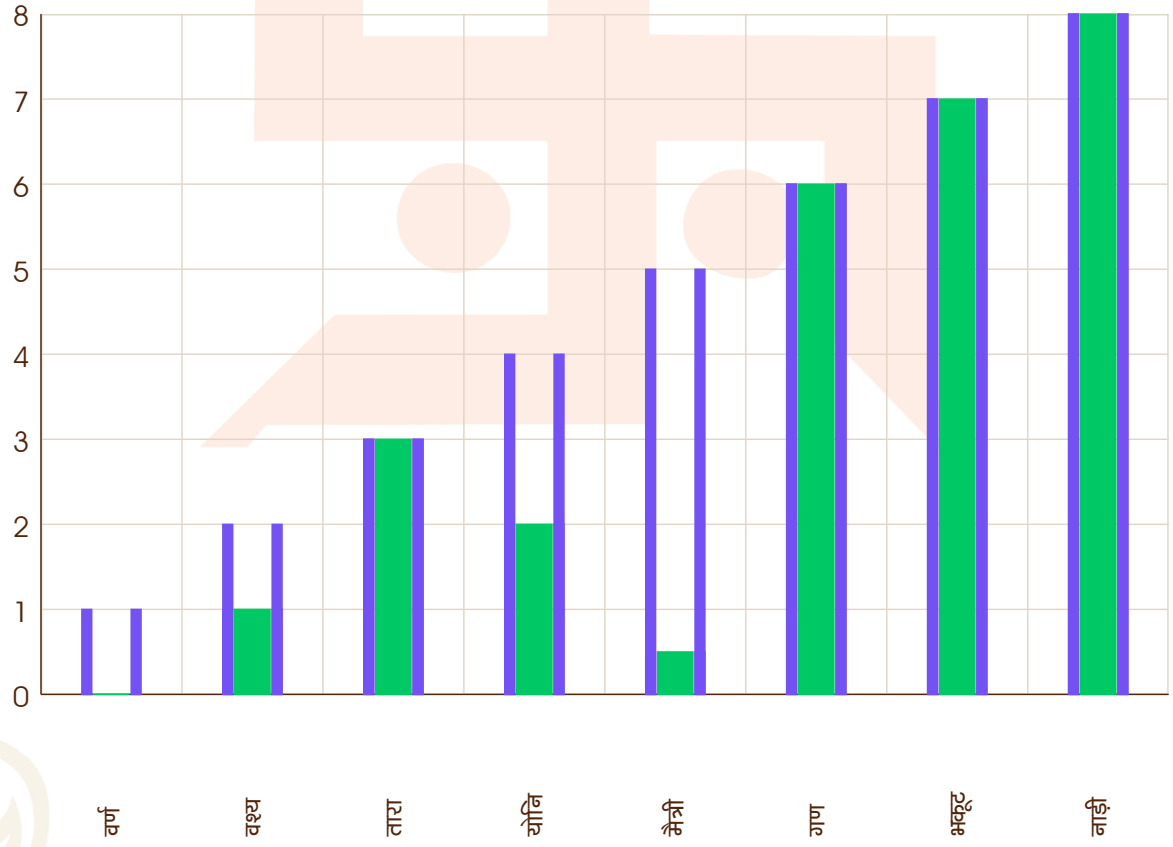

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

अष्टकूट मिलान

Mr. का वर्ग मूषक है तथा Prerna Prasad का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Prerna Prasad का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

ढप्ध्;डडत्मजतवह;0द्धझ0द्धझ क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में वक्री है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Mr. कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Prerna Prasad मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Prerna Prasad कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Prerna Prasad में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr. का वर्ण वैश्य है तथा Prerna Prasad का वर्ण क्षत्रिय हैं। क्योंकि Prerna Prasad का वर्ण Mr. के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। इसके फलस्वरूप Prerna Prasad अति वर्चस्वशाली, आक्रामक, झगड़ालू प्रवृत्ति की होगी एवं देखभाल नहीं करने वाली होगी। Prerna Prasad को हमेशा यह घमंड एवं अहंकार होता रहेगा कि वह अपने पति से श्रेष्ठ है तथा हमेशा अपने पति एवं पति के परिवार के सदस्यों को नीची निगाह से देखने वाली होगी।

वश्य

Mr. का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Prerna Prasad का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप Mr. एवं Prerna Prasad दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। Prerna Prasad अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में Mr. अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

Mr. की तारा सम्पत तथा Prerna Prasad की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से Mr. एवं Prerna Prasad दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। Prerna Prasad एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

Mr. की योनि गौ है तथा Prerna Prasad की योनि वानर है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में

दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr. का राशि स्वामी Prerna Prasad के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Prerna Prasad का राशि स्वामी Mr. के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Mr. का गण मनुष्य तथा Prerna Prasad का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

Mr. से Prerna Prasad की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है तथा Prerna Prasad से Mr. की राशि दशम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Mr. परिश्रमी एवं अपने व्यवसाय में काफी अच्छे होंगे। अपने व्यवसाय में लगन, निष्ठा एवं मेहनत के कारण उन्हें सभी से प्रशंसा प्राप्त होती रहेगी। दूसरी ओर Prerna Prasad घरेलू होंगी। अपने आतिथ्य भाव एवं सब का ध्यान रखने तथा बड़ों को सम्मान देने की प्रवृत्ति कारण परिवार के सदस्यों की आंखों का तारा होंगी। पति-पत्नी के बीच असीम प्रेम, सहयोग एवं सामंजस्य बना रहेगा।

नाड़ी

Mr. की नाड़ी आद्य है तथा Prerna Prasad की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के लिए वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr. की जन्म राशि पृथ्वी तत्व युक्त कन्या तथा Prerna Prasad की राशि अग्नितत्व युक्त धनु राशि है। पृथ्वी एवं अग्नितत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण Mr. और Prerna Prasad के मध्य स्वभावगत असमानताएं विद्यमान रहेंगी परन्तु अपनी बुद्धिमता एवं सामंजस्यशील प्रवृति के कारण इसके प्रभाव में न्यूनता होगी जिससे संबधों में मधुरता रहेगी। अतः मिलान सामान्यतया अच्छा रहेगा।

Mr. की राशि का स्वामी बुध तथा Prerna Prasad की राशि का स्वामी बृहस्पति कमशः परस्पर शत्रु एवं समभाव में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से Mr. और Prerna Prasad एक दूसरे के गुणों को तथा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे आपसी संबधों में समय समय पर तनाव तथा कटुता का वातावरण उत्पन्न होगा एवं एक दूसरे की आलोचना तथा बुराई करेंगे। अतः यदि बुद्धिमता पूर्वक Mr. और Prerna Prasad परस्पर एक दूसरे को समझने का प्रयास करें तो उनका जीवन सुखमय हो सकता है।

Mr. और Prerna Prasad की राशियां परस्पर चतुर्थ एवं दशम भाव में पड़ती है। इसको शुभ भकूट माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से उपरोक्त समस्याओं में न्यूनता आएगी तथा एक दूसरे के प्रति मन में प्रेम सहयोग तथा सहानुभूति का भाव उत्पन्न होगा। साथ ही एक दूसरे का स्वतंत्र अस्तित्व भी स्वीकार करेंगे। अतः आपसी संबधों में मधुरता की वृद्धि होगी तथा सुखी वैवाहिक जीवन का आनंद प्राप्त करने में समर्थ होंगे।

Mr. का वश्य मानव तथा Prerna Prasad का वश्य चतुष्पद है। सामान्यतया मानव एवं चतुष्पद के मध्य असमानता तथा शत्रुता का भाव रहता है। अतः इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियों में विषमता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक आवश्यकताएं भी अलग अलग रहेंगी। साथ ही दाम्पत्य संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में कम ही सफलता प्राप्त करेंगे।

Mr. का वर्ण वैश्य तथा Prerna Prasad का वर्ण क्षत्रिय है। अतः Prerna Prasad की कार्य क्षमता Mr. से अधिक रहेगी । Mr. धनार्जन की प्रवृति से युक्त रहेंगे तथा वणिक बुद्धि से अपने कार्यो को सम्पन्न करेंगे परन्तु Prerna Prasad की प्रवृति परिश्रमी पराकमी एवं साहसिक कार्यो को सम्पन्न करने की रहेगी। अतः इनका कार्य क्षेत्र सुदृढ़ रहेगा।

धन

Mr. की तारा सम्पत तथा Prerna Prasad की तारा अतिमित्र है इसके शुभ प्रभाव से Mr. सौभाग्यशाली तथा धनवान व्यक्ति होंगे तथा Prerna Prasad के भाग्य से उनकी धन सम्पति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का उनकी आर्थिक स्थिति पर सामान्य प्रभाव रहेगा तथा उससे आर्थिक स्थिति सामान्य ही रहेगी। साथ ही मंगल का भी आर्थिक क्षेत्र पर कोई दुष्प्रभाव नहीं

होगा। इस प्रकार वे ऐश्वर्य एवं समृद्धि से युक्त होंगे तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

Mr. और Prerna Prasad को अनायास धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना रहेगी तथा जीवन में वे समस्त भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। विशेष रूप से Prerna Prasad का शुभ प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर रहेगा तथा सामाजिक स्तर पर भी उनका पूर्ण सम्मान रहेगा।

स्वास्थ्य

Mr. की नाड़ी आद्य तथा Prerna Prasad की नाड़ी मध्य है। अतः इन पर नाड़ी दोष का कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से इनका स्वास्थ्य अच्छा ही रहेगा परन्तु मंगल का दोनों के ऊपर दुष्प्रभाव होगा जिससे दोनों धातु या गुप्त रोग संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही Mr. हृदय रोग संबधी परेशनियों से युक्त रहेंगे जिससे शारीरिक क्षीणता रहेगी तथा Prerna Prasad को गर्भपात की संभावना होगी। मंगल के प्रभाव से Mr. के पुरूषत्व में न्यूनता आएगी तथा Prerna Prasad भी उदासीनता का भाव प्रदर्शित करेंगी फलतः उनके दाम्पत्य सुख में भी न्यूनता का आभास होगा। अतः उपरोक्त दुष्प्रभावों में कमी करने के लिए Mr. और Prerna Prasad को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए। साथ ही मूंगा धारण करना दोनों के लिए श्रेयष्कर रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr. और Prerna Prasad का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr. और Prerna Prasad के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Prerna Prasad के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Prerna Prasad को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Prerna Prasad को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr. और Prerna Prasad सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr. और Prerna Prasad का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Prerna Prasad के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Prerna Prasad के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Prerna Prasad अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Prerna Prasad के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

Mr. तथा उनकी सास के आपसी संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में Mr. के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह Mr. को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही Mr. के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण Mr. के प्रति अनुकूल ही रहेगा।

अंक ज्योतिष फल

Mr.

आपका जन्म दिनांक 14 है। एक एवं चार के योग से आपका मूलांक 5 होता है। मूलांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह है। एक अंक का सूर्य तथा चार का स्वामी भारतीय मतानुसार राहु तथा पाश्चात्य मत से हर्षल ग्रह है। इन सभी ग्रहों का न्यूनाधिक मात्रा में आपके ऊपर प्रभाव रहेगा। मूलांक स्वामी बुध के प्रभावश आप नौकरी की अपेक्षा व्यापार मार्ग का चुनाव करना अधिक पसन्द करेंगे। रोजगार आप ऐसा चुनेंगे, जहाँ लेखा, लेन-देन, वाणिज्य, यांत्रिकी जैसे कार्य संपादित हों। फैक्ट्री, कम्पनी, उच्च व्यापार जगत आपको रास आयेगा।

बुध वाणी का दाता है। सूर्य प्रसिद्धि का, हर्षल परिवर्तन का। अतः आपके अंन्दर वाक् पटुता, बुद्धि-विवेक अच्छा रहेगा एवं आपकी सामाजिक स्थिति भी अच्छी रहेगी। मूलांक के प्रभाव से आपकी आर्थिक, सामाजिक स्थितियाँ परिवर्तनशील रहेंगी एवं परिवर्तन करते रहना आपको अच्छा लगेगा।

परिवर्तनशील गुण होने से आपके विचारों में समयानुसार, अवस्थानुसार बदलाव आता रहेगा। जो कि आपकी अन्तिम अवस्था तक चलेगा। इस क्रिया का अन्त में आपको लाभ अच्छा मिलेगा और आपका यश, नाम इत्यादि दीर्घकाल तक याद किया जाता रहेगा। आप अपनी कमियों का निरन्तर निरीक्षण करते रहेंगे तो निश्चित ही आप उक्त ग्रहों के प्रभाववश एक सफल व्यक्तित्व के धनी हो जायेंगे।

Prerna Prasad

आपका जन्म दिनांक पाँच होने से अंक ज्योतिष के आधार पर आपका मूलांक पाँच होता है। इसका स्वामी बुध ग्रह है। मूलांक पाँच के प्रभाववश आप रोजगार के क्षेत्र में नौकरी की अपेक्षा व्यापार के मार्ग की ओर अधिक आकृष्ट होंगी। यदि आप नौकरी का मार्ग चुनती हैं तो ऐसा रोजगार आपको अधिक पसन्द आयेगा जहाँ लेन-देन, लेखा, यांत्रिकी, वाणिज्य, इत्यादि का कार्य होता हो। कम्पनी, फैक्ट्री, उच्च व्यापार जगत आपको रास आयेगा। यदि आप साधारण ग्रहस्थ जीवन को अपनाती हैं तो आपका पति उपरोक्त रोजगार का रहेगा तो अच्छा रहेगा।

बुधग्रह के प्रभाववश आपके अन्दर वाक् पटुता, तर्कशक्ति अच्छी रहेगी एवं सामने वाले व्यक्ति को आप अपनी बातों से प्रभावित करने में समर्थ रहेंगी। आप हर कार्य को जल्दी समाप्त करना पसन्द करेंगी एवं ऐसे रोजगार की ओर उन्मुख होंगी जिसमें शीघ्र सफलता कम मेहनत तथा अधिक लाभ पर प्राप्त होती रहे। आप थोड़ी जल्दबाज एवं फुर्तीली भी रहेंगी। जल्दबाजी के चक्कर में आप कभी-कभी हानियों का भी सामना करेंगी।

आपकी मानसिक स्थिति चंचल होने से आपको शीघ्र क्रोध आ जाया करेगा एवं कभी-कभी चिड़चिड़ाहट भी रहा करेगी। आप अधिकांशतः बुद्धि जनित कार्यों में रुचि लेंगी। इस

कारण आपकी दिमागी ताकत अधिक खर्च होने से अधिक आयु में आपको स्नायुवेग द्वारा उत्पन्न रोगों का भी सामना करना पड़ेगा। मूलांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह होने से कमोवेश बुध के गुण-अवगुण आपके अन्दर आयेंगे। विद्याध्यन लेखन-पठन की ओर आपकी विशेष रुचि रहेगी।

Mr.

भाग्यांक 6 के स्वामी शुक्र ग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय चौंसठ कलाओ के अन्दर ही होगा। शुक्र कला का दाता है। अतः आपके अन्दर ललित कलाओं में से कुछ कलाओं का समावेश होगा। आप कला के क्षेत्र में, कला के द्वारा जीवन यापन करेंगे। कलात्मक वस्तुएं आपको लाभ प्रदान करेंगी। आप विपरीत योनि के प्रति सहज आकर्षण के अवगुण वश तन-मन एवं धन का व्यय करेंगे। सौन्दर्य की ओर आकर्षण आपकी कमजोरी रहेगा।

आपके कार्य करने के स्थान तथा रहने के स्थान की साज-सजावट बनाये रखने में आपको हमेशा धन व्यय करते रहना होगा। क्योंकि सुसज्जित परिवेश में रहना आपके मनोनुकूल है। आप वस्त्र आभूषण के शौकीन रहेंगे। धन स्थिति आपकी ठीक रहेगी। शान-शौकत बनी रहेगी। सामने वाले व्यक्ति आपको हमेशा धनी समझते रहेंगे, भले ही आप यदा-कदा कड़की के दिनों में चल रहे हों। किसी भी कला के क्षेत्र को आप अपना रोजगार का क्षेत्र चुनते हैं, तो आपकी उन्नति निश्चित ही होगी।

Prerna Prasad

भाग्यांक 6 के स्वामी शुक्र ग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय चौंसठ कलाओ के अन्दर ही होगा। शुक्र कला का दाता है। अतः आपके अन्दर ललित कलाओं में से कुछ कलाओं का समावेश होगा। आप कला के क्षेत्र में, कला के द्वारा जीवन यापन करेंगी। कलात्मक वस्तुएं आपको लाभ प्रदान करेंगी। आप विपरीत योनि के प्रति सहज आकर्षण के अवगुण वश तन-मन एवं धन का व्यय करेंगी। सौन्दर्य की ओर आकर्षण आपकी कमजोरी रहेगा।

आपके कार्य करने के स्थान तथा रहने के स्थान की साज-सजावट बनाये रखने में आपको हमेशा धन व्यय करते रहना होगा। क्योंकि सुसज्जित परिवेश में रहना आपके मनोनुकूल है। आप वस्त्र आभूषण की शौकीन रहेंगी। धन स्थिति आपकी ठीक रहेगी। शान-शौकत बनी रहेगी। सामने वाले व्यक्ति आपको हमेशा धनी समझते रहेंगे, भले ही आप यदा-कदा कड़की के दिनों में चल रही हों। किसी भी कला के क्षेत्र को आप अपना रोजगार का क्षेत्र चुनती हैं, तो आपकी उन्नति निश्चित ही होगी।

लग्न फल

Mr.

आप एक विशिष्ट प्रकार की सुविधा से युक्त श्रेणी में ज्योतिषीय आकृति से वर्गोत्तम फलदायी परिस्थिति में उत्तराषाढ़ा नक्षत्र के द्वितीय चरण में जन्म लिए हैं। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मकर लग्न, मकर नवमांश एवं मकर का द्रेष्काण साथ-साथ उदित था, जो एक विलक्षणता आपको प्रदान किया है। तथा यह सुनिश्चित करता है कि आप दीर्घायु, धनी, सुखद, आरामदायक विलासिता पूर्ण जीवन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगे।

आपके जीवन की मंजिल तैयार है कि आप आत्म विश्वास के साथ कठिन श्रम संपादन कर के अपने कार्य की सफलता एवं लक्ष्य की प्राप्ति हेतु पूर्ण निष्ठा से कर्त्तव्य पथ पर सफलता प्राप्त करेंगे एवं आप अपना कार्य संपन्न करने के लिए समर्थ हैं। आपमें यह गुण विद्य मान है कि आप बैल की आखों के समान पैनी दृष्टि रखते हैं। अतएव आपके कार्य कर्म में कोई कठिन समस्या उत्पन्न नहीं होगी। जिससे कि आप अद्योगति को प्राप्त हों, लेकिन आपको सरलता पूर्वक कार्य संपादन करने के लिए विचार करना चाहिए।

परंतु आपको सरलतापूर्वक कोई भी अनुचित रूप से कार्य-कलाप के संबंध में चिंताजनक स्थिति उत्पन्न न कर सके। चिंता करने से किसी भी समस्या का समाधान नहीं होता है। क्या यह बिंदु चिंता उत्पन्न कराने वाला है।

आप यदि एक बार सम्पत्ति अर्जन हेतु कार्यारंभ कर दें तो निश्चित रूप से कार्य को संपूर्ण कर देंगे। आप मितव्ययी हैं। आप अतिरिक्त व्यय नहीं करेंगे। आप विनयशील है तथा किसी के साथ सुकोमल भाव से युक्त होते हैं। आप किसी के साथ धोखा-धड़ी नहीं करते और नहीं अपनी धन संपत्ति से किसी से किसी को भी वंचित करते हैं। आपके सहयोगी आपके प्रगति के पथ को अवरूद्ध करने के लिए समर्थ हैं। आप में यह सामर्थ्य है कि आप सर्तक रह कर, अपनी विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए प्रयत्नशील रहते हैं। आप अपनी कार्य योजना को कार्यान्वित करने को महत्व देते हैं एवं सर्वोच्च स्थान की प्राप्ति हेतु प्रयासरत रहते हैं।

आप स्पष्ट कार्य व्यवसाय करने में विश्वास रखते हैं तथा विश्वसनीयता पूर्वक कार्य का संपादन करते हैं। आप धर्म के प्रति अपनी अभिरूचि का प्रदर्शन करना चाहते हैं एवं धर्म और दर्शन के पथ पर चलकर कुछ भी धन दान सेवी संस्था को प्रदान करेंगे।

मकर राशीय प्रभावानुसार आपका विवाह बिलम्ब से होगा। परंतु एक बार वैवाहिक योग बन गया तो वे अपनी परिवार को पूर्ण प्यार प्रदान करते हैं। यद्यपि बाहर से देखने पर इनकी भावुकता का अनुमान नहीं होता। ये खास कर अंतर्मुखी होते हैं। ये अपने घर के वातावरण को शांतिपूर्ण रखना चाहते हैं। ये अपने परिवार को उच्च शिखर पर देखना चाहते हैं तथा अपने परिवार की प्रतिष्ठा को ऊंची लहरों की भांति परिष्कृत करना चाहते हैं।

आप कभी भी ऊंची छलांग लगाने का प्रयास नहीं करेंगे, क्योंकि आप

शारीरिक रूप से कभी भी क्षतिग्रस्त हो सकते है। ऐसा आभास आपकी जन्म पत्रिका से मिलता है। आपके लिए प्रतिदिन नियमित व्यायाम करने की आदत डालने से आपका जीवन सुरक्षित रहेंगा। आप नियमित रूप से अपने पाचन क्रिया के लिए सतर्क रहें।

सर्व प्रथम आप अच्छी प्रकार सर्विस करके चमक सकते हो इसके पश्चात् व्यवसाय के संबंध में सोचना उत्तम होगा। आपके लिए व्यवसायों में कपड़ा सिलाई का कार्य, दर्जीगिरी, शैक्षणिक कार्य, लेखन, गायन, पर्श्व गायक, अभियांत्रिकी वास्तुकला का कार्य, बिक्रेता का कार्य खासकर, वैज्ञानिक यंत्रादि के कार्य अथवा कृषि फार्म का कार्य अथवा भूमि एवं खनिज उत्पादन का कार्य व्यवसाय अनुकूल एवं लाभजनक प्रमाणित होगा।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली निर्देशित पंक्ति है, जिसका व्यवहार भली प्रकार कर के आप प्रसन्नतम रह सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल एवं भाग्यशाली दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन व्यवहारणीय है, परंतु सोमवार, गुरुवार एवं रविवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल चिंताकारक एवं व्ययकारक है।

आपके लिए अंकों में अंक 6, 8 एवं 9 अंक अनुकूल, भाग्यवर्द्धक एवं सफलतादायक है। जबकि अंक 3 आपके लिए पूर्णतः प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग लाल, काला, नीला एवं सफेद रंग है। परंतु क्रीम रंग एवं रंग पीला सर्वथा त्यागनीय है।

Prerna Prasad

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों की पर्यटक होंगी। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगी।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगी। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि की स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों

में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पाती। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाती हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देती हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने की आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहती हैं।

आप अच्छी तरह यह जानती हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करती हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होती हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाती हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकती हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगी। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगी।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगी। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।

नक्षत्रफल

Mr.

आप उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में उत्पन्न हुए है अतः आपकी जन्म राशि कन्या तथा राशि स्वामी बुध होगा। नक्षत्रानुसार आपका गण मनुष्य, नाडी आद्य, वर्ण वैश्य, योनि गो तथा मूषक वर्ग होगा। नक्षत्र के चरणानुसार आपके जन्म का प्रथमाक्षर "पी" या "पि" से प्रारम्भ होगा। यथा- पीयूष, पीताम्बर।

आपके मन में दया एवं करूणा का भाव स्वभाव से ही विद्यमान रहेगा तथा दानशीलता की प्रवृति भी आपमे विद्यमान रहेगी। आप एक सदाचारी पुरूष होंगे तथा सभी लोग आपके चाल चलन से प्रभावित रहेंगे। आप अपने कोमल स्वभाव तथा अच्छे आचरण के द्वारा समाज मे पूर्ण रूप से सम्मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। साथ ही बुद्धि भी तीव्र होगी। इसी से आप समस्त कार्यो को पूर्ण रूप से सम्पन्न करने में सफल होंगे। आप राज्य या सेना के किसी प्रभाव पद को भी अपनी योग्यता से प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे। आपके सभी कार्य धैर्य पूर्वक होंगे तथा सामाजिक जनों से आपके संबंध मित्रतापूर्ण रहेंगे।

दाता दयालु सुतरां सुशीलो विशालकीर्तिर्नृपते प्रधानः।
धीरोळत्यन्तमृदुर्नरः स्याच्चेदुत्तराफाल्गुनिका प्रसूतौ।।
जातकाभरणम्

जीवन में आप विभिन्न प्रकार के भौतिक एवं संसारिक सुखों का उपभोग करने में सफलता प्राप्त करेंगे तथा समाज से पूर्ण मान सम्मान प्राप्त करेंगे। आप कृतज्ञता के सद्‌गुण से भी सुशोभित रहेंगे तथा दूसरे के द्वारा अपने ऊपर किए गये उपकार को अवश्य ही मानेंगे। साथ ही आप एक विद्वान के गुणों से भी युक्त रहेंगे।

भोगी चोत्तरफाल्गुनीभजनितो कृतज्ञः सुधीः।।
जातकपरिजातः

समाज मे आप सभी वर्गो के मध्य समान रूप से लोक प्रियता प्राप्त करेंगे तथा अपने सुस्वभाव के द्वारा सबके मन मे अपने लिए स्थान बनाएंगे। आप अर्थकरी विद्या के ज्ञाता होगे तथा उसी के द्वारा धनार्जन करेंगे। इसके अतिरिक्त सब प्रकार के सुखों से युक्त होकर आप अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

सुभगो विद्याप्तधनो भोगी सुखभागद्वितीयफाल्गुन्यां।
बृहज्जातकम्

आप अत्यन्त ही सहनशील प्रकृति के व्यक्ति रहेंगे तथा दुःखो एवं सुखों का शांत चित से सम्मान करेंगे। दुःख में अनावश्यक दुःखी होना तथा सुख में अनावश्यक सुखी होना आपकी प्रवृति नहीं होगी। साथ ही आप साहसी होंगे तथा वीरता के गुणों से भी सुशोभित रहेंगे। आपके जीवन के सभी कार्य साहसपूर्ण ढंग से सफल होंगे। आपकी वाणी अत्यन्त ही प्रिय एवं

मधुर होगी जो लोगों को अच्छी लगेगी तथा सभी लोग आपकी प्रशंसा करेंगे। निशाने बाजी की कला मे भी आप अत्यन्त प्रवीण होंगे। आप में एक महानयोद्धा के लक्षण भी दृष्टिगोचर होंगे तथा आपका समाजिक व्यवहार अत्यन्त ही प्रियकर एवं प्रंशसनीय रहेगा।

दान्तः शूरो मृदुर्वक्ता धनुर्वेदार्थ पण्डितः।
उत्तराफाल्गुनी जातो महायोद्धा जनप्रियः।।
मानसागरी

इन्द्रियों पर सर्वप्रकार से नियंत्रण करने में आप पूर्ण रूप से सफल रहेंगे। आपका चित्त हमेशा शांत रहेगा तथा चंचलता का इसमे सर्वथा अभाव रहेगा एवं अपनी तीव्र बुद्धि के द्वारा आप सर्वत्र मान सम्मान अर्जित करने में हमेशा सफल रहेंगे।

दान्तः शान्तो मृदुर्वक्ता धनुर्वेदस्य पारगः।
उत्तराफाल्गुनिजातो महाबुद्धिर्जनः प्रियः।।
जातकदीपिका

Prerna Prasad

आप पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र के तृतीय चरण में पैदा हुई हैं। अतः आपकी जन्मराशि धनु तथा राशि स्वामी वृहस्पति होगा। नक्षत्रानुसार आपकी योनि वानर, गण मनुष्य, वर्ण क्षत्रिय, वर्ग मूषक तथा नाड़ी मध्य होगी। नक्षत्र के चरणानुसार आपके जन्म नाम का आद्य ाक्षर "फ" या "फा" से प्रारम्भ होगा यथा- फतेहसिंह।

आप जीवन में सर्व सुखों से सम्पन्न रहेंगी तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगी। समाज में अन्य लोगों के साथ में आपका व्यवहार अत्यन्त ही शिष्ट तथा मधुरता पूर्ण रहेगा जिससे सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। आपकी वाणी भी प्रिय तथा मधुर रहेगी तथा अन्य लोगों को अपनी वाणी द्वारा प्रसन्न रखने में सक्षम रहेंगी। आप एक साहसी तथा सदाचारी महिला होंगी तथा आपका सदाचार अन्य जनों के लिए अनुकरणीय रहेगा। साथ ही धनऐश्वर्य से भी आप युक्त होंगी तथा जीवन में इनका अभाव महसूस नहीं करेंगी। इसके अतिरिक्त आप दिन में कई बार जल पीने की इच्छा भी करती रहेंगी।

भूयो भूयस्तोयपानानुरक्तो भोक्ता चञ्चद्वाग्विलासः सुशीलः।
नूनं सम्पज्जायते तस्य गाढा पूर्वाषाढा जन्मभं यस्य पुंसः।।
जातकाभरणम्

आप पति के रूप में एक बुद्धिमान तथा गुणवान पुरूष को प्राप्त करेंगी जो आपको जीवन में पूर्ण सुख तथा आनन्द प्रदान कराने में सफल होगा। इससे आपका सांसारिक जीवन सर्वदा आनन्दमय रहेगा। आपके मन में सामाजिक मतभेद की भावना नहीं रहेगी तथा सामान्य रूप से सभी वर्गों के हितों के लिए कार्यरत रहेंगी तथा इससे आपको पूर्ण मान सम्मान तथा आदर की प्राप्ति होगी। तथा इनके मध्य आप

लोकप्रियता को प्राप्त करेंगी। इसके अतिरिक्त आप किसी से भी स्थिर मित्रता करने की इच्छा करेंगी। इससे आपके मित्र अल्प सख्या में होंगे परन्तु ये सभी गुणवान तथा बुद्धिमान रहेंगे। साथ ही नाना प्रकार के द्रव्यों से भी आप सुसम्पन्न रहेंगी तथा उनका उपभोग भी करेंगी।

इष्टानन्दकलत्रो मानी दृढ़सौहृदश्च जलदैवे।
बृहज्जातकम्

आपके मन में परोपकार की भावना नैसर्गिक रूप से विद्यमान रहेगी। अतः स्वजनों के अतिरिक्त कोई अपरिचित जन भी यदि आपसे कुछ याचना करेगा तो आप प्रसन्नता पूर्वक उसकी यथा शक्ति सहायता करेंगी। अपने इस प्रकार के कार्यों से समाज में दूर दूर तक आपकी ख्याति रहेगी। आप एक भाग्य शाली महिला भी होंगी तथा जीवन के अधिकाँश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को अल्प परिश्रम से ही सफल सिद्ध करने में सक्षम रहेंगी। आपकी बुद्धि भी तीव्र रहेगी तथा नाना प्रकार के शास्त्रों का आपको ज्ञान रहेगा। अतः समाज में एक विदुषी के रूप में भी आप आदरणीया रहेंगी।

दृष्टमात्रोपकारी च भाग्यवांश्च जनप्रियः।
पूर्वाषाढ़ाभवो नूनं सकलार्थ विचक्षणः।।
मानसागरी

आप प्रारम्भ से ही एक विनम्र तथा सुशील महिला होंगी तथा समस्त स्त्रियोचित सद्गुणों से सुसम्पन्न रहेंगी। साथ ही जीवन में सर्व प्रकार के भौतिक सुखसाधनों तथा ऐश्वर्य से सुशोभित रह कर उसका उपभोग करने वाली होंगी। आप स्वभाव से शान्त तथा सहनशीलता के गुण से भी युक्त रहेंगी तथा विषमपरिस्थितियों में भी इस गुण का पालन करते हुए उचित समाधान करने में सर्वत्र सफलता प्राप्त करेंगी।

पूर्वाषाढ़भवो विकारचरितो मानी सुखी शान्त धीः।।
जातकपरिजातः

राशिफल

Mr.

कन्या राशि में जन्म लेने के कारण आपके हाथ लम्बे होंगे तथा शरीर के अन्य प्रमुख अंग कान, दान्त तथा नाक भी दर्शनीय रहेंगे। आप एक श्रेष्ठ विद्वान होंगे तथा कई धार्मिक संस्थाओं के संचालक या उच्च पदाधिकारी रहेंगे। आपके मन मे धर्म के प्रति पूर्ण श्रद्धा एवं विश्वास का भाव रहेगा। आप अपने भाषण मे मृदु एवं प्रियवाणी का उपयोग करेंगे तथा अन्य लोगों को प्रभावित करने मे समर्थ रहेंगे। आप सत्य का पालन करने के लिए सर्वथा तत्पर रहेंगे तथा शुद्धता का भी विशेष ध्यान रखेंगे। आप अपने समस्त जीवन के कार्यों को धैर्य पूर्वक सम्पन्न करेंगे। आपके मन मे दूसरों की भलाई के लिए कार्य करने की इच्छा रहेगी तथा परोपकार के कार्यो मे अपना पूर्ण सहयोग अर्पण करेंगे। देखने में आपका सौन्दर्य दर्शनीय तथा आकर्षक रहेगा तथा सुख ऐश्वर्य एवं वैभव का भी आप प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगे। आपकी कन्या सन्तति अधिक होगी तथा पुत्र सन्तति अल्प रहेगी।

स्त्रीलोलो लम्बबाहुर्ललिततनुमुखश्चारुदन्ताक्षिणिकर्णो।
विद्धानाचार्य धर्मा प्रियवचनयुतः सत्यशील प्रधानः।।
धीरः सत्वानुकम्पी परविषयरतः क्षान्तिसौभाग्यभागी।
कन्याप्रायप्रसूतिबहुसुतरहितः कन्यकायां शशाङ्कः।।
सारावली

आप लज्जामयी दृष्टि से युक्त होकर गमन करेंगे तथा भुजाएं एवं स्कंधभाग भी आपके शिथिलता को प्राप्त होंगे। आप अपने जीवन काल में विविध प्रकार के सुख एवं ऐश्वर्य से युक्त होकर उसका उपभोग करेंगे। आपका शरीर कोमल रहेगा तथा विभिन्न प्रकार की कलाओं के प्रति आप की रूचि बनी रहेगी। साथ ही आपकी बुद्धि भी तीव्र होगी। नाना प्रकार के शास्त्रों के विषय में भी आपको अच्छा ज्ञान रहेगा तथा स्त्रियों के प्रति आपके मन में तीव्राकर्षण रहेगा। साथ ही आप अपने जीवन में किसी अन्य व्यक्ति संबंधी या मित्र के मकान एवं धन का उपयोग करने वाले होंगे तथा उससे भी सुख की प्राप्ति करेंगे। इसके अतिरिक्त आप बाहर देश विदेश में भी निवास करने वाले होंगे।

व्रीळामंथरचारुवीक्षणगतिः सस्तांसवाहुः सुखी।
श्लक्षणः सत्यरतः कलासुनिपुणः शास्त्रार्थविद्धार्मिकः।।
मेधावी सुरतप्रियः परगृहे वितैश्च संयुज्यते।
कन्यायां परदेशगः प्रियवचः कन्याप्रजोळल्पात्मजः।।
बृहज्जातकम्

स्त्रीवर्ग को आप अपनी हास्यमयी क्रियाओं से आर्कषित करने तथा प्रसन्न रखने मे सफलता प्राप्त करेंगे। स्वभाव से आप सुशील तथा सरल रहेंगे तथा सत्कार्यों को सम्पन्न करने मे भी विशेषतया कार्यशील रहेंगे। साथ ही आप भाग्यवान पुरूष भी होंगे ।

युवतिगे शशिनि प्रमदाजनप्रबलकेलिबिलासकुतूहलैः।
विनयशील सुताजननोत्सवै सुविधिना सहितः पुभान।।
जातकाभरणम्

आप की बुद्धि स्वच्छ एवं निर्मल रहेगी तथा किसी को भी धोखा देने की प्रवृति आपके मन मे नहीं रहेगी। लेखन कार्य के प्रति आपकी स्वाभाविक रूचि रहेगी। अतः लेखन मे आप सफलता प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही आपके चित्त में शान्ति रहेगी। लेकिन जीवन मे यदा कदा नेत्र कष्ट से कष्टानुभूति करेगे। गुरूजनों के प्रति आपके मन मे विशेष आदर का भाव रहेगा तथा उनके हित कार्यो में हमेशा तत्पर रहेंगे।

विमलमति सुशीलो लेखबुद्धिः कविश्च।
कृषिबलगुणशाली शान्तियुग्मः स्वभावः।।
भवति नयनरोगी धार्मिकः शीलयुक्तः।।
गुरूजन हितकर्ता कन्यका यस्य राशिः।।
जातकदीपिका

आप विलासी भी होंगे तथा भौतिक विलासमयी वस्तुओं पर खुले हाथों व्यय करेंगे तथा समस्त सुखसंसाधनों का प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगे। सज्जन लोगों के प्रति आपके मन मे सम्मान का भाव रहेगा तथा ये लोग भी आपसे पूर्णतया प्रसन्न रहेंगे। समाज में सभी लोगों के लिए आपके मन में स्नेह तथा प्रेम का भाव विद्यमान रहेगा। साथ ही संगीत एवं अभिनय के प्रति आप पूर्ण रूप से समर्पित रहेंगे तथा बडे यत्न से उसमे सफलता प्राप्त करेंगे। अपने जीवन काल में इनसे संबधित सस्थाओ से भी संबधित रहेंगे। आप अपने घर से दूर परदेश में भी निवास कर सकते हैं।

विलासी सुजनाह्लादी सुभगो धर्मपूरितः।
दातादक्षः कविर्बुद्धि वेदमार्ग परायणः।।
सर्वलोकप्रियो नाट्यगान्धर्व व्यसने रतः।
प्रवासशीलः स्त्री दुखी कन्याजातो भवेन्नरः।।
मानसागरी

आप आजीवन ऐश्वर्य वैभव युक्त जीवन व्यतीत करेंगे तथा सर्वप्रकार के सुखों का प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगे। आपके मन में विषयवासनाओं संबधी भाव की प्रबलता रहेगी तथा यदा कदा आप इससे व्याकुलता का भी अनुभव करेंगे। समाज मे दूसरे लोगों से आप मधुर संबधों को बनाने के लिए प्रयत्नशील रहेंगे। साथ ही नाना प्रकार की विद्याओं तथा कलाओं के विषय में विस्तृत ज्ञानालोक से आप प्रकाशित रहेंगे।

कन्यास्थे विषयातुरो ललितवाग्मि विद्याधिको भोगवान।
जातकपरिजातः

आपके लिए भाद्रपद मास पंचमी, दशमी, पौर्णमासी तिथियां, श्रवण नक्षत्र शुभयोग, कौलवकरण, शनिवार प्रथम प्रहर तथा वृश्चिक राशिस्थ चन्द्रमा अशुभ फल प्रदान करने वाले

होंगे। अतः आप 15 अगस्त से 14 सितम्बर के मध्य 5,10,15, तिथियों, श्रवण नक्षत्र, शुभयोग में कोई भी शुभ कार्य व्यापार प्रारम्भ नवगृहनिर्माण तथा अन्य महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न न करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही होगी। इन दिनों तथा समय समय में स्वास्थ्य के प्रति भी सतर्कता रखने की आवश्यकता है।

यदि आपके लिए समय अनुकूल न चल रहा हो मानसिक तथा शारीरिक व्याकुलता, व्यापार में हानि, नौकरी या पदोन्नति में बाधाएं उत्पन्न हो रही हों तो ऐसे समय में आपको अपने इष्ट गणेश जी की उपासना करनी चाहिए तथा नियमित रूप से गणेश चतुर्थी, बुधवार के उपवास रखने चाहिए। इसके साथ ही सोना, हरित वस्त्र, मूंग की दाल, इत्यादि पदार्थो का किसी सुपात्र को दान देना चाहिए। इससे आपको मानसिक शान्ति प्राप्त होगी तथा अशुभ फलों में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त बुध के तांत्रीय मंत्र के कम से कम 17000 जप किसी योग्य विद्वान से सम्पन्न करवाने चाहिए। इससे आपकी समस्त शारीरिक व्याकुलता दूर होंगी तथा लाभमार्ग भी प्रशस्त होगा एवं शुभ कार्यों में शीघ्र ही सफलता प्राप्त होगी।

ॐ ब्रां ब्रीं ब्रों सः बुधाय नमः।
मंत्र- ॐ ऐं स्त्रीं श्रीं बुधाय नमः।

Prerna Prasad

धनु राशि में उत्पन्न होने के कारण आपका कंठ भाग तथा मुखाकृति दीर्घता से युक्त रहेगी तथा आपके कान, ओंठ तथा दांत भी सुन्दरता को प्राप्त होंगे। आपकी भुजाएं मांसल तथा पुष्ट रहेंगी। पैतृकधन से आप सुसम्पन्न रहेंगी तथा जीवन में सुख पूर्वक इसका उपभोग करेंगी। दानशीलता का भाव प्रारम्भ से ही आपके मन में विद्यमान रहेगा तथा समय समय पर अपनी इस प्रवृति का आप पालन करती रहेंगी। लेखन कर्म के प्रति भी आपकी गहन रूचि रहेगी। शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहने के कारण आपमें शारीरिक बल पूर्ण रूप से विद्यमान रहेगा। जिससे अन्य लोग आपसे प्रभावित रहेंगे। आप एक उच्च कोटि की वक्ता होंगी तथा अपने प्रभाव पूर्ण भाषणों से सामाजिक जनों पर अपना प्रभुत्व स्थापित करने में सफल रहेंगी। आप में विभिन्न प्रकार के कार्यो को करने की भी क्षमता तथा निपुणता रहेगी तथा चित्रकला के प्रति आपके मन में विशिष्ट सुझाव हो सकता है। जिससे इस क्षेत्र में आप विशिष्ट सफलता तथा प्रसिद्धि भी प्राप्त कर सकती हैं। गम्भीरता से किसी कार्य को करना आपकी प्रवृति रहेगी। साथ ही धर्म के प्रति भी आपकी पूर्ण श्रद्धा रहेगी एवं धर्म के विषय में आपका ज्ञान भी विस्तृत रहेगा। स्वबन्धु वर्ग से आपके सामान्य संबंध रहेंगे। आप प्रेम से ही वश में हो सकेंगी अन्यथा नहीं।

व्यादीर्घस्यशिरोधरः पितृधनस्त्यागी कविर्वीर्यवान्।
वक्ता स्थूलदरश्चवाधरनसः कर्मोद्यतः शिल्पवित्।।
कुब्जांसः कुनखी समांसलभुजः प्रागल्भ्यवान धर्मविद।
बन्धुद्विट् न बलात्समेति च वशं साम्नैकसाध्योळश्वजः।।
वृहज्जातकम्

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

आपकी आँखे गोलाई लिए हुए अत्यन्त ही सुन्दर होगी। साथ ही हाथ एवं कन्धे भी दीर्घाकार रहेंगे। आपका वक्षस्थल भी विस्तृतता को प्राप्त रहेगा। आयु के साथ साथ आपकी कमर में झुकाव भी आ सकता है। जल के किनारे निवास करना या घूमना आपको रूचिकर प्रतीत होगा। अतः ऐसे शुभ अवसरों को प्राप्त करने के लिए आप अधिकाशं यत्नशील रहेंगी। आप गूढ़ से गूढ़ विषयों को समझाने तथा ज्ञान प्राप्त करने में भी सक्षम रहेंगी। आपके शरीर की हड्डियां भी पुष्ट रहेंगी। समाज में अन्य लोगों के द्वारा उपकृत होने पर आप उनका उपकार सहर्ष स्वीकार करेंगी तथा उन के प्रति हार्दिक कृतज्ञता का भाव प्रकट करेंगी।

कुब्जाङ्गो वृतनेत्रः पृथुहृदयकटिः पीनबाहु प्रवक्ता।
दीर्घासो दीर्घकण्ठो जलतटवसतिः शिल्पविद् गूढगुह्यः।।
शूरोदृष्टोळस्थिसारो विततबहुबलः स्थूलकण्ठोष्ठघोणो।।
बन्धुस्नेही कृतज्ञो धनुषिशशिधरे संहतांघ्रि प्रगल्भः।।
सारावली

आप एक परिश्रमी महिला होंगी तथा हमेशा किसी न किसी कार्य को करने में सक्रिय रहेंगी। निष्क्रिय होकर बैठना आपको अच्छा नहीं लगेगा। आप वाक्पटुता के गुण से भी युक्त रहेंगी तथा अपने विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यो को अपनी वाक्पटुता से ही सिद्ध करने में सफल रहेंगी। आप में त्याग की भावना भी विद्यमान रहेगी तथा जीवन में इसका पालन करने के लिए यत्नशील रहेंगी। आपका शारीरिक कद सामान्य रूप से मध्यम ही रहेगा। शत्रुओं को पराजित करने में आप सफल रहेंगी तथा सभी आपसे नित्य भयभीत रहेंगे। इसके अतिरिक्त आप सामान्य तथा उच्चाधिकार प्राप्त वर्गो के मध्य प्रिय एवं आदरणीय रहेंगी तथा इनसे पूर्ण सहयोग भी प्राप्त करेंगी।

दीर्घास्यकण्ठः पृथुकर्णनासः कर्मोद्यतः कुब्जतनुनृपेष्टः।
प्रागल्भ्यवाक्त्यागयुतोळरिहन्ता साम्नैकसाध्योळश्विभवो बलाढ्यः।।
फलदीपिका

विभिन्न प्रकार की कलाओं में आप प्रवीणता को प्राप्त रहेंगी तथा स्वभाव से ही अन्य लोगों के समक्ष विनम्रता का प्रदर्शन करेंगी। आपका चरित्र भी उत्तम रहेगा तथा अन्य लोगों के लिए उदाहरण योग्य होंगी। आपकी प्रवृति किसी भी बात को स्पष्ट रूप से रहने की रहेगी। इससे सभी लोग आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपसे प्रसन्न भी रहेंगे।

बहुकलाकुशलः प्रबलो महाविमलताकलितः सरलोक्तिभाक्।
शशधरे तु धनुर्धरगे नरो धनकरो न करोति बहुव्ययम्।।
जातकाभरणम्

आपके शरीर के सभी अंग सुन्दर तथा सुगठित रहेंगे। आप अपने कुल या परिवार में सर्वश्रेष्ठ रहेंगी तथा समस्त पारिवारिक जन आपको यथा योग्य स्नेह तथा सम्मान प्रदान करेंगे। आप चित्रकारी तथा इंजीनियरिग के क्षेत्र में विशेष सफलता या ख्याति भी

अर्जित कर सकती हैं।

सौम्याङ्गो रूचिरेक्षणः कुलवरः शिल्पी धनुस्थे विधौ।।
जातक परिजातः

आप एक बहादुर तथा साहसी महिला होंगी तथा जीवन में सत्य का अनुपालन करने के लिए सदैव प्रयत्नशील रहेंगी एवं इसे अपना मुख्य कर्तव्य समझेंगी। आप स्थिर कार्यों को करने में रूचिशील रहेंगी। आपकी बुद्धि भी चंचलता से दूर स्थिर ही रहेगी। अन्य जनों के प्रति आपके मन में सर्वदा आदर तथा स्नेह का भाव रहेगा तथा ईर्ष्या या द्वेष के भाव से आप प्रायः मुक्त ही रहेंगी। आप एक सुयोग्य एवं गुणवान पुरूष की पत्नी बनने का भी सौभाग्य प्राप्त करेंगी। आपका शरीर स्थूलता से भी युक्त रहेगा।

शूरः सत्यधियायुक्तः सात्विको जननन्दनः।
शिल्पविज्ञान सम्पन्नो धनाढ्यो दिव्यभार्यकः।।
मानसागरी

इस प्रकार आप सर्व गुणों से सुसम्पन्न रह कर समाज में पूर्ण रूपेण सम्माननीया तथा लोकप्रिय रहेंगी। धार्मिक प्रवृति होने के कारण आप ब्राहमणों देवता तथा गुरूजनों की भी पूर्ण सेवा तथा सम्मान करने के लिए तत्पर रहेंगी। आप अत्यन्त ही मधुर गति से गमन करेंगी। लेकिन सहनशीलता के भाव का आप में सर्वदा अभाव रहेगा। जिससे कभी कभी आपको अनावश्यक परेशानियों का भी सामना करना पड़ेगा।

धनुरिवगुणयुक्तः कीर्तिवाक् पूजनीयः।
कुलपतिरूपचेता बन्धुर्वर्गैक पात्रः।।
बहुजन धनयुक्तो देवविप्रर्षि सेवी।
मृदुगतिरसहिष्णुः कार्मुको यस्य राशिः।।
जातक दीपिका

आपके लिए श्रावण मास, तृतीया अष्टमी तथा त्रयोदशी तिथियां भरणी नक्षत्र, वज्र योग, तैतिल करण, शुक्रवार प्रथम प्रहर तथा वृष राशि का चन्द्रमा प्रायः अशुभ फल प्रदान करने वाले होंगे। अतः आप 15 जुलाई से 14 अगस्त के मध्य 3,8,13 तिथियों भरणी नक्षत्र वज्र योग तथा तैतिल करण में कोई भी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य व्यापार प्रारम्भ, नवगृह निर्माण या क्रय विक्रय आदि कार्यों को आरम्भ न करें। अन्यथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फलों की ही प्राप्ति होगी। साथ ही शुक्रवार प्रथम प्रहर तथा मीन राशि के चन्द्रमा को भी शुभ कार्यों में त्याज्य ही रखें। इन दिनों तथा समय में शारीरिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य के प्रति भी विशेष सजग रहें।

यदि आपके लिए समय अच्छा न चल रहा हो मानसिक परेशानी शारीरिक व्याकुलता व्यापार में हानि नौकरी या प्रोन्नति में बाधा तथा अन्य कार्यों में असफलता मिल रही हो तो ऐसे समय में आपको अपने इष्ट हनुमान जी की आराधना करनी चाहिए तथा मंगलवार एवं वृहस्पति के उपवास भी सम्पन्न करने चाहिए साथ ही सोना,

पुखराज, पीतवस्त्र, पीत पुष्प, पीली चन्दन, चने की दाल, तथा हल्दी आदि पदार्थो का श्रद्धापूर्वक किसी सुयोग्यपात्र को दान करना चाहिए इसके साथ ही वृहस्पति के तांत्रीय मंत्र के किसी योग्य विद्वान के द्वारा कम से कम 16000 जप करने से आपके मन को शान्ति प्राप्त होगी तथा अशुभ फलों में न्यूनता आएगी एवं शुभ फलों में वृद्धि होगी जिससे आपकी समस्त विघ्न वाधाएं दूर होंगी एवं अन्य लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे।

ॐ ग्रां ग्रीं ग्रों सः वृस्पतये नमः।
मंत्र- ॐ ऐं क्लीं वृहस्पतये नमः।

पाया विचार

Mr.

रजत पाद में उत्पन्न होने के कारण आप जीवन में स्त्री एवं पुत्रोंसहित धन धान्य से सर्वदा सम्पूर्ण रहेंगे। पुराणादि शास्त्रों के श्रवण करने में भी आपकी पूर्ण निष्ठा रहेंगी। आपके सभी कार्य पुण्य के लिए समर्पित होगे तथा तीर्थ यात्राओं के प्रति भी आपकी श्रद्धा तथा रूचि रहेगी। जीवन में आप समस्त भौतिक संसाधनों एवं ऐश्वर्य से सुसम्पन्न रहेंगे तथा सुखपूर्वक इसका उपभोग भी करेंगे। साथ ही काव्य शास्त्र में भी आपकी रूचि रहेगी एवं इसके अध्ययन में भी आप तत्पर रहेंगे। आप बहुमूल्य रत्नों एवं धातुओं से भी सुशोभित रहेंगे। आप के सभी कार्य प्रारम्भिक अवस्था में ही सिद्ध हो जाएंगे। बन्धुजनों से आपके मधुर एवं स्नेह पूर्ण संबंध रहेंगे एवं उनसे आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होता रहेगा। आपका भाग्य भी उत्तम रहेगा एवं अनुकूल समय पर उदय होगा। धार्मिक तथा पितृ आदि कार्यों के प्रति भी आप निष्ठावान रहेंगे। आप एक बुद्धिमान व्यक्ति होंगे तथा सद्गुणों से सम्पन्न पुत्रों से सर्वदा युक्त रहेंगे। इस प्रकार आपका जीवन सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

Prerna Prasad

आप ताम्रपाद में उत्पन्न हुई हैं। अतः आप आजीवन धन धान्य से सुसम्पन्न रहेंगी। आप पति के रूप में श्रेष्ठ एवं गुणवान पुरूष को प्राप्त करेंगी। साथ ही कई प्रकार के बहुमूल्य रत्नों एवं धातुओं तथा सोना, चांदी आदि से भी आप सुशोभित रहेंगी। आपका शारीरिक सौन्दर्य सुन्दर एवं आकर्षक रहेगा तथा स्वास्थ्य भी अच्छा होगा। आप एक विदुषी महिला होंगी तथा विविध प्रकार से चल अचल जायदाद या सम्पति की स्वामिनी बनेंगी। आप विविध प्रकार के भौतिक सुखसंसाधनों से युक्त रहेंगी एवं जीवन में प्रसन्नतापूर्वक इनका उपभोग कर सकेंगी। आप की समस्त पुत्र तथा कन्या सन्ततियां सुन्दर एवं गुणवान होंगी एवं जीवन में आप संतति सुख अर्जित करने में भी सफल रहेंगी। इस प्रकार आपका परिवारिक जीवन सुखपूर्वक व्यतीत होगा। आप एक सुशील स्वभाव की महिला होंगी तथा अन्य जनों से आपके हमेशा मधुर व्यवहार रहेगा।

गण फलादेश

Mr.

मनुष्य गण में जन्म लेने के कारण आप ब्राहमण तथा देवताओं के प्रति श्रद्धावान होंगे तथा श्रद्धापूर्वक इनका सत्कार तथा पूजार्चन करेंगे। यदा कदा आप में अभिमानी प्रवृति भी व्याप्त होगी तथा समाज में आप इसका प्रदर्शन करेंगे। दीन दुखियों के प्रति आपके मन में हमेशा करूणा का भाव विद्यमान रहेगा। आप शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे तथा बल का आप में अभाव नहीं रहेगा। आप एक बुद्धिमान पुरूष भी होंगे तथा समस्त कार्यों को बुद्धिमता से पूर्ण करेंगे। शरीर आपका कान्तिमय रहेगा एवं बहुत से लोग आपके द्वारा सुख को प्राप्त करेगे।

देवद्विजार्चाभिरतोभिमानी दयालुर्बलवान कलाज्ञः।
प्राज्ञः सुकान्ति सुखदो बहूनां मर्त्याभवे मर्त्यगणे प्रसूतः।।
जातकाभरणम्

आप अपने जीवन काल में धन तथा मान सम्मान से युक्त रहेंगे आपको इनका कभी भी अभाव नहीं रहेगा। आपकी आखें देखने में बड़ी होंगी तथा शरीर भी गौर वर्ण से युक्त रहेगा। आप निशाने बाजी की कला में अत्यन्त चतुर रहेंगे। साथ ही समस्त नगरवासियों पर आप अपना पूर्ण प्रभाव स्थापित करने में सफल रहेंगे और उन्हें पूर्णतया वश में रखेंगे।

धनीमानी विशालाक्षो लक्ष्यभेदी धनुर्धरः।
गौरः पौरजन ग्राही जायते मानवे गणे।।
मानसागरी

Prerna Prasad

मनुष्य गण में उत्पन्न होने के कारण आप स्वभाव से ही धार्मिक प्रवृति से युक्त रहेंगी। देवता तथा ब्राहमणों में आपकी पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा समयानुसार आप इनका पूजार्चन करती रहेंगी। यदा कदा आप बिना किसी कारण के ही उत्तेजित हो जाएंगी तथा छोटी छोटी बातों में अभिमान का प्रदर्शन करेंगी। मन से आप दयालु रहेंगी तथा शारीरिक बल की भी आप में पूर्णता रहेगी। साथ ही आप अन्य कलाओं के क्षेत्र में भी पूर्ण ज्ञान रखेंगी। आप अत्यन्त बुद्धिमती महिला होंगी तथा शरीर की कान्ति भी दर्शनीय रहेगी। आपके द्वारा अन्य कई लोग भी सुख को प्राप्त करेंगे।

देवद्विजार्चाभिरतोभिमानी दयालुर्बलवान कलाज्ञः।
प्राज्ञः सुकान्ति सुखदो बहूनां मर्त्याभवे मर्त्यगणे प्रसूतः।।
जातकाभरणम्

आपका शारीरिक सौन्दर्य दर्शनीय रहेगा तथा आपके मन में दानशीलता की भावना भी हमेशा विद्यमान रहेगी। जिसका आप जीवन में समय समय पर पालन करती रहेंगी। आपकी प्रवृति सादगी युक्त रहेगी तथा अनावश्यक भौतिकता तथा दिखावे के प्रति आपकी

विशेष रूचि नहीं रहेगी। साथ ही विविध प्रकार के शास्त्रों का अल्प परिश्रम से ज्ञान प्राप्त करेंगी अतः समाज में एक विदुषी के रूप में सम्मान तथा ख्याति को अर्जित करेंगी।

धनीमानी विशालाक्षो लक्ष्यभेदी धनुर्धरः।
गौरः पौरजन ग्राही जायते मानवे गणे।।
मानसागरी

योनी फलादेश

Mr.

गो योनि में उत्पन्न होने के कारण आप स्त्री वर्ग के प्रति अत्यन्त ही आकर्षित रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सम्मान तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। आप एक उत्साही पुरूष होंगे तथा सदैव उत्साह से सम्पन्न रहकर अपने सांसारिक कार्यकलापों को सम्पन्न करेंगी। साथ ही आपकी तार्किक शक्ति अति श्रेष्ठ होगी तथा वाद विवाद में सर्वदा उत्तम रहेंगे।

स्त्रीणां प्रियः सदोत्साही बहुवाक्य विशारदः।
स्वल्पायुश्चनरो जातः गो योनौ न सशंयः।।
मानसागरी

Prerna Prasad

वानर योनि में जन्म लेने के कारण आप में कभी कभी चंचलता के भाव की प्रबलता रहेगी। मीठी वस्तुओं का भक्षण करने में आपकी विशेष रूचि रहेगी तथा इसके लिए आप अत्यन्त ही प्रयत्नशील रहेंगी। धन के प्रति आपकी विशेष आसक्ति रहेगी तथा इसे प्राप्त करने के लिए आप अत्यन्त ही व्याकुलता तथा आतुरता का प्रर्दशन करेंगी। आप में कामभावना की भी प्रबलता रहेगी। साथ ही आपकी सन्ततियां अत्यन्त गुणवान तथा बुद्धिमान होंगी। आपकी प्रवृति विवाद में भी रूचिशील होगी। अतः यदा कदा आपका अन्य जनों से परस्पर विवाद होता रहेगा। आप एक बहादुर तथा साहसी महिला होंगी तथा साहस पूर्वक अपनी विषम परिस्थितियों का सामना करके उनका समाधान करेंगी।

चपलो मिष्टभोगी चार्थलुब्धश्च कलिप्रियः।
सकामःसत्प्रजःशूरोनरो वानरयोनिजः।।
मानसागरी

ग्रह फल – सूर्य

Mr.

तृतीय भाव में सूर्य हो तो जातक, सरकार से सम्मान प्राप्त, कवि, भाई और सम्बन्धियों के कारण दुःखी, पराक्रमी, प्रतापशाली, लब्धप्रतिष्ठ एवं बलवान् होता है।

मीन राशि में रवि हो तो जातक बुद्धिमान्, यशस्वी, व्यापारी, विवेकी ज्ञानी, योगी, प्रेमी, गुप्त विद्याओं में रुचि रखने वाला और स्वसुर से लाभन्वित होता है।

आपके जन्म काल में सूर्य तृतीय भाव में स्थित है। अतः पिता के आप प्रिय रहेंगे तथा उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा यदा कदा ही शारीरिक अस्वस्थता रहेगी। साथ ही उनकी आयु भी उत्तम रहेगी। पिता से आप जीवन में समस्त शुभकार्यों में सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही आप में शक्ति, साहस एवं पराक्रम बढाने के लिए वे नित्य यत्नशील रहेंगे। धन सम्पत्ति से वे सर्वदा युक्त रहेंगे तथा अवसरानुकूल आपको उचित उपदेश तथा निर्देश भी देते रहेंगे।

आप भी उनके प्रति हार्दिक स्नेह एवं सम्मान का भाव रखेंगे तथा प्रायः उनकी आज्ञा का पालन करते रहेंगे। आपके परस्पर संबंध भी कुछ मतभेदों को छोड़कर सामान्य रूप से मधुर ही रहेंगे। उनकी सेवा करना आप अपना कर्तव्य समझेंगे तथा जीवन में उनको पूर्ण आर्थिक तथा अन्य रूप से सहयोग प्रदान करते रहेंगे जिससे उन्हें कोई दुःख या कष्ट न हो। इस प्रकार आप एक दूसरे के लिए सामान्यतया शुभ ही समझे जाएंगे।

Prerna Prasad

अष्टमभाव में सूर्य हो तो जातक धैर्यहीन, निबुद्धि, सुखी, धनी, क्रोधी, चिन्तायुक्त एवं पित्तरोगी होता है।

मकर राशि में रवि हो तो जातक बहुभाषी, चंचल, झगड़ालू, दुराचारी, लोभी एवं परिश्रमी होता है।

आपके जन्म समय में सूर्य अष्टम भाव में विद्यमान है अतः पिता का आपके प्रति स्नेह का भाव रहेगा। उनका स्वास्थ्य ठीक होगा तथापि यदा कदा शारीरिक रूप से वे व्याकुलता की अनुभूति करते रहेंगे। धन सम्पत्ति से वे युक्त रहेंगे एवं जीवन में समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपकी पूर्ण सहायता करते रहेंगे। पिता से आप यदा कदा विशेष धन या सम्पत्ति भी अर्जित कर सकेंगी। साथ ही व्यापार आदि कार्यों एवं यात्रा आदि में भी वे आपका सहयोग करेंगे तथा वांछित निर्देश भी देंगे।

आप भी उनके प्रति पूर्ण सम्मान की भावना रहेगी तथा उनकी आज्ञा पालन करने तथा सेवा करने के लिए नित्य तत्पर रहेंगी। आपके परस्पर संबंध मधुर रहेंगे एवं यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेदों के उत्पन्न होने के कारण संबंधों में कटुता आएगी लेकिन कुछ समय के उपरान्त सब कुछ स्वतः ही ठीक हो जाएगा। इसके अतिरिक्त आप जीवन में हमेशा उनकी सेवा

तथा सहायता करने के लिए तत्पर रहेंगी एवं अपनी ओर से उन्हें किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होने देंगी।

ग्रह फल – चन्द्र

Mr.

नवेंभाव में चन्द्रमा हो तो जातक विद्वान्, विद्याप्रिय, चंचल, न्यायी, प्रवास-प्रिय, कार्यशील,धर्मात्मा. सन्तति-सम्पत्तियुक्त सुखी, साहसी एवं अल्पभ्रातृवान् होता है।

कन्या राशि में चन्द्रमा हो तो जातक सुन्दर, रूपवान, धनी ईमानदार, मधुरभाषी, सदाचारी, धीर, विद्वान, सुखी, सुन्दर वक्ता अधिक कन्या सन्तान वाला, ज्योतिष एवं कला प्रेमी होता है।

आपके जन्म काल में चन्द्रमा की स्थिति नवम भाव में है। अतः माता के आप प्रिय रहेंगे। आपके शुभ प्रभाव से उनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा एवं आयु भी दीर्घ होगी। आपकी सुख संसाधनों के प्रति वे चिन्तित रहेंगी तथा प्रयत्न पूर्वक आपको इन सुख संसाधनों का उपभोग करायेंगी। साथ ही आपके भाग्य की उन्नति में भी उनका विशेष योगदान रहेगा। इसके अतिरिक्त उन्हीं की सहायता एवं सहयोग से आप आवश्यक सुखसंसाधनों को भी प्राप्त करेंगे।

आप भी उनके आज्ञाकारी होंगे तथा पूर्ण रूप से उनका हार्दिक सम्मान करेंगे। जीवन में उनको पूर्ण सुख सुविधा प्रदान करने के लिए आप यत्नशील रहेंगे। आपके परस्पर संबंध भी मधुर होंगे तथा यदा कदा ही कोई मतभेद रहेंगे अन्यथा एक दूसरें से सहमत ही रहेंगे। इस प्रकार आप एक दूसरें के लिए सामान्य शुभ रहेंगे।

Prerna Prasad

सप्तमभाव में चन्द्रमा हो तो जातक सभ्य, धैर्यवान् नेता, विचारक, प्रावासी, जलयात्रा करने वाला, व्यापारी, अभिमानी, वकील, कीर्तिमान, शीतल स्वभाववाला एवं स्फूर्तिवान् होता है।

धनु राशि में चन्द्रमा हो तो जातक वक्त, सुन्दर, शिल्पज्ञ, शत्रुविनाशक उच्च बौद्धिक स्तर वाला, सुखी विवाहित जीवन, विरासत में धन सम्पत्ति पाने वाला, साहित्य के प्रति रुचि का दिखावा करने वाला एवं लेखक होता है।

आपके जन्म समय में चन्द्रमा सप्तम भाव में स्थित है। अतः माता का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा एवं आयु भी लम्बी होगी। आपके प्रति उनके मन में प्यार एवं स्नेह का भाव रहेगा। धन सम्पत्ति से वे सर्वदा युक्त रहेंगी एवं जीवन में आपको अपना सहयोग प्रदान करेंगी। आपकी शादी करने में भी उनका विशेष सहयोग रहेगा तथा आपको व्यापारादि कार्यों में भी पूर्ण आर्थिक या अन्य रूप से सहयोग तथा प्रोत्साहन देंगी।

आप भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धालु रहेंगी एवं हमेशा उनका हार्दिक सम्मान करेंगी। उनकी बातों से आप प्रायः सहमत रहेंगी तथा उसका पालन करने के लिए भी तत्पर रहेंगी। आपके मध्य कभी कभी सैद्धान्तिक मतभेदों की भी उत्पत्ति होगी जिसके कारण कभी कभी

अप्रिय स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है। परन्तु कुल मिलाकर आपसी संबंध अच्छे रहेंगे तथा एक दूसरें का सहयोग करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।

ग्रह फल – मंगल

Mr.

सातवें भाव में मंगल हो तो जातक वातरोगी, राजभीरु, शीघ्रकोपी, कटुभाषी, स्त्रीदुःखी, धूर्त, मूर्ख, निर्धन, घातकी, धननाशक एवं ईर्ष्यालु होता है।

कर्क राशि में मंगल हो तो जातक कुशाबुद्धिवाला, धनवान्, बदमाश, कुशलचिकित्सक, या सर्जन, चंचलमनवाला सुखाभिलाषी, कृषक, रोगी एवं दुष्ट होता है।

आपके जन्म काल में मंगल सप्तम भाव में स्थित है अतः भाई बहिनों का स्वास्थ्य सामान्य रूप से अच्छा रहेगा परन्तु यदा कदा शारीरिक व्याकुलता की भी वे अनुभूति करेंगे। आपके प्रति उनके मन में स्नेह एवं सम्मान की भावना व्याप्त रहेगी तथा हमेशा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में वे आपको सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। आपके विवाह संबंधी या व्यापार संबंधी कार्यों में भी वे अपना यथाशक्ति योगदान देंगे तथा सदैव आपकी सफलता की कामना करेंगे। इसके साथ ही सुख दुःख में वे आपको आर्थिक सहयोग भी प्रदान करेंगे।

आप की भी उनके प्रति पूर्ण सम्मान की भावना रहेगी एवं उनको समस्त महत्वपूर्ण कार्यों एवं क्षेत्रों में अपना सहयोग प्रदान करेंगे। आपके आपसी संबंध मधुर रहेंगे परन्तु यदा कदा मतभेदों के कारण उसमें तनाव या कटुता आएगी परन्तु कुछ समय पश्चात् सब कुछ स्वतः ही ठीक हो जाएगा। इसके साथ ही उनकी शादी या व्यापार आदि कार्यों में भी आप उनकी वांछित सहायता करते रहेंगे।

Prerna Prasad

चतुर्थभाव में मंगल हो तो जातक सन्ततिवान्, मातृसुखहीन, वाहनसुख, प्रवासी, अग्निभययुक्त, अल्पमृत्यु चा अपमृत्यु प्राप्त करने वाला, कृषक, बन्धुविरोधी एवं लाभ युक्त होता है।

कन्या राशि में मंगल हो तो जातक सुखी, शिल्पज्ञ, पापभीरु, लोकमान्य एवं व्यवहार कुशल होता है।

आपकी जन्म कुण्डली में मंगल की स्थिति चौथे भाव में है अतः आपके भाई बहिनों का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं यदा कदा वे शारीरिक रूप से अस्वस्थ रहेंगे। आपके प्रति उनके मन में स्नेह एवं सम्मान का भाव रहेगा तथा सुख दुःख में आपको हमेशा उनसे वांछित आर्थिक तथा अन्य प्रकार का सहयोग प्राप्त होता रहेगा। साथ ही व्यापार एवं आजीविका संबंधी कार्यों में भी वे आपकी पूर्ण सहायता करेंगे।

आप भी उनको मन से सम्मान एवं स्नेह प्रदान करेंगी तथा सुख दुःख में सर्वदा उनके साथ रहेंगी एवं यथाशक्ति उनको वांछित आर्थिक तथा अन्य प्रकार की सहायता भी प्रदान करती रहेंगी। आपके आपसी संबंध मधुर रहेंगे परन्तु यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेदों के कारण

संबंधों में कटुता या तनाव आएगा परन्तु कुछ समय के बाद स्थिति सामान्य हो जाएगी। साथ ही आप एक दूसरे से सहमत भी रहेंगे एवं विश्वास पूर्वक जीवन में परस्पर सहयोग का भाव रखेंगे।

ग्रह फल – बुध

Mr.

तृतीयभाव में बुध हो तो जातक सद्गुणी, कार्यदक्ष, परिश्रमी, मित्रप्रेमी, भीरू, धर्मात्मा, यात्राशील, व्यवसायी, चंचल, अल्पभ्रातृवान्, विलासी, सन्ततिवान्, कवि, सम्पादक, सामुद्रिकशास्त्र का ज्ञाता एवं लेखक होता है।

मीन राशि में बुध हो तो जातक स्वाभिमानी, सदाचारी, सहनशील, भाग्यवान्, प्रवास में सुखी, मिष्टभाषी, कार्यदक्ष, धनसंही, नकल करने का स्वभाव, चिन्तित एवं छोटे दिल का होता है।

Prerna Prasad

अष्टमभाव में बुध हो तो जातक दीर्घायु, अभिमानी, राजमान्य, कृषक, लब्धप्रतिष्ठ, मानसिक दुखी, कवि, वक्ता, न्यायाधीश, मनस्वी, धनवान् एवं धर्मात्मा होता है।

मकर राशि में बुध हो तो जातक कुलहीन, दुश्शील, मिथ्याभाषी, ऋणी, मूर्ख, डरपोक, व्यापार में रुचि लेने वाला, किफायतसार, चतुर एवं परिश्रमी होता है।

ग्रह फल – गुरु

Mr.

ग्यारहवें भाव में गुरु हो तो जातक व्यवसायी, धनिक, सन्तोषी, सुन्दरनिरोगी, लाभवान्, पराक्रमी, सद्व्ययी, बहुस्त्रीयुक्त, विद्वान् राजपूज्य एवं अल्पसन्ततिवान् होता है।

वृश्चिक राशि में गुरु हो तो जातक शास्त्रज्ञ, राजमन्त्री, कार्यकुशल, सुगठित शरीर, अपनी उच्चता का दिखावा करने वाला, स्वार्थी, निर्बलस्वास्थ्य, दुःखी एवं कामुक होता है।

Prerna Prasad

अष्टमभाव में गुरु हो तो जातक दीर्घायु, नम्रव्यवहार, लेखक, सुखी, शान्त, मधुरभाषी, विवेकी, ग्रन्थकार, कुलदीपक, ज्योतिषप्रेमी, मित्रों द्वारा धननाशक, गुप्तरोगी एवं लोभी होता है।

मकर राशि में गुरु हो तो जातक प्रवासी, द्रव्यहीन, व्यर्थपरिश्रमी, चंचलचित्त, धूर्त्त, असभ्य आचरण, दुःखी एवं ईर्ष्यालु होता है।

ग्रह फल – शुक्र

Mr.

द्वितीयभाव में शुक्र हो तो जातक भाग्यवान्, साहसी, समयज्ञ, मिष्टान्नभोजी, यशस्वी, लोकप्रिय, जौहरी, दीर्घजीवी, कवि, कुटुम्बयुक्त, सुखी एवं धनवान् होता है।

कुम्भ राशि में शुक्र हो तो जातक शान्तिप्रिय, दूसरों को सहायता करने वाला, सच्चरित्र, सुन्दर, लोकप्रिय, चिन्ताशील एवं रोग से सन्तप्त होता है।

Prerna Prasad

अष्टम भाव में शुक्र हो तो जातक ज्योतिषी, क्रोधी, मनस्वी, दुखी, गुप्तरोगी, पर्यटनशील, परस्त्रीरत, विदेशवासी, निर्दयी, गुप्तविद्याओं के प्रतिरुचि एवं रोगी होता है।

मकर राशि में शुक्र हो तो जातक बलहीन, कृपण, घ्दयरोगी, दुखी, मानी, नीच जाति की स्त्रियों में रुचि, सिद्धान्तहीन एवं अनैतिक चरित्र होता है।

ग्रह फल – शनि

Mr.

द्वितीय भाव में शनि हो तो जातक कटुभाषी, साधुद्वेषी, मुखरोगी, और कुम्भ या तुला का शनि हो तो धनी, लाभवान् एवं कुटुम्ब तथा भ्रातृवियोगी होता है।

कुम्भ राशि में शनि हो तो जातक नीतिदक्ष, कुशा बुद्धि, शक्तिशाली शत्रु, योग्य, सुखी, व्यसनी, नास्तिक एवं परिश्रमी होता है।

Prerna Prasad

दशम भाव में शनि हो तो जातक विद्वान, ज्योतिषी, राजयोगी ,न्यायी, नेता, धनवान्, राजमान्य, उदरविकारी, अधिकारी, चतुर, भाग्यवान् परिश्रमी, निरुद्पयोगी एवं महत्त्वाकांक्षी होता है।

मीन राशि में शनि हो तो जातक अविचारी, शिल्पकार हतोत्साही, धनी, प्रसिद्ध, सुखी एवं दूसरों की सहायता करने वाला होता है।

ग्रह फल – राहु

Mr.

दशम भाव में राहु हो तो जातक मितव्ययी, वाचाल, सन्ततिक्लेशी चन्द्रमा से युक्त राहु के होने पर राजयोग कारक अनियमित कार्यकर्त्ता एवं आलसी होता है।

तुला राशि में राहु हो तो जातक अल्पायु, दाँतों के रोग, विरासत में धन पाने वाला एवं कार्य कुशल होता है।

Prerna Prasad

चतुर्थभाव में राहु हो तो जातक असन्तोषी, दुखी, अल्पभाषी, मिथ्याचारी, उदरव्याधियुक्त, कपटी, मातृक्लेशयुक्त एवं क्रूर होता है।

कन्या राशि में राहु हो तो जातक लोकप्रिय, मधुरभाषी, कविलेखक, गवैया एवं धनी होता है।

ग्रह फल – केतु

Mr.

चतुर्थ भाव में केतु हो तो जातक, कार्यहीन, चंचल, वाचाल एवं निरुत्साही होता है।

मेष राशि में केतु हो तो जातक चंचल, बहुभाषी एवं सुखी होता है।

Prerna Prasad

दशम भाव में केतु हो तो जातक अभिमानी, परिश्रमशील मूर्ख, पितृद्वेषी, दुर्भागी, संन्यास लेना एवं योगी होता है।

मीन राशि में केतु हो तो जातक परिश्रमी, धार्मिक प्रवृत्तिवाला, कर्णरोगी, प्रवासी, चंचल और कार्यपरायण होता है।

स्वास्थ्य, व्यक्तित्व एवं प्रकृति

Mr.

आपके जन्म समय में लग्न में मकर राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। सामान्यतया इस लग्न में उत्पन्न जातक शांत एवं उदार प्रवृति के व्यक्ति होते हैं तथा अन्य जनों के प्रति इनके मन में प्रेम तथा स्नेह का भाव विद्यमान रहता है। ये विचारशीलता एवं गंभीरता के भाव से युक्त रहते हैं तथा अत्यंत ही परिश्रमी एवं कार्यशील होते है फलतः अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को परिश्रम पूर्वक सम्पन्न करके उनमें सफलता अर्जित करते हैं। इनमें कार्य करने की क्षमता अद्वितीय होती है तथा यही गुण जीवन में इनकी सफलता का रहस्य होता है। इनमें सेवा परायणता का भाव भी रहता है तथा देश एवं समाज सेवा के कार्यों में प्रवृत रहते हैं। ये साहसी एवं निर्भीक होते हैं तथापि मन में यदा कदा उदासीनता की भावना विद्यमान रहती है जिससे सुख में खुशी तथा दुख में कष्ट की अनुभूति कम होती है। भौतिकता के प्रति इनका आकर्षण कम ही रहता है तथा सादा एवं त्यागमय जीवन व्यतीत करने के ये इच्छुक रहते हैं। इसके अतिरिक्त स्वपरिश्रम के द्वारा ये अनुसन्धान, विज्ञान एवं शास्त्रीय विषयों का ज्ञानार्जन करके एक विद्वान के रूप में समाज में आदरणीय रहते हैं।

अतः इसके प्रभाव से आप एक स्वस्थ एवं बलवान व्यक्ति होंगे आपमें आदर्शवादिता का भाव भी होगा तथा अपने आदर्शों पर स्वतंत्र रूप से विचार करेंगे। साथ ही आपके उच्चादर्शों से अन्य लोग भी प्रभावित होंगे। दार्शनिकता के भाव से भी आप युक्त होंगे तथा शत्रु एवं प्रतिद्विन्दयों के प्रति आपके मन में उदारता का भाव रहेगा फलतः वे भी आपसे प्रभावित होंगे। अतः सदगुणों से सभी लोगों के मध्य आप आदरणीय रहेंगे।

लग्न में लग्नेश शनि की राशि के प्रभाव से आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से शांति तथा सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे। आपका व्यक्तित्व भी आकर्षक होगा तथा अन्य जनों को प्रभावित करने में समर्थ होंगे। आप एक बुद्धिमान पुरूष होंगे फलतः आपके कार्य कलापों पर बुद्धिमता की छाप रहेगी। कार्य क्षेत्र में भी आपका प्रभाव रहेगा तथा आपकी कर्तव्य परायणता तथा परिश्रम से उच्चाधिकारी वर्ग या सहयोगी सन्तुष्ट होंगे। फलतः आपके उन्नति मार्ग प्रशस्त रहेंगे। आपका दाम्पत्य जीवन सुखी होगा तथा परस्पर सम्बन्धों में मधुरता रहेगी। उत्तम कार्यों को करने में भी आप रूचिशील होंगे फलतः समाज में एक आदरणीय व्यक्ति के रूप में आपकी छवि रहेगी।

स्वव्यवसाय के प्रति आपकी इच्छा होगी तथा इसको सम्पन्न करके इसमें आपको इच्छित लाभ एवं उन्नति मिलेगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी उत्तम रहेगी जिससे धनैश्वर्य एवं वैभव से युक्त होंगे। साथ ही सुख संसाधनों से भी सुसम्पन्न रहेंगे तथा अपने कार्यों से समाज में प्रतिष्ठा तथा यश प्राप्त करेंगे। इससे लोग आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे परन्तु यदा कदा आप कृपणता के भाव का भी प्रदर्शन करेंगे।

धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा होगी परन्तु धार्मिक कार्य कलाप अल्प मात्रा में ही

सम्पन्न करेंगे। मित्र एवं बन्धु वर्ग के मध्य आप प्रिय एवं आदरणीय होंगे तथा उनसे वांछित लाभ एवं सहयोग अवसरानुकूल प्राप्त होता रहेगा। इस प्रकार आप शांत उदार परिश्रमी एवं पराक्रमी व्यक्ति होंगे तथा सुख पूर्वक अपना जीवन यापन करेंगे।

Prerna Prasad

आपके जन्म समय में लग्न में मिथुन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। सामान्यतया मिथुन लग्न में उत्पन्न जातक स्वस्थ विन्रम शांत एवं हास्य प्रवृति से युक्त होते है। वे बुद्धिमान होते है तथा उनके मुख पर बुद्धिमता की झलक स्पष्ट परिलक्षित होती है परन्तु यदा कदा चंचलता का भाव भी इनमें पाया जाता है ये स्वाभिमानी महिला होते हैं तथा स्वपरिश्रम योग्यता एवं पराक्रम से जीवन में वांछित सफलताएं अर्जित करते हैं तथा सुख संसाधनों एवं भौतिक उपकरणों को प्राप्त करके सुख पूर्वक इनका उपभोग करते हैं। संगीत एवं कला के प्रति इनकी अभिरूचि रहती है तथा नए सिद्धांतों एवं मूल्यों का प्रतिपादन करने में भी समर्थ रहते हैं।

अतः इसके प्रभाव से आपका शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त सांसारिक महत्व के कार्यों को बुद्धिमता पूर्वक सम्पन्न करके उनमें सफलता अर्जित करेंगी। इससे समाज में आपके मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आप में सहिष्णुता तथा उदारता का भाव भी विद्यमान रहेगा। अतः अवसरानुकूल सुख दुःख में अन्य लोगों को अपना सहयोग प्रदान करने में तत्पर रहेंगी।

मित्रों के प्रति आपके पूर्ण निष्ठा रहेगी तथा सरकारी या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके नित्य सम्पर्क रहेंगे। आपका व्यक्तित्व भी आकर्षक होगा तथा अन्य लोग आपसे आकर्षित एवं प्रभावित रहेंगे। लेखन गणित तथा व्यापारिक कार्यों में आपके विशेष रूचि होगी तथा स्वपरिश्रम एवं योग्यता से इन क्षेत्रों में इच्छित उन्नति प्राप्त करके अपना जीवन यापन करेंगी।

लग्न में लग्नेश बुध की राशि के प्रभाव से आप शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगी। आपके वाणी भी मधुर होगी तथा अपने सम्भाषण में मधुर शब्दों का उपयोग करेंगी एवं अपने वाक्चातुर्य से अपने कार्यों को सिद्ध करने में समर्थ होंगी। आपका स्वभाव परिश्रमी होगा तथा परिश्रमपूर्वक आप अपने उन्नति के मार्ग प्रशस्त करेंगी जिससे समाज या कार्यक्षेत्र में आप एक सम्मानित महिला समझी जाएंगी।

जीवन में इच्छित धनैश्वर्य एवं वैभव को अर्जित करने में आप समर्थ होंगी तथा आयस्रोत भी आपके एक से अधिक होंगे फलतः आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी संगीत कला साहित्य एवं अन्य शास्त्रों पर आपका अधिकार रहेगा तथा अपनी उत्साही एवं पराक्रमी प्रवृति से आप इनमें इच्छित यश तथा प्रतिष्ठा की प्राप्ति होने की संभावना रहेगी। साथ ही कृषि या जमीन जायदाद संबंधी लाभ भी आप जीवन में अर्जित कर सकते हैं।

धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा निष्ठापूर्वक समय समय पर धार्मिक कार्यकलापों को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगी। आप एक सुशील महिला होंगी तथा नैतिकता

का अनुपालन करने में सदैव तत्पर रहेंगी। अतः अन्य जन आपको हार्दिक आदर प्रदान करेंगे तथा एक सम्मानित महिला के रूप में आपका अपने क्षेत्र में प्रभाव रहेगा।

इस प्रकार आप परिश्रमी, उत्साही, साहसी एवं पराक्रम के भाव से युक्त होकर सांसारिक सुखों का उपभोग करते हुए अपना जीवन व्यतीत करेंगी।

धन, परिवार, आंख एवं वाणी

Mr.

आपके जन्म समय में द्वितीय भाव में कुम्भ राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। अतः इसके प्रभाव से आप एक बुद्धिमान पुरूष होंगे तथा बुराइयों के प्रति हमेशा सजग रहेंगे। साथ ही आप एक स्पष्ट वक्ता होंगे तथा जो कुछ भी मन में हो स्पष्ट रूप से अन्य जनों के समक्ष कह देंगे। आपकी प्रवृति निस्वार्थी रहेगी तथा इसी भाव से आपके सांसारिक कार्य कलाप सम्पन्न होंगे परन्तु अन्य जनों की बातों से आप शीघ्र ही सहमत हो जाएंगे इससे यदा कदा अनावश्यक परेशानियां भी हो सकती हैं। आप एक कर्तव्य परायण व्यक्ति होंगे तथा परिवार के प्रति आपका अत्यधिक लगाव रहेगा। साथ ही घर को भी आप हमेशा सुन्दर तथा आकर्षक रूप से देखना पंसद करेंगे।

आप परिवार के ओर से सर्वदा चिन्तित रहेंगे तथा मानसिक एवं भावनात्मक रूप से पारिवारिक सदस्यों से जुड़े रहेंगे। आप किसी भी चीज को शान्ति पूर्वक ग्रहण करेंगे तथा अनावश्यक चंचलता के भाव की आप में न्यूनता रहेगी। आपकी वाणी मधुर रहेगी तथा अन्य लोग वाणी से पूर्ण प्रभावित रहेंगे तथा आप स्पष्ट रूप से अपने विचारों को अभिव्यक्त करेंगे। आपको विभिन्न स्वादों का आस्वादन करना प्रिय लगेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा पारिवारिक जनों के साथ धार्मिक कार्य कलापों को सम्पन्न करते रहेंगे इसके अतिरिक्त किसी धनवान व्यक्ति के सहयोग से आप इच्छित धनार्जन करेंगे तथा सज्जनों एवं महात्माओं का आदर सत्कार करते रहेंगे। साथ ही अवसरानुकूल परोपकार संबंधी कार्यो को भी आप सम्पन्न करते रहेंगे।

Prerna Prasad

आपकी जन्म कुंडली में द्वितीय में कर्क राशि स्थित है जिसका स्वामी चन्द्रमा है। अतः इसके प्रभाव से आप एक भावुक प्रवृति की होंगी तथा यदा कदा अधिक वार्तालाप भी करेंगी। समाज में आप एक सम्मानीया महिला रहेंगी तथा सभी लोग आपको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे। आपकी वाणी भी स्पष्ट एवं मधुर रहेगी जिससे सम्मुख व्यक्ति आपसे प्रभावित रहेगा। साथ ही अपने विचारों को बिना किसी असुविधा के अन्य लोगों के समक्ष प्रस्तुत करेंगी जिससे सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे ।

पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि आपकी उत्तम रहेगी तथा परिवार की शान्ति तथा खुशहाली के लिए नित्य प्रयत्नशील रहेंगी। साथ ही संतति से भी आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग की समय समय पर प्राप्ति होती रहेगी। आप सामान्यतया सुन्दर तथा स्वादिष्ट भोजन करने में रूचिशील रहेंगी लेकिन मिष्ठान आपका विशेष प्रिय रहेगा परन्तु इसके अधिक उपयोग से आपको कोई शारीरिक परेशानी भी हो सकती है अतः इसका अधिक मात्रा में उपयोग कम ही करें। परिवार में आप समय समय पर धार्मिक या मांगलिक उत्सवों का भी आयोजन करती रहेंगी। आप अपने विचारों की पुष्टि के लिए हमेशा ठोस तर्को को प्रस्तुत करेंगी जिससे लोग

आपसे प्रभावित तथा सहमत रहेंगे। पुत्रों का आपके प्रति विशेष स्नेह रहेगा तथा आपकी सेवा तथा सहयोग में सदैव तत्पर रहेंगे। अतः आप सुख पूर्वक अपना जीवन यापन करेंगी।

Mr.

आपके जन्म समय में तृतीय भाव में मीन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से आप मानसिक रूप से पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा स्मृति भी तीव्र होगी एवं गहन से गहन विषय को भी स्मरण रखने में समर्थ रहेंगे। आप दर्शन शास्त्र, विज्ञान में उच्चशिक्षा या शोध कार्य के प्रति रूचिशील रहेंगे तथा इस क्षेत्र में यत्नपूर्वक सफलताएं अर्जित करते रहेंगे। भाई बहिनों से आप युक्त रहेंगे तथा जीवन में उनका पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही आपके प्रति वे आज्ञाकारी कर्तव्य परायण तथा सहानुभूति से युक्त रहेंगे तथा उन्नति के क्षेत्र में आपका परस्पर सहयोग रहेगा। लेकिन यदा कदा वैचारिक मतभेद हो सकता है फिर भी पारिवारिक शान्ति एवं प्रसन्नता के लिए एक दूसरे की कमियों की उपेक्षा करेंगे।

आपमें नेतृत्व के गुण विद्यमान रहेंगे अतः सामाजिक मान सम्मान तथा ख्याति समय समय पर प्राप्त होती रहेगी। साथ ही परिवार का स्तर बढ़ाने में भी प्रयत्नशील रहेंगे। आप में संगठन शक्ति भी रहेगी तथा किसी भी कार्य को लाभदायक देखकर आप तुरंत ही उस कार्य को करने के लिए तत्पर हो जाएंगे तथा भौतिकता की प्राप्ति के लिए किसी भी वस्तु का सदुपयोग करने में समर्थ रहेंगे। संचार साधन टेलीफोन, टेलीविजन या वाहन आदि से आप सुसम्पन्न रहेंगे तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। साथ ही संगीत के प्रति भी आपकी रूचि रहेगी तथा कला में भी रिक्त समय प्रदान करेंगे। साथ ही दूर समीप की यात्राओं से आपको लाभ प्राप्त होता रहेगा। आप धार्मिक, सूचना संबंधी लेख या अच्छी पुस्तकों को पढ़ने के शौकीन रहेंगे। इसके अतिरिक्त आप धनवान, पुण्यात्मा, अतिथि सेवक तथा सर्वजनों के प्रिय होकर सुख पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

Prerna Prasad

आपके जन्म समय में तृतीय भाव में सिंह राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी सूर्य है। अतः इसके प्रभाव से आप एक आदर्श, विशाल हृदय एवं साहसी महिला होंगी। आपका अपने संबंधियों, मित्रों एवं भाई बहिनों के प्रति पूर्ण विश्वास रहेगा तथा उनको अपनी ओर से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगी तथा उनकी सेवा करना अपना कर्तव्य समझेंगी । पारिवारिक शान्ति एवं समृद्धि के लिए उनकी गलतियों को भूलने की सीमा तक क्षमा कर देंगी। इस राशि के प्रभाव से आप प्रशासनिक या कोई उच्चाधिकार प्राप्त पद अर्जित करने में समर्थ हो सकती हैं। इसके साथ ही भाई बहिनों से आज्ञा पालन तथा कर्तव्य परायणता के भाव की सर्वदा अपेक्षा करेंगी यदि वे ऐसा नहीं करते तो आप अत्यंत ही क्रोध का प्रदर्शन भी करेंगी।

आप एक बुद्धिमती महिला होंगी तथा आपकी स्मरण शक्ति अत्यंत ही तीक्ष्ण रहेगी तथा किसी भी बस्तु को एक बार देख या उसके बारे में सुनकर उसे काफी समय तक याद

रखेंगी। उच्च शिक्षा, दर्शन शास्त्र या लेखन संबधी कार्यों में भी आप रूचिशील रहेंगी तथा यत्नपूर्वक इनका अध्ययन करने में तत्पर रहेंगी। आधुनिक संचार साधनों यथा टेलीफोन, दूरदर्शन या वाहन आदि से युक्त रहेगी एवं आनन्द पूर्वक इनका उपभोग करेंगी। आप नीति संबंधी ज्ञान भी रखेंगी तथा समाचार पत्र पत्राचार या लेखन से भी आपको लाभ होगा। संगीत के प्रति भी आपकी रूचि रहेगी तथा अवसरनुकूल इससे अपना मनोरजंन करेंगी। आपकी दूर समीप की यात्राएं भी समय समय पर होती रहेंगी तथा इससे आपको ख्याति तथा धनार्जन भी होगा। प्रकाशन के क्षेत्र में भी आपकी रूचि रहेगी। इसके अतिरिक्त एक योग्य सूचना अधिकारी या संवाददाता के रूप में भी सफल हो सकती हैं।

शिक्षा, माता, वाहन एवं जायदाद

Mr.

आपके जन्मसमय में चतुर्थ भाव में मेषराशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है तथा केतु भी चतुर्थ भाव में ही स्थित है। अतः इसके प्रभाव से जीवन में आपको वांछित सांसारिक सुखों की प्राप्ति होगी तथा आवश्यक सुख-संसाधनों एवं भौतिक उपकरणों से युक्त होंगे। लेकिन इन सबको प्राप्त करने में आपको काफी परिश्रम करना पड़ेगा तथापि समाज में भी आप अपना यथोचित स्तर बनाए रखेंगे।

आप एक भाग्यशाली व्यक्ति होंगे तथा जीवन में आपको प्रचुर मात्रा में चल एवं अचल सम्पत्ति की प्राप्ति होगी। नाना या नानी से भी आप न्यूनाधिक मात्रा में चल या अचल सम्पत्ति प्राप्त कर सकते हैं। अपने पराक्रम एवं परिश्रम से भी आप आवश्यक मात्रा में धन-सम्पत्ति को अर्जित करने में समर्थ होंगे। आपको जीवन में कभी भी विवादित सम्पत्ति से संबंध नहीं रखना चाहिए अन्यथा इससे आपको अनावश्यक समस्याओं एवं परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

जीवन में आपको अच्छे आवास की प्राप्ति होगी। आपका घर सुन्दर, आकर्षक एवं आधुनिक सुख-सुविधाओं से युक्त होंगा एवं भौतिक उपकरणों की इसमें प्रचुरता रहेगी। इसकी स्वच्छता एवं सुन्दरता का आप विशेष ध्यान रखेंगे। आपका घर किसी मध्यम कालोनी में होगा तथ पड़ोसी भी शिक्षित होंगे परंतु संबंधों में मधुरता अल्प मात्रा में ही होगी। इसके अतिरिक्त वाहन सुख उत्तम रहेगा तथा अपने वाहन का आप प्रसन्नतापूर्वक उपभोग करेंगे।

आपकी माताजी तेजस्वी, बुद्धिमान, शिक्षित एवं व्यावहारिक महिला होंगी तथा भौतिकतावादी विचारों की उनमें प्रधानता रहेगी। परिवार के उपर उनका पूर्ण नियंत्रण होगा एवं सभी लोग उनकी आज्ञा का पालन करेंगे परंतु यदा कदा उनकी तेजस्वी वृति से किसी सदस्य को अल्प कालिक परेशानी हो सकती है। आपके प्रति उनके मन में विशेष स्नेह का भाव होगा तथा समयानुसार आर्थिक एवं नैतिक सहयोग प्रदान करती रहेगी। आप भी उनका पूर्ण ध्यान रखेंगे तथा अपनी ओर से उन्हें किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होने देंगे। लेकिन परस्पर मतभेदों के कारण संबंधों में यदा कदा तनाव का भाव उत्पन्न हो सकता है। अतः ऐसी स्थिति की अवहेलना करनी चाहिए।

विद्याध्ययन में प्रारंभ से ही आप रूचिशील एवं परिश्रमशील रहेंगे तथा छोटी कक्षाओं से ही आपको वांछित सफलता मिलेगी। स्नातक परीक्षा भी परिश्रम एवं बुद्धिमता से उतीर्ण करने में समर्थ होंगे। यदि आप किसी तकनीकी शिक्षा का पाठ्यक्रम करें तो इसमें आपको अच्छी सफलता मिलेगी तथा आपके मन में आत्मविश्वास के भाव में वृद्धि होगी जिससे उज्ज्वल भविष्य के मार्ग को प्रशस्त करेंगे। क्योंकि आप एक परिश्रमी व्यक्ति है अतः तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में विशेष सफलता अर्जित कर सकते है।

चतुर्थ भाव में मंगल की राशि में केतु के प्रभाव से मध्यावस्था में आप रक्तचाप या

हृदय संबंधी परेशानियों का सामना कर सकते है। यदि आप प्रारंभ से ही खान-पान का ध्यान रखें एवं रक्तचाप तथा हृदय को प्रभवित करने वाले पदार्थो का सेवन अल्प मात्रा में किया जाये तो ऐसी समस्याओं में कमी आ सकती है।

Prerna Prasad

आपके जन्म समय में चतुर्थ भाव में कन्या राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है तथा मंगल भी चतुर्थ भाव में ही स्थित है। अतः इसके प्रभाव से यद्यपि जीवन में आप को सुख संसाधनों की प्राप्ति होगी परंतु इसमें आपको काफी परिश्रम एवं पराक्रम का प्रदर्शन करना पड़ेगा। यद्यपि विलम्ब से ही उनकी प्राप्ति होगी परंतु आप सामान्य रूप से एक बुद्धिमान महिला हैं। अतः अपनी बुद्धिमता से ऐश्वर्य एवं वैभव अर्जित अवश्य करेंगी।

जीवन में आपको चल एवं अचल सम्पत्ति का स्वामित्व भी प्राप्त होगा तथा भाइयों के सहयोग से इसमें वृद्धि भी होगी। मंगल के प्रभाव से अचल संपत्ति यथा जमीन जायदाद आपके लिए शुभ रहेंगे परंतु चल संपत्ति अर्जित करने में किंचित परिश्रम का सामना करना पड़ सकता है। इसके साथ ही विवादित सम्पत्ति से आपको दूर ही रहना चाहिए तथा इससे किसी भी प्रकार का क्रय-विक्रय नहीं करना चाहिए अन्यथा अनावश्यक सम्स्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

आपको अच्छे घर की प्राप्ति होगी तथा इसमें सुखपूर्वक रहेंगी। आपका घर किसी मध्यम कालोनी में होगा एवं पड़ोसी भी शिक्षित होंगे परंतु यदा कदा संबंधों में तनाव उत्पन्न हो सकता है। घर को आप सुंदर एवं आकर्षक बनाने में सदैव तत्पर होंगी। वाहन से भी आप युक्त होंगी तथा युवावस्था से ही वाहन का सुख अर्जित करेंगी जिससे आप प्रसन्नता पूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगी।

आपकी माता जी तेजस्वी स्वभाव की महिला होंगी तथा पारिवारिक जनों पर उनका पूर्ण नियंत्रण होगा। वह व्यवहारिक भी होंगी तथा अपनी ओर से वे सबका पूर्ण ध्यान रखेंगी जिससे पारिवारिक जनों को उनसे कोई विशेष परेशानी नहीं होगी। परंतु यदा कदा क्रोध के भाव का अवश्य प्रदर्शन करेंगी। समयानुसार वह आपको आवश्यक आर्थिक सहयोग भी प्रदान करेगी एवं उनका नैतिक सहयोग आपको मिलता रहेगा परंतु संबंधो में विशेष मधुरता की कमी रहेगी।

शिक्षा के क्षेत्र में प्रारंभ से ही आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा तथापि छोटी कक्षाओं में आप अच्छे अंक अर्जित करने में समर्थ होंगी परंतु स्नातक परीक्षा आप परिश्रम के उपरांत ही कर पायेंगे। अतः यदि आप किसी तकनीकी शिक्षा का चुनाव करें तो इस क्षेत्र में आपको इच्छित एवं अनुकूल सफलता की प्राप्ति हो सकती है। इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी तथा जीवन में आप कार्य क्षेत्र में उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होंगी।

चतुर्थ भाव में नैसर्गिक तेजस्वी ग्रह मंगल के प्रभाव से युवावस्था के उपरांत आपको रक्तचाप या हृदय संबंधी परेशानियों की अनुभूति हो सकती है। अतः यदि आप युवावस्था से ही

खान-पान का विशेष ध्यान रखे तथा ऐसे पदार्थो का उपयोग न करें जो रक्तचाप या हृदय को प्रभावित करते हो तो ऐसी परेशानियों से आप सुरक्षित रहेंगी तथा प्रसन्नतापूर्वक आपका जीवन व्यतीत होगा।

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

प्रणय सम्बन्ध, सन्तान एवं बुद्धि

Mr.

आपके जन्म समय में पंचमभाव में वृष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। अतः इसके प्रभाव से आप एक बुद्धिमान व्यक्ति होंगे तथा अपने समस्त सांसारिक तथा अन्य महत्वपूर्ण कार्यो को बुद्धिमता से ही सम्पन्न करेंगे। आप में शीघ्र एवं सही निर्णय लेने की क्षमता भी विद्यमान होगी। जिससे आप समय समय पर वांछित लाभ एवं सफलता अर्जित करने में समर्थ होंगे। कठिन से कठिन समस्याओं का समाधान भी अपनी बुद्धि के द्वारा शीघ्र कर देंगे। अतः अन्य लोग भी आपकी बुद्धिमता से प्रभावित होंगे तथा वांछित आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। वैदिक साहित्य दर्शन एवं धर्म के प्रति आपकी रूचि अल्प मात्रा में ही होगी परन्तु आधुनिक विज्ञान, इतिहास एवं पुरात्तव के क्षेत्र में आपका प्रबल आकर्षण एवं रूचि रखेंगे तथा परिश्रम पूर्वक इन क्षेत्रों के ज्ञानार्जन में प्रयत्न शील होंगे तथा किसी नवीन सिद्धांत का भी प्रतिपादन कर सकते हैं जिससे आपके सामाजिक सम्मान में वृद्धि होगी।

पंचमभाव में वृष राशि की स्थिति के प्रभाव से प्रेम-प्रसंगों में भी आपकी रूचि होगी तथा ऐसे सम्बन्धों से आपको मानसिक सन्तुष्टि की प्राप्ति होगी। प्रेम के क्षेत्र में भावनात्मक आकर्षण की प्रबलता होगी। आपका प्रेम मर्यादा, नैतिकता एवं यथार्थवादी दृष्टि -कोण से युक्त होगा। अतः इसकी परिणीति विवाह के रूप में भी हो सकती है जिससे आपका दाम्पत्य जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

जीवन में आपको यथोचित समय पर संतति प्राप्त होगी तथा संतति में कन्याओं की संख्या अधिक होगी। आपकी संतति पराक्रमी, तेजस्वी एवं बुद्धिमान होगी तथा अपने इन्हीं गुणों से जीवन में उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होगी। माता-पिता के प्रति उनके मन सामान्यतया आदर एवं सम्मान का भाव होगा परन्तु स्वतन्त्र प्रवृति के होने के कारण यदा-कदा वे किसी महत्वपूर्ण कार्य को बिना माता-पिता की सलाह या सहयोग से भी सम्पन्न कर सकते है लेकिन इससे आपको चिन्तित नहीं होना चाहिए तथा उनकी योग्यता पर पूर्ण विश्वास करना चाहिए। इससे आपकी सम्बन्धों में विश्वास, सदभाव एवं मधुरता होगी। इसके अतिरिक्त वे वृद्धावस्था में आपकी श्रद्धा पूर्वक सेवा करेंगे तथा अपनी ओर से किसी भी प्रकार की कमी नहीं होने देंगे। इस प्रकार संतति पक्ष से सामान्यतया सुख एवं सहयोग ही अर्जित करेंगे तथा उनसे सन्तुष्टि भी बनी रहेगी।

अध्ययन के क्षेत्र में वे योग्य एवं परिश्रमी होंगे तथा बुद्धिमता पूर्वक शिक्षा के क्षेत्र में वांछित उन्नति प्राप्त करके अपने उज्जवल भविष्य का निर्माण करेंगे। आप भी उनकी शिक्षा-दीक्षा का उच्च स्तर पर प्रबन्ध करेंगे तथा अपनी ओर से किसी भी प्रकार की कमी नहीं होने देंगे। इसके अतिरिक्त आपकी संतति पराक्रमी तेजस्वी एवं व्यवहार कुशल भी होगी तथा अपने उत्तम कार्य कलापों से अन्य समाजिक जनों को भी प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होगी फलतः सभी लोग उन्हें वांछित आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। अतः बच्चों की उन्नति से आप सन्तुष्ट होंगे।

Prerna Prasad

आपके जन्मसमय में पंचमभाव में तुला राशि उदित हो रही थी। जिसका स्वामी शुक्र है। अतः इसके शुभ प्रभाव से आप तीव्र बुद्धि की स्वामिनी होंगी तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को बुद्धिमत्ता से सम्पन्न करेंगीं। इससे अन्य लोग आपसे प्रभावित होंगे साथ ही कठिन से कठिन समस्याओं का समाधान आप अपनी बुद्धि से करने में समर्थ होंगी। वैदिक साहित्य दर्शन एवं धर्मशास्त्र में भी आपकी रुचि होगी तथा इन ग्रंथों का अध्ययन करके वांछित मात्रा में ज्ञान अर्जित करेंगी। बुध के प्रभाव से साहित्य या कविता लेखन, गणित एवं ज्यौतिष शास्त्र का ज्ञान भी आपको होगा तथा इस क्षेत्र में कोई महत्वपूर्ण उपलब्धि भी अर्जित कर सकती हैं जिससे समाज में आपके प्रभाव में वृद्धि होगी तथा एक विदुषी के रूप में आपकी प्रतिष्ठा होगी ।

शुक्र की राशि की पंचमभाव में प्रभाव से प्रेम प्रसंगों में भी आपकी रूचि होगी परंतु आपका प्रेम आदर्शवाद एवं मर्यादा की सीमा में होगा तथा इसको आप केवल मनोरंजन या समय व्यतीत करने का समाधान नहीं मानेगे। अतः आपका प्रेम प्रसंग विवाह के रूप में भी परिवर्तित हो सकता है जिससे आपका जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

जीवन में आपको यथोचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा संतति में कन्याओं की संख्या पुत्र से अधिक होगी लेकिन सभी बच्चे बुद्धिमान एवं गुणवान होंगे तथा अपनी योग्यता एवं परिश्रम से जीवन में उन्नति एवं सफलता के मार्ग पर अग्रसर होंगे। माता पिता के वे आज्ञाकारी होंगे तथा समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को माता पिता की सलाह से ही सम्पन्न करेंगे जिससे परस्पर सद्भाव बना रहेगा। पिता की अपेक्षा माता के प्रति उनमें विशेष लगाव होगा तथा अपनी व्यक्तिगत समस्या का समाधान माता से ही करवाना अधिक पसंद करेंगे लेकिन मान सम्मान एवं श्रद्धा का भाव माता पिता के प्रति समान रूप में रहेगा।

शिक्षा के क्षेत्र में आपके बच्चे आशातीत उन्नति करेंगे तथा अच्छे अंको से अपनी परिक्षाओं को उत्तीर्ण करके उज्जवल भविष्य का निर्माण करेंगे। वे उच्च पदों पर भी नियुक्त हो सकते है। इसके वे स्वभाव से विनम्र एवं व्यवहार कुशल होंगी तथा अन्य सामाजिक जन भी उनसे प्रसन्न तथा प्रभावित होंगे जिससे आपके सम्मान एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। अपने बच्चों पर आपको गौरव होगा तथा वे भी वृद्धावस्था में आपकी श्द्धा पूर्वक सेवा करेंगे तथा अपनी ओर से किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होने देंगे। अतः आप एक सौभाग्यशाली महिला होंगी।

रोग, शत्रु, सेवक एवं मामा

Mr.

आपके जन्म समय में षष्ठ भाव में मिथुन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। अतः इसके प्रभाव से आप को रक्त सम्बन्धियों तथा घनिष्ट मित्रों से विरोध का सामना करना पड़ेगा। आपके शत्रु वर्ग उच्चाधिकार प्राप्त व्यक्ति भी होंगे तथा समाज में कई क्षेत्रों में आपके शत्रु या विरोधी विद्यमान रहेंगे। वे आपकी प्रसिद्धि को पसन्द नहीं करेंगे तथा आपकी वैभवशालीनता को देखकर मन में ईर्ष्या का भाव रखेंगे। साथ ही वे समाज में मान हानि तथा अन्य प्रकार से आर्थिक हानि करने के लिए तत्पर रहेंगे। परन्तु आप एक बुद्धिमान चतुर प्रतिभाशाली तथा ईमानदार व्यक्ति होंगे तथा अपने कार्यकलापों से शत्रु एवं विरोधी पक्ष को पराजित करने में समर्थ रहेंगे तथा अपनी समस्याओं तथा परेशानियों का समाधान करेंगे।

आप दीवानी तथा फौजदारी मुकद्दमों में भी लिप्त रहेंगे। इस कार्य को आपको चतुराई से करना चाहिए अन्यथा आर्थिक हानि की संभावना रहेगी। चूँकि आप अपने ही तरीके से किसी भी कार्य को क्रियान्वित करते है तथा दूसरों को इसमें कोई महत्व नहीं देंगे तथापि अन्त में आपको इनमें सफलता मिलेगी तथा ख्याति भी अर्जित करने में सफल रहेंगे। आपके सेवक अच्छे होंगे तथा आपकी ईमानदारी से सेवा करेंगे साथ ही आपके आज्ञाकारी भी होंगे लेकिन यदा कदा वे आपके व्यक्तिगत गुप्त रहस्यों को अन्य लोगों के समक्ष उजागर करेंगे जिससे आपकी मान सम्मान में न्यूनता आएगी। अतः सेवक वर्ग के सम्मुख व्यक्तिगत मतभेदों को गुप्त ही रखें क्योंकि वे उनकी प्रवृत्ति बातूनी होगी। साथ ही नौकरों की पहुँच से कीमती सामान भी दूर रखें।

कई बार आप भौतिक उपकरणों तथा आराम पर अनावश्यक रूप से अधिक व्यय कर देंगे फलतः आपको ऋण आदि लेना पड़ेगा। अतः ऐसी स्थितियों की आपको उपेक्षा करनी चाहिए। आपके मामा मामी तथा अन्य संबन्धी आपके लिए अनुकूल रहेंगे। आपकी मामी क्रोधी स्वभाव की होंगी तथा सामान्यतया अस्वस्थ रहेंगी। लेकिन मामा से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा आपको वे आवश्यकतानुसार इच्छित सहयोग प्रदान करेंगे। वृद्धावस्था में चिन्ता या रक्त चाप संबन्धी परेशानी भी हो सकती है अतः युवास्था से ही खान पान पर नियंत्रण रखना चाहिए।

Prerna Prasad

आपके जन्म समय में षष्ठ भाव में वृश्चिक राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आप अनावश्यक चिन्ताओं तथा उत्तेजनाओं से अपने स्वास्थ्य को प्रभावित करेंगी। साथ ही उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सीमित रूप से ही परिश्रम करना चाहिए क्योंकि क्षमता से अधिक कार्य करना आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा। सामान्य रूप से आप वात पितोत्पन्न जुकाम आदि से कष्ट प्राप्त करेंगी एवं वृद्धावस्था में श्वास आदि से कोई परेशानी भी हो सकती है। इसके साथ ही जोड़ों के दर्द से भी किंचित परेशानी की आपको

अनुभूति होगी। अतः स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहें।

मंगल एक तेजस्वी तथा उग्र ग्रह है अतः आपको कभी भी अनावश्यक रूप में अपने वार्तालाप में कठोर शब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिए तथा यत्नपूर्वक मधुर वाणी ही बोलनी चाहिए अन्यथा आपको कई प्रकार से समस्याओं का सामना करना पड़ेगा आपके उन्नति मार्ग में शत्रु हमेशा व्यवधान उत्पन्न करेंगे अतः आपका जीवन अत्यंत ही परिश्रम पूर्ण रहेगा। आप बन्धु मित्र एवं सरकारी अधिकारियों से शत्रुता या विरोध का सामना कर सकती हैं परन्तु अपनी चतुराई, बुद्धिमता तथा वाक्चातुर्य से शत्रुपक्ष या विरोधियों का दमन करने में समर्थ रहेंगी तथा आपकी परेशानियां भी दूर होंगी।

आपके अधिकाशं नौकर भी उग्र स्वभाव के होंगे तथा आपकी गुप्त बातों को वे अन्य जनों से कहकर आपके मान सम्मान में न्यूनता करेंगे। अतः आपको इन पर पूर्ण निगरानी रखनी चाहिए तथा उनके सामने कोई भी व्यक्तिगत वार्तालाप नहीं करना चाहिए। आप जीवन की खुशहाली पर अधिक व्यय करेंगी तथा इसी व्ययधिक्य के कारण आपकी आर्थिक स्थिति प्रभावित हो सकती है जिससे आपको ऋण आदि भी लेना पड़ सकता है अतः सोच समझकर ही व्यय करना चाहिए।

मुकद्दमेबाजी की आपको जीवन में यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए क्योंकि इससे आपको लाभ की अपेक्षा हानि ही होगी। साथ ही मामा मामी से भी आपको इच्छित सुख अल्प मात्रा में प्राप्त होगा तथापि आपको उनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। साथ ही आपको अधिक मिष्ठान की उपेक्षा करनी चाहिए जिससे आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

परिवार, विवाह एवं साझेदार

Mr.

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में कर्क राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी चन्द्रमा है तथा मंगल भी नीच राशि में सप्तम भाव में ही स्थित है। सामान्यतया कर्क राशि की सप्तम भाव में स्थिति से जातक सुशील चंचल बुद्धिमान एवं धनाढ्य होता है लेकिन नीचस्थ मंगल के प्रभाव से वह चिड़चिड़ा स्वार्थी तथा स्वाभिमानी प्रवृति का होता है एवं सहिष्णुता के भाव की न्यूनता रहती है।

अतः इसके प्रभाव से आपकी पत्नी सुशील स्वभाव की महिला होंगी तथापि उग्रता एवं चिड़चिड़ापन भी उनमें विद्यमान होगा। सांसारिक कार्यो को वह साहस एवं पराक्रम से सम्पन्न करेंगी तथा उनके साहसी कार्यो से अन्य लोग भी प्रभावित होंगे। नीचस्थ मंगल के प्रभाव से उनकी प्रवृति स्वार्थी होगी अतः समाज एवं परिवार के प्रति ईमानदारी से अपने कर्तव्य का पालन नहीं करेंगी।

आपकी पत्नी लालिमा लिए गौर वर्ण की महिला होंगी तथा उनका कद भी उन्नत होगा। शारीरिक संरचना उनकी दुबली पतली होगी परन्तु शरीर के अंग प्रत्यंग सुडौल एवं पुष्ट होंगे इससे उनके सौन्दर्य में वृद्धि होगी एवं व्यक्तित्व में आकर्षक होगा। सौन्दर्य को बनाएं रखने के लिए वह आधुनिक सौन्दर्य प्रसाधनों का भी प्रयोग करेंगी तथा भौतिकता के प्रति भी आकर्षण होंगा। कर्क राशि के प्रभाव से वह कला एवं संगीत में रूचिशील होंगी एवं सुंदर एवं कलात्मक वस्तुओं के प्रति मन में लगाव होगा तथा उनके संग्रह में तत्पर रहेगी।

सप्तम भाव में मंगल के प्रभाव से आपके विवाह में विलम्ब होगा एवं विवाह पूर्व भी वार्ताओं में गतिरोध आएंगे। आपका विवाह बंधु या संबंधियों के माध्यम से सम्पन्न होगा। विवाह के बाद आपका दाम्पत्य जीवन सामान्य सुखी रहेगा।

आपका विवाह किसी समृद्ध एवं शिक्षित परिवार में होगा तथा विवाह में आपको प्रचुर मात्रा में दहेज के रूप में धन सम्पति की प्राप्ति होगी। साथ ही अन्यत्र से भी उपहार स्वरूप बहुमूल्य वस्तुएं एवं उपकरण प्राप्त होंगे विवाह के बाद सास ससुर से आपके विशेष मधुर संबंध नहीं रहेंगे परन्तु औपचारिकता बनी रहेगी फलतः समयानुसार एक दूसरे के प्रति अपनी सदाशयता के परिचय देंगे।

सास ससुर के प्रति आपकी पत्नी का विशेष सेवा भाव नहीं होगा तथा सुख दुख में उनकी यथोचित सेवा नहीं करेंगी। देवर एवं ननद भी उनकी उग्रता तथा चिड़चिड़ेपन से अप्रसन्न होंगे तथा उन्हें किसी भी प्रकार का सम्मान एवं सहयोग प्रदान नहीं करेंगे।

व्यापार या महत्वपूर्ण कार्यो में साझेदारी के लिए स्थिति प्रतिकूल रहेगी तथा इससे लाभ की अपेक्षा हानि ही होगी। अतः साझेदारी के कार्यो की जीवन में यत्नपूर्वक उपेक्षा ही करनी चाहिए।

Prerna Prasad

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में धनु राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है तथा चन्द्रमा भी सप्तम भाव में स्थित है। सामान्यतया सप्तम भाव में धनु राशि की स्थिति से जातक का सहयोगी पुष्ट शरीर वाला बुद्धिमान एवं कार्य कुशल होता है। जलतत्व युक्त चन्द्रमा के प्रभाव से वह सहिष्णु शिक्षित एवं परोपकारी वृति का होता है।

अतः इसके प्रभाव से आपके पति सुशिक्षित बुद्धिमान गुणवान एवं सहिष्णु स्वभाव के व्यक्ति होंगे तथा अपने संभाषण में मधुर शब्दों का प्रयोग करेंगे। सांसारिक कार्य करने में वह कुशल होंगे एवं अपने उत्तम कार्य कलापों से सबको प्रसन्न रखेंगे चन्द्रमा जैसे सौम्य ग्रह के प्रभाव से कर्तव्य परायणता एवं परोपकार का भाव भी उनमें विद्यमान होगा।

आपके पति गौरवर्ण के सुन्दर एवं आकर्षक व्यक्ति होंगे तथा उनका कद मध्यम रहेगा। उनका शरीर स्वस्थ सुडौल एवं पुष्ट रहेगा जिससे उनके आकर्षण में वृद्धि होगी। उनकी शारीरिक संरचना भी आकर्षक रहेगी लेकिन आयु के साथ साथ इसमें स्थूलता आ सकती है क्योंकि चन्द्रमा जलीय ग्रह है अतः इस पर प्रारंभ से ही नियंत्रण रखना चाहिए। कला एवं संगीत के प्रति भी उनकी रूचि रहेगी एवं सुंदर वस्तुओं के लिए मन में प्रबल आकर्षण होगा एवं उनका संग्रह करने में तत्पर रहेंगे।

सप्तम भाव में चन्द्रमा के प्रभाव से आपका विवाह किसी संबंधी के माध्यम से होगा इसमें भी महिला संबंधी का विशेष योगदान हो सकता है। विवाह के बाद आपका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम एवं समर्पण का भाव होगा जिससे सुख दुख में एक दूसरे का पूर्ण ध्यान रखेंगे तथा महत्वपूर्ण योजनाओं तथा कार्यो को आपसी सहमति एवं सहयोग से सम्पन्न करेंगे।

आपका विवाह अच्छे परिवार में होगा तथा अपने क्षेत्र में वे लोग प्रभावशाली होंगे साथ ही आर्थिक स्तर भी उन्नत रहेगा। सास ससुर से आपके अच्छे संबंध रहेंगे तथा उनसे नैतिक सहयोग मिलता रहेगा। साथ ही वे भी आपको पुत्रीवत स्नेह प्रदान करेंगे।

सास ससुर के प्रति आपके पति के मन में सेवा एवं श्रद्धा की भावना होगी तथा सुख दुख में उनका पूर्ण ध्यान रखेंगे एवं अपनी ओर से किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होने देगे साले एवं सालियों को भी वह अपने सद्व्यवहार एवं मधुर वाणी से प्रभावित रखेंगे तथा वे भी उनको यथोचित सम्मान एवं सहयोग प्रदान करेंगे।

व्यापार या अन्य किसी योजना में सफलता एवं लाभ के लिए साझेदारी अनुकूल रहेगी एवं इसमें उन्नति मार्ग प्रशस्त होंगे। साथ ही माता या मातृपक्ष से साझेदारी विशेष उन्नति एवं लाभदायक रहेगी।

आयु, दुर्घटना एवं बीमा

Mr.

आपके जन्म समय में अष्टम भाव में सिंह राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी सूर्य है। अतः इसके प्रभाव से आप आध्यात्म या ज्योतिष आदि विषयों में श्रद्धा रखेंगे तथा यत्नपूर्वक इसका ज्ञान अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही इन विषयों में शोध कार्य करने के लिए भी तत्पर होंगे फलतः इस क्षेत्र में आपको विशिष्ट ख्याति तथा सफलता प्राप्त होगी एवं आपका अधिक से अधिक समय इस पर व्यतीत होगा। आपके पास अपनी सम्पत्ति रहेगी तथा पैतृक सम्पत्ति भी प्राप्त होगी। अतः आपके पास विस्तृत भूमि तथा कई आवास स्थल हो सकते हैं। साथ ही जमीन जायदाद संबन्धी कार्य से आपको प्रचुर मात्रा में लाभ भी हो सकता है। इस प्रकार चल अचल सम्पत्ति के स्वामी होकर समाज में आप आदरणीय समझें जाएंगे।

यद्यपि शादी के समय स्वयं किसी प्रकार के दहेज की मांग नहीं करेंगे परन्तु आपके ससुराल के लोग आपसे अत्यंत प्रभावित रहेंगे तथा आपको कुछ न कुछ धन उपहार स्वरूप आभूषण आदि अन्य बहुमूल्य वस्तुएं भेंट करेंगे जो आप मना नहीं कर पाएंगे। यह दहेज आपके दाम्पत्य जीवन के लिए काफी लाभदायक सिद्ध होगा। साथ ही बीमा आदि से भी आपको समय समय पर न्यूनाधिक मात्रा में लाभ होता रहेगा। अतः आप अपना तथा अपनी बहुमूल्य वस्तुओं का बीमा कर सकते हैं। यह बीमा आपका सुरक्षित पूंजी निवेश होगा तथा इससे आपको उचित लाभ मिलेगा। आपकी कुंडली में कोई विशेष चोरी या दुर्घटना का योग नहीं है लेकिन यदि कोई ऐसी घटना होती है तो उससे कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इसके साथ ही आपकी आयु उत्तम रहेगी तथा सुख पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

Prerna Prasad

आपके जन्म समय में अष्टम भाव में मकर राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। अतः इसके प्रभाव से आप व्यावहारिक तथा आधुनिक विचार धारा की महिला होंगी फलतः अध्यात्म, ज्यौतिष या तंत्र मंत्र आदि के प्रति आपकी कोई विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा जीवन में अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को स्वपराक्रम एवं परिश्रम से सम्पन्न करेंगी। अतः आप काफी व्यस्त रहेगी तथा मित्रों के कहने पर भी उपरोक्त विषयों के प्रति आपके मन में कोई रूचि उत्पन्न नहीं होगी। आपको प्रचुर मात्रा में पैतृक सम्पत्ति की प्राप्ति होगी तथा शनैः शनै इसका विस्तार करने में समर्थ रहेंगी। इस प्रकार अपनी मेहनत एवं कार्यकौशल से आप एक धनवान महिला कहलाएंगी। लेकिन जीवन में जुए या सट्टे आदि की आपको यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

आपका दाम्पत्य जीवन सामान्यतया अच्छा रहेगा तथा आवश्यक सुख सुविधाओं का उपभोग करने में समर्थ रहेंगी। साथ ही ससुराल भी आर्थिक दृष्टि से सम्पन्न रहेगा। बीमा आदि करने से भी आपको लाभ होगा अतः मकान गाड़ी या अन्य वस्तुओं का आपको बीमा

अवश्य कराना चाहिए। यद्यपि इनमें आपको हानि अधिक नहीं होगी परन्तु बीमे से प्रचुर मात्रा में धन प्राप्त हो जाएगा। जीवन में आपकी कुंडली के अनुसार कोई चोरी या दुर्घटना का योग नहीं बनता है तथापि इनके प्रति आपको आवश्यक रूप से सतर्कता का पालन करना चाहिए। आपकी प्रवृत्ति काफी सजग रहेगी फलतः परेशानियों से सुरक्षित रहेंगी। आपकी आयु भी अच्छी होगी तथा सामान्यतया आपका सांसारिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

प्रसिद्धि, पूजा, उच्चशिक्षा एवं लम्बी यात्राएं

Mr.

आपके जन्म समय में नवम भाव में कन्या राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। अतः इसके प्रभाव से आप एक आदर्श एवं दयालु प्रवृति के व्यक्ति होंगे तथा पारिवारिक परम्पराओं एवं रीति रिवाजों का पालन करेंगे। साथ ही ईश्वर के प्रति आपके मन में पूर्ण विश्वास रहेगा। धार्मिक प्रवृतियों का भी अनुपालन करेंगे तथा इसी परिपेक्ष्य में मन्दिर या तीर्थ स्थानों में जाएंगे। आप उपवास आदि भी समय समय पर सम्पन्न करेंगे। धर्म गुरूओं एवं महात्माओं का आप हार्दिक सत्कार करेंगे तथा धार्मिक ग्रन्थों का अध्ययन करने में भी तत्पर रहेंगे।

आपकी अन्तर्प्रज्ञा शक्ति प्रबल रहेगी। अतः भविष्य वाणियां करने में भी आप समर्थ हो सकते हैं। आप आध्यात्मिक प्रवृति के व्यक्ति होंगे तथा अवसरानुकूल तीर्थ स्थानों की यात्रा के लिए तत्पर रहेंगे। आध्यात्मिक उद्देश्य के लिए आप सामूहिक रूप से लोगों को संबोधित करेंगे तथा इसमें आपको आनन्द की प्राप्ति होगी। साथ ही भजन कीर्तन या अन्य कार्यकलापों को भी सम्पन्न करेंगे।आपकी व्यक्तिगत कार्यो की सिद्धि तथा इच्छित लाभार्जन के लिए लम्बी दूरी की यात्राएं सम्पन्न होंगी तथा अपने धर्म के पवित्र ग्रंथों का भी अध्ययन करेंगे। आपकी प्रवृति उदार रहेगी तथा दीन दुःखियों की सेवा कार्य करने में तत्पर रहेंगे तथा दान आदि कार्य भी सम्पन्न करेंगे परन्तु ये सब कार्य आप धन की अपेक्षा तन मन से करना अधिक पंसद करेंगे। आपको पौत्र सुख प्राप्त होगा तथा वे आपको अपना पूर्ण सहयोग तथा सुख प्रदान करेंगे। इसके साथ ही अपना दैनिक पूजन नित्य सम्पन्न करेंगे तथा मध्यआयु में आपको मानसिक सन्तुष्टि प्राप्त होगी। पूजा या ध्यान करने से आपको शान्ति एवं प्रसन्नता की प्राप्ति होगी तथा जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

Prerna Prasad

आपके जन्म समय में नवम भाव में कुम्भ राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। अतः इसके प्रभाव से आप एक धार्मिक प्रवृति की महिला होंगी तथा धार्मिक साहित्य का रूचिपूर्वक अध्ययन करेंगी साथ ही उच्च शिक्षा प्राप्ति के लिए भी हमेशा रूचि तथा प्रयत्नशील रहेंगी। आप किसी विशिष्ट सिद्धि या उपलब्धि को अर्जित करने के लिए जीवन में सर्वदा यत्नशील रहेंगी जिसके द्वारा आपको समाज में मान सम्मान धन एवं ख्याति अर्जित होगी इसके साथ ही ज्यौतिष या तंत्र मंत्र के प्रति आपकी श्रद्धा रहेगी तथा आपको इसका न्यूनाधिक ज्ञान अवश्य रहेगा।

ईश्वर के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा तथा विश्वास रहेगा अतः कई बार आप कार्य की अपेक्षा भाग्य को अधिक महत्व प्रदान करेंगी। आपके विचार से भाग्य की प्रबलता के बिना कोई भी सफलता असंभव सी है तथा सौभाग्य से ही मनुष्य जीवन में विशिष्ट सफलताएं अर्जित कर सकता है। साथ ही अपने इष्टदेव की नियमित पूजा करेंगी तथा परिवार में समय

समय पर धार्मिक अनुष्ठानों को सम्पन्न करती रहेंगी। आपके विचार में ऐसा करने से बच्चों के संस्कारों में वृद्धि होती है। इसके अतिरिक्त समय समय पर तीर्थ यात्राएं भी करेंगी तथा साधु महात्माओं की संगति से आपको प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि प्राप्त होगी।

आपकी व्यावसायिक तथा आनन्ददायक लम्बी दूरी की यात्राएं सम्पन्न होंगी तथा इनसे आपको काफी ज्ञानार्जन भी होगा। साथ ही आतिथ्यभाव भी आप में विद्यमान रहेगा। पौत्रों से भी आपको इच्छित सुख प्राप्त होगा। वास्तव में आप इस जीवन में जो भी आनंद या उपलब्धि अर्जित करती है वह पूर्व जन्म के पुण्यों का ही प्रभाव है। इसके अतिरिक्त दैवी कृपा से धनार्जन करेंगी तथा रास्ता, बगीचा या तालाब तथा मन्दिर आदि परोपकार संबंधी कार्यो को करने में भी तत्पर रहेंगी। इस प्रकार आपका सांसारिक जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

व्यवसाय, पिता एवं सामाजिक स्तर

Mr.

आपके जन्म समय में दशमभाव में तुला राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। साथ ही राहु भी दशम भाव में ही स्थित है। तुला राशि एवं राहु दोनों वायुतत्व युक्त है। अतः इनके प्रभाव से आपका कार्य क्षेत्र बौद्धिक एवं मानसिक क्रिया प्रधान होगा एवं श्रमसाध्य के भाव की इसमें न्यूनता रहेगी। साथ ही कार्य क्षेत्र में आप सतत उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होंगे एवं इसमें आपको वांछित सफलता भी मिलेगी। आप किसी स्वतंत्र कार्य या व्यवसाय को करना विशेष उत्तम समझेंगे तथा इसमें आपकी इच्छा पूर्ण भी हो सकती है।

दशम भाव में तुलाराशिस्थ राहू के प्रभाव से आपके लिए आजीविका संबंधी क्षेत्र वायु सेना, एयरलाइंस, इलैक्ट्रोनिक्स विभाग या कम्पयूटर से संबधित कार्य, भारी उद्योग एवं फैक्टरी कर्मचारी पैट्रोलियम एवं खनिज विभाग, खान विभाग, राजनीति आदि उत्तम एवं अनुकूल रहेंगे। इन क्षेत्रों या विभागो में कार्य करने से आपको वांछित उन्नति एवं सफलता की प्राप्ति होगी तथा उन्नति के क्षेत्र में आपको अनावश्यक समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना नहीं करना पड़ेगा। अतः आपको यत्नपूर्वक उपरोक्त विभागों या क्षेत्रों में ही अपनी आजीविका का चयन करना चाहिए।

व्यापारिक दृष्टि से आपके लिए लोहे का कार्य फैक्टरी, भारी उद्य ोग, एयरट्रेवल एजेंसी, पट्रोल पम्प, शराब का व्यापार, वस्त्रों का आयात निर्यात, वाहन संबंधी क्रय विक्रय तथा मोटे खाद्यान्नो के व्यापार से इच्छित धन एवं लाभ की प्राप्ति होगी तथा उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। अतः यत्नपूर्वक उपरोक्त क्षेत्रों में ही व्यापार प्रारंभ करना चाहिए।

राहू की दशम स्थिति के प्रभाव से मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा से युक्त होंगे तथा स्वपरिश्रम एवं योग्यता से किसी उच्चाधिकार प्राप्त पद को भी प्राप्त करेंगे। समाज में आप एक प्रभावशाली व्यक्ति होंगे तथा सभी लोग आप के प्रभाव को स्वीकार करेंगे तथा यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। आप किसी सामाजिक संस्था या क्लब आदि के भी सम्मानित सदस्य या पदाधिकारी हो सकते हैं। लेकिन उपरोक्त मान सम्मान एवं यश आपको विलंब से प्राप्त होगा अतः इससे आपको हतोत्साहित नहीं होना चाहिए तथा परिश्रम पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करना चाहिए।

आपके पिता तेजस्वी पराक्रमी एवं शिक्षित व्यक्ति होंगे तथा उनका व्यक्तित्व भी आकर्षक होगा। साथ ही पाश्चात्य संस्कृति के प्रति उनके मन में विशेष आकर्षण होगा एवं समाज में वे आदरणीय व्यक्ति माने जाएंगे। आपके प्रति उनके मन में पूर्ण वात्सल्य का भाव होगा तथा उच्च शिक्षा का वे उच्च स्तर पर प्रबंध करेंगे तथा आपको एक आदर्श एवं योग्य व्यक्ति बनाने में तत्पर होंगे। आपके कार्यक्षेत्र में उन्नति तथा सफलता में उनका विशेष योगदान होगा। आप भी अपने परिश्रम एवं योग्यता से प्रगति के मार्ग पर अग्रसर होंगे तथा पिता के मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि करेंगे। लेकिन राहु के प्रभाव से आपसी संबंधों में मधुरता

कम ही रहेगी तथा सैद्धान्तिक एवं वैचारिक मतभेद बने रहेंगे। इसके अतिरिक्त सांसारिक महत्व के कार्यो में भी एक दूसरे की सलाह एवं सहयोग कम ही लेंगे। अतः ऐसी स्थितियों की उपेक्षा करनी चाहिए तथा आपस में सामंजस्य स्थापित करना चाहिए।

Prerna Prasad

आपके जन्म समय में दशम भाव में मीन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। साथ ही शनि भी दशम भाव में ही स्थित है। मीन राशि जलतत्व एवं शनि ग्रह वायुतत्व युक्त है। अतः इसके प्रभाव से आपका कार्यक्षेत्र श्रमसाध्य होने के साथ साथ बौद्धिक क्रिया युक्त भी होगा एवं इसमें आप समय समय पर वांछित परिवर्तन भी करते रहेंगी लेकिन इन परिवर्तनों से आपको लाभ ही होगा।

आजीविका की दृष्टि से आपके लिए वायु या जलसेना, जहाजरानी निगम, खनिज एवं खान विभाग, पेट्रोलियम भारी उद्योग के कर्मचारी, संदेश वाहक या दूत कार्य राजनीति एवं प्रशासकीय विभाग में उचित एवं अनुकूल रहेगी। यदि आप उपरोक्त क्षेत्रों या विभागों में कार्यारम्भ करेंगी तो आपको इनमें वांछित सफलता की प्राप्ति होगी तथा उन्नति के मार्ग भी प्रशस्त होंगे। साथ ही ऐसे क्षेत्रों में कार्य करने से आप इच्छित उन्नति के शिखर पर पहुंचने में समर्थ होंगी। अतः आपको यत्न पूर्वक इन्हीं क्षेत्रों में अपनी आजीविका का प्रारंभ करना चाहिए।

व्यापारिक क्षेत्र में आपको लोहे का व्यापार, प्रेस, भारी उद्योग, फैक्टरी, पेट्रोल पम्प एवं शराब का व्यापार तथा खेती बागवानी आदि के कार्यो से इच्छित लाभ होगा। साथ ही राजनीति के क्षेत्र में भी आप शीध्र एवं वांछित उन्नति करने में समर्थ होंगी। अतः यदि आप उपरोक्त क्षेत्रों में ही व्यापार को प्रारंभ करें जिससे आप व्यापारिक क्षेत्र में नवीन आयाम स्थापित करने में समर्थ होंगी तथा अपने उच्चस्तर को बनाए रखने में भी सफल होंगी।

शनि की बृहस्पति की राशि में दशम भाव में स्थिति के प्रभाव से जीवन में आपको वांछित मान सम्मान तथा उच्चपद की प्राप्ति होगी। साथ ही सामाजिक मान प्रतिष्ठा एवं यश भी अर्जित करेंगी जिससे समाज में आपके प्रभाव में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आप किसी सामाजिक धार्मिक संस्था या क्लब आदि में भी किसी पदाधिकारी के रूप में मनोनीत हो सकती है। शनि के प्रभाव से यद्यपि प्रतिष्ठा एवं उच्चपद की प्राप्ति किंचित विलम्ब से होगी लेकिन इससे आपको निराश नहीं होना चाहिए तथा परिश्रम एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करने में तत्पर रहना चाहिए।

आपके पिता तेजस्वी बुद्धिमान धैर्यवान एवं आकर्षक व्यक्तित्व के व्यक्ति होंगे तथा अन्य जनों पर अपना प्रभाव स्थापित करने में समर्थ होंगे। साथ ही अन्य जनों के कल्याणकारी कार्यो में भी वे तत्पर रहेंगे। आपके प्रति उनके मन में पूर्ण स्नेह तथा वात्सल्य की प्रबलता होगी तथा आपकी शिक्षा दीक्षा का उच्चस्तर पर प्रबंध करेंगे इससे कार्यक्षेत्र में आपको शीध्र उन्नति एवं सफलता अर्जित होगी तथा पिता के प्रभाव से आपको कार्य क्षेत्र में प्रभाव तथा प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। आपके परस्पर संबंध सामान्यतया अनुकूल रहेंगे। पिता के प्रति आपका

सम्मान तथा आज्ञाकारिता का भाव होगा परन्तु शनि के प्रभाव से यदा कदा सैद्धान्तिक एवं वैचारिक मतभेद उत्पन्न हो सकती है लेकिन इसका प्रभाव क्षणिक होगा तथा संबंधों में अनुकूलता बनी रहेगी।

लाभ, मित्र, समाज एवं ज्येष्ठ भ्राता

Mr.

आपके जन्म समय में एकादश भाव में वृश्चिक राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आप की प्रवृति किसी भी क्षेत्र में अन्त तक संघर्ष करने की रहेगी जब तक की आपको इच्छित सफलता की प्राप्ति न हो जाये। आप अपनी इसी संघर्षशील प्रवृति तथा पराक्रम से जीवन में अधिकांशरूप से अपनी इच्छाओं एवं आकांक्षाओं को पूर्ण करने में समर्थ रहेंगे इस प्रकार आप स्वपराक्रम एवं योग्यता से ही जीवन में उन्नति करेंगे तथा किसी अन्य के सहयोग की अल्पता रहेगी।

आर्थिक क्षेत्र में प्रगति करने के लिए आप सौभाग्यशाली रहेंगे। आप होटल व्यवसाय, सोने सुनारी का व्यवसाय अथवा भाइयों के द्वारा जीवन में लाभ अर्जित कर सकते है। इनसे आपके आय स्रोतों में वृद्धि होगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करके धनऐश्वर्य से सम्पन्न रहेंगे। बड़े भाइयों का आपको पूर्ण स्नेह प्राप्त होगा तथा जीवन में समय समय पर वे आर्थिक तथा अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान करते रहेंगे ।

आप पराक्रमी, सक्रिय, बुद्धिमान एवं शिक्षित लोगों को अपना मित्र बनाना पसन्द करेंगे। यद्यपि आपकी प्रवृति स्वच्छन्द रहेंगी तथापि अन्य जनों के साथ मिल कर कार्य करना पसन्द करेंगे। आपका सामाजिक स्तर भी उच्च रहेगा तथा अपने क्षेत्र या समाज में एक प्रतिष्ठित पुरूष होंगे तथा सभी लोग आपको उचित मान सम्मान प्रदान करेंगे। इसके साथ ही अन्य जनों की सेवा तथा परोपकार संबंधी कार्यो को सम्पन्न करने में भी तन मन धन से अपना योगदान प्रदान करेंगे। लेकिन मूलतः व्यापारी वर्ग से आपको विशेष सामाजिक संबध बने रहेंगे। इस प्रकार आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

Prerna Prasad

आपके जन्म समय में एकादश भाव में मेष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आप एक महत्वाकांक्षी महिला होंगी तथा मन में इच्छाओं की बहुलता रहेगी। साथ ही इनकी पूर्ति अपने पराक्रम एवं परिश्रम के द्वारा अधिकाशं मात्रा में करने में सफल रहेंगी। आप में संगठनात्मक शक्ति विद्यमान रहेंगी तथा अन्य लोगों को नियंत्रित तथा संगठित करके उनसे कार्य करवाने में समर्थ रहेंगी। अतः आप प्रबन्धक, प्रशासनिक या रक्षा संबन्धी विभागों में कार्यरत हो सकती है अथवा जीवन में इनसे आपको प्रचुर मात्रा में लाभ एवं धनार्जन होगा। यदि आप कार्यरत नहीं है तो उपरोक्त योग आपके पति पर घटित होंगे। अतः आपके आय स्रोतों में वृद्धि होगी तथा आर्थिक समृद्धि बनी रहेगी। साथ ही होटल आदि के व्यवसाय से आपको विशिष्ट लाभ की प्राप्ति होगी। बड़े भाईयों से जीवन में आपको यथोचित सहयोग प्राप्त होगा तथा अपने स्नेह युक्त व्यवहार से आपको प्रसन्न रखेंगे तथा आप भी उनका पूर्ण मान सम्मान करेंगी।

आप अच्छी एवं अधिक मित्र मंडली को पसन्द करेंगी तथा आपके सभी मित्र उत्साही पराक्रमी निडर तथा शिक्षित रहेंगे। यद्यपि आप स्वछन्द प्रवृत्ति की महिला होंगी तथापि अन्य जनों के साथ कार्य करने में आपको प्रसन्नता की अनुभूति होगी। आप एक सामाजिक महिला होगी तथा क्षेत्र या समाज के सभी लोगों से आपके सम्पर्क रहेंगे तथा उनकी सेवा एवं भलाई करने के लिए आप हमेशा रूचिशील रहेंगी फलतः समाज या क्षेत्र में विख्यात रहेंगी एवं जीवन में स्वपराक्रम से किसी विशिष्ट सामाजिक सम्मान को अर्जित करने में समर्थ रहेंगी परन्तु यदा कदा बाएं कान की परेशानी से कष्ट प्राप्त होगा। लेकिन आपका सामान्य जीवन सुखऐश्वर्य से युक्त होकर प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

विदेश यात्रा, हानि, बन्धन एवं कर्ज

Mr.

आपके जन्म समय में द्वादश भाव में धनुराशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से आप जीवन में नाम, मान, सम्मान ख्याति तथा धन अर्जित करने के लिए सर्वदा इच्छुक रहेंगे। इसके लिए चाहे आपको कितना ही परिश्रम एवं संघर्ष क्यों न करना पड़े लेकिन आप निरन्तर अपने उद्देश्य की प्राप्ति की ओर अग्रसर रहेंगे तथा इसमें आप किसी भी अवसर को हाथ से नहीं जाने देंगे। आप धन के महत्व को जानेंगे अतः इसका अत्यंत सावधानी एवं बुद्धिमता पूर्वक उपयोग करेंगे। साथ ही धन के विषय में आप कोई भी खतरा उठाना पसन्द नहीं करेंगे। अर्जित धन से भविष्य में लाभ किस प्रकार प्राप्त किया जाता है इसको भी आप अच्छी तरह जानते है अतः इसका सदुपयोग किसी आदर्श कार्य या बड़ी कम्पनी में पूंजीनिवेश के रूप में करेंगे साथ ही जायदाद संबंधी क्रय विक्रय पर भी व्यय कर सकते है आपकी प्रवृति धार्मिक होगी। अतः धार्मिक कार्य कलापों दान तथा दीन जनों की भलाई पर भी समय समय पर व्यय होता रहेगा। आप मध्यम अवस्था में धनवान बनेंगे तथा सर्वत्र आपके लाभ मार्ग प्रशस्त होंगे। साथ ही अपनी दानशीलता तथा दयालुता के कारण भी आपको प्रसिद्धि प्राप्त होगी यदा कदा आवास की साज सज्जा तथा अन्य भौतिक उपकरणों पर भी व्यय करेंगे।

आपकी दूर समीप की यात्राएं होती रहेंगी तथा इनमें व्यय के साथ आपको लाभ या सम्मान भी प्राप्त होगा। आप व्यापारिक या अन्य कार्यो से विदेश संबंधी यात्रा भी करेंगे जिससे आपको यथोचित लाभ प्राप्त होगा। इस प्रकार आप सामान्यतया सुखी ही रहेंगे।

Prerna Prasad

आपके जन्म समय में द्वादश भाव में वृष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है अतः इसके प्रभाव से आपका जीवन सामान्यतया परिवर्तनशील रहेगा तथा सुखऐश्वर्य से युक्त होकर अपना जीवन व्यतीत करेंगी। आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा विभिन्न स्रोंतो से आपका धनार्जन होगा लेकिन आपकी प्रवृति व्ययशील रहेगी तथा धन को आप उन्मुक्त रूप से व्यय करेंगी। पारिवारिक जनों के स्तर खान-पान रहन सहन वस्त्रादि पर भी आपका व्यय अधिक होगा तथा भौतिक विलासमय साधनों पर भी आप दिल खोलकर व्यय करेंगी। साथ ही किसी ख्याति प्राप्त कम्पनी में पूंजी निवेश पर भी व्यय करेंगी जिससे भविष्य में आपको प्रचुर मात्रा में लाभ होगा ।

भौतिक उपकरणों से आपका घर सुसज्जित रहेगा तथा इससे आपको हार्दिक प्रसन्नता एवं आनंद की अनुभूति होगी। आपकी जीवन में समय समय पर तीर्थ यात्राएं भी होती रहेगी तथा दूर समीप की यात्राएं भी सम्पन्न होगी। आपकी सामान्य यात्राएं व्यापार या कार्य क्षेत्र से संबंधित रहेगी। साथ ही भ्रमण या पर्यटन स्थलों की भी सैर करने की उत्सुक होंगी। यात्राओं में आप सक्रिय रहेंगी फलतः इससे उचित मात्रा में लाभ एवं सम्मान प्राप्त होगा।

आपकी विदेश संबंधी यात्रा भी सम्पन्न होगी एवं इससे आपका भविष्य उज्जवल होगा। साथ ही काफी समय तक विदेश में प्रवास भी कर सकती है। इससे खुशहाली, ऐश्वर्य एवं वैभव से युक्त होकर अपना जीवन व्यतीत करेंगी।

दशा विश्लेषण

Mr.

महादशा :- राहु
(04/09/2013 - 05/09/2031)

राहु की अन्तर्दशा 04/09/2013 को आरम्भ और 05/09/2031 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 18 वर्ष है। आपकी जन्मकुण्डली में राहु-दशम भाव में स्थित है। राहु की दृष्टि-चतुर्थ भाव पर है। इसके पूर्व आपकी सात वर्ष की मंगल दशा चल रही थी। मंगल के कारण आपको अचल सम्पत्ति की प्राप्ति, हर प्रकार का लाभ तथा महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी। राहु की इस दशा में आपकी प्रगति, जीविका में उन्नति होगी, यश और ख्याति की प्राप्ति तथा तीर्थस्थलों की यात्रा होगी।

स्वास्थ्य :

इस दशा के दौरान आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आप में शक्ति होगी और आप शक्तिशाली तथा सक्रिय होंगे। मौसम में परिवर्तन के कारण ज्वर, विषाणुज्न्य संक्रामक रोग, रक्त संचार की समस्याएं, वातजन्य रोग, निचली भुजाओं की समस्या, चर्मरोग आदि हो सकते हैं। कुछ सावधानी बरत कर इनमें से अधिकांश से बचा जा सकता है।

अर्थ और व्यवसाय :

इस दशा के दौरान आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। व्यापार-व्यवसाय में अच्छी कमाई होगी। सट्टे में अच्छा लाभ मिलेगा। पिता से कुछ लाभ मिलेगा। आपका बैंक बैलैंस सन्तोषजनक रहेगा। जीविका तथा व्यवसाय के लिए विधि, उड्डयन, वैमानिकी, कला, अन्तरिक्ष अनुसन्धान, कम्प्यूटर, खाद्यान्न से संबंधित सेवा आदि का चयन कर सकते हैं। कपड़ा, रत्न, दवा, चमड़ा, एण्टीबायोटिक दवा, प्लास्टिक, रबड़ तथा भोजन से संबंधित व्यापार लाभदायक होगा। सेवारत लोगों को लाभ, पदोन्नति, सहकर्मियों तथा वरिष्ठ अधिकारियों से सद्व्यवहार और कार्य स्थान में स्थिति अनुकूल होगी। व्यवसाय तथा व्यापार से जुड़े लोगों की अच्छी आय तथा लाभ में वृद्धि होगी। इस दशा के दौरान आपकी जीवन वृत्ति में उन्नति होगी। आपको यश तथा ख्याति की प्राप्ति होगी और आप मानवीयता के कार्य करेंगे।

वाहन, यात्रा, जमीन-जायदाद :

इस दशा के दौरान आपको सुख आराम मिलेगा। मंगल की अन्तर्दशा में आपको अचल सम्पत्ति, जमीन-जायदाद और वाहन का सुख मिलेगा। गुरु की अन्तर्दशा में छोटी तथा दूर की यात्रा होगी।

शिक्षा :

आपकी शिक्षा उत्तम होगी। आप सभी परीक्षाओं और प्रतियोगिताओं में अच्छा करेंगे। विज्ञान, कला, कम्प्यूटर विज्ञान, वाणिज्य-व्यापार, भोजन, प्रोद्योगिकी आदि में आपकी रुचि हो सकती है। आपकी इच्छा शक्ति मजबूत है और आप स्वभाव से स्वतंत्र हैं तथा

मौलिकता और मानसिकता से सम्बद्ध सभी विषयों में अच्छा करेंगे।

परिवार :

परिवार के साथ आपका संबंध मधुर रहेगा। आपके बच्चे अच्छा करेंगे और आपको उनसे आनन्द मिलेगा। आपके जीवनसाथी को अचल सम्पत्ति की प्राप्ति, जीविकोपार्जन में प्रगति, सम्पत्ति तथा सुख की प्राप्ति होगी। आपकी माता की यात्रा तथा साझेदार से लाभ मिलेगा, किन्तु, उन्हें स्वास्थ्य के प्रति सावधान रहना होगा। आपके पिता को लाभ, बचत तथा सुख की प्राप्ति होगी। आपके छोटे भाई-बहनों को अचानक लाभ तथा परिवर्तन होगा। आपके बड़े भाई-बहनों की यात्रा, व्यय तथा मामूली स्वास्थ्य-समस्याएं हो सकती हैं।

अन्तर्दशा :

राहु की महादशा में राहु की अन्तर्दशा के फलस्वरूप आपके जीविकोपार्जन में उन्नति तथा यात्रा होगी और आपको सुख मिलेगा। गुरु की अन्तर्दशा के कारण यात्रा, व्यय और धार्मिक कार्यों की ओर झुकाव होगा। शनि की अन्तर्दशा में आपको यश ख्याति, कार्यों में सफलता तथा सम्पत्ति की प्राप्ति होगी। बुध की अन्तर्दशा में सम्पत्ति तथा समृद्धि की प्राप्ति, प्रतिद्वद्वियों पर विजय और यात्रा होगी जबकि केतु की अन्तर्दशा कुछ समस्या उत्पन्न कर सकती है। शुक्र की अन्तर्दशा के दौरान आपको यश, ख्याति, सफलता, सुख तथा जीवन-वृत्ति में प्रगति होगी। सूर्य के कारण कुछ परिवर्तन हो सकता है जबकि चन्द्र की अन्तर्दशा में साझेदारों से लाभ होगा और शादी तथा यात्रा होगी। मंगल की अन्तर्दशा में सम्पत्ति, हर प्रकार का लाभ तथा जमीन-जायदाद में वृद्धि होगी।

Prerna Prasad

महादशा :- मंगल
(05/04/2020 - 06/04/2027)

मंगल की महादशा 05/04/2020 को आरम्भ और 06/04/2027 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 7 वर्ष होगी। आपकी जन्मकुण्डली में मंगल चतुर्थ भाव में स्थित हैं। दशम, एकादश तथा सप्तम भाव पर मंगल की दृष्टि है। इसके पूर्व आपकी 10 वर्ष की चन्द्रदशा चल रही थी। सप्तमेश चन्द्र के फलस्वरूप आपको साझेदारी में लाभ हुआ होगा, यात्रा और सुखों की प्राप्ति हुई होगी। इस दशा के दौरान आपको सुख और अधिक परिश्रम किए बगैर धन की प्राप्ति होगी, माता से लाभ मिलेगा और जीवन में प्रगति होगी।

स्वास्थ्य :

इस दशा के दौरान आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आपको जीवन शक्ति, उत्साह और बल प्राप्त होगा। आपको ताप सम्बन्धी बीमारियाँ, बुखार, सरदर्द, संक्रामक रोग या हृदय गति में हल्की गड़बड़ी हो सकती है। इन मामूली पीड़ाओं को छोड़कर आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

अर्थ तथा व्यवसाय :

आपकी आर्थिक स्थिति अति उत्तम होगी। आपको अधिक प्रयास किये बगैर लाभ

मिलेगा। जमीन-जायदाद तथा माता से लाभ की सम्भावना भी है। आपकी व्यावसायिक कमाई अच्छी होगी। अपनी जीविका के लिए यान्त्रिक तथा अभियन्त्रण, सैन्य सेवा, सर्जन या दन्त चिकित्सक का कार्य या किसी औद्योगिक प्रतिष्ठान में नौकरी आदि का चयन कर सकते हैं। लोहा-इस्पात, खेल के सामान, दवा, धातु, मशीन अथवा जमीन-जायदाद से सम्बद्ध व्यापार लाभदायक सिद्ध होगा। नौकरीपेशा लोगों की पदान्नति और आय में वृद्धि होगी तथा कार्य-स्थान में वातावरण अनुकूल होगा। आपका चहुमुखी विकास होगा। नौकरी के लिये यह काल अति उत्तम होगा। आपको यश, ख्याति, शक्ति तथा अधिकार की प्राप्ति होगी। व्यवसाय-व्यापार से जुड़े लोगों को साझेदारी के व्यवसाय में लाभ होगा। आपकी आय तथा लाभ में वृद्धि होगी। हर प्रकार के लाभ, ख्याति, प्रतिष्ठा तथा उन्नति के लिये यह दशा अति उत्तम है।

वाहन, यात्रा, सम्पत्ति :

मंगल की अन्तर्दशा में आपको वाहन का सुख मिलेगा। आपको अति सुन्दर वाहन की प्राप्ति होगी। आपको सम्पत्ति, मकान और जमीन की प्राप्ति होगी। चल-अचल सम्पत्ति के लिये यह दशा अति उत्तम है। गुरु की अन्तर्दशा में यात्रा हो सकती है।

शिक्षा :

आपकी शिक्षा उत्तम होगी। आप अपनी पसन्द के अनुसार विषयों व और संस्था में परिवर्तन कर सकते हैं। आपका झुकाव गणित, वाणित्य, अभियंत्रण, भूगर्भ या सैन्य शिक्षा की ओर हो सकता है। आप अपने हर कार्य में सफल होंगे और सफलता की चोटी पर पहुँचेंगे। आप अपने नेतृत्व-गुणों का प्रदर्शन करेंगे।

परिवार :

परिवार के सदस्यों के साथ आपके सम्बन्ध उत्तम रहेंगे। आपके बच्चे अच्छा करेंगे और आपको उनसे सुख तथा लाभ प्राप्त होगा। सप्तम भाव पर मंगल की दृष्टि के कारण दाम्पत्य जीवन में कुछ गड़बड़ी हो सकती है। आपके जीवन साथी को यश, ख्याति, शक्ति और अधिकार की प्राप्ति होगी। आपकी माता को कुछ स्वास्थ्य समस्याएँ, लाभदायक परिवर्तन और लाभ हो सकता है। आपके पिता को साझेदारी के व्यवसाय में लाभ तथा उद्यम में सफलता मिलेगी। आपके छोटे भाई-बहनों को हर तरह लाभ, चहुमुखी समृद्धि तथा धन की प्राप्ति होगी। आपके बड़े भाई-बहनों को शत्रुओं पर विजय, उत्तम स्वास्थ्य और ननिहाल से लाभ मिलेगा। उनके साथ आपका सम्बन्ध उत्तम रहेगा। आपके मित्र आपकी बहुत मदद करेंगे। इस दशा में आपको बगैर अधिक प्रयास के सफलता मिलेगी।

अन्तर्दशा :

मंगल की दशा में उसकी अन्तर्दशा के कारण आपको सफलता, यश, श्याति तथा हर प्रकार के लाभ की प्राप्ति होगी। राहु के कारण कुछ समस्याएं हो सकती हैं। गुरु की अन्तर्दशा के फलस्वरूप आपकी यात्रा हो सकती है जबकि लग्नेश शनि की अन्तर्दशा के फलस्वरूप आपको यश, ख्याति, शक्ति और अधिकार की प्राप्ति होगी। बुध के कारण स्वास्थ्य सम्बन्धी कुछ मामूली समस्याएँ आएंगी और समृद्धि की प्राप्ति होगी। केतु आपके लिये कुछ

मानसिक समस्याएँ उत्पन्न करेगा। शुक्र की अन्तर्दशा के फलस्वरूप जीवन में उन्नति और बच्चों से सुख मिलेगा सूर्य की अन्तर दशा के कारण परिवर्तन होगा हौर आध्यात्मिक ग्रन्थों के अध्ययन में रुचि होगी। चन्द्र की अन्तर्दशा के फलस्वरूप साझेदारों से लाभ प्राप्त होगा तथा विवाह और यात्रा होगी।

दशा विश्लेषण

Mr.

महादशा :- गुरु
(05/09/2031 - 05/09/2047)

आपकी कुण्डली में गुरु की महादशा को 05/09/2031 शुरू तथा 05/09/2047 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 16 वर्ष है।

आपकी जन्म कुण्डली में गुरु एकादश भाव में स्थित है। एकादश भाव मित्र, समुदाय, लक्ष्य, इच्छा और उसकी पूर्ति, आमदनी, लाभ, समृद्धि, स्वास्थ्य लाभ और भाग्योदय तथा टखनों का द्योतक है। गुरु स्वभावतः एक शुभ ग्रह है जिसकी स्थिति आपकी कुण्डली में एकादश भाव में है तथा तृतीय, पंचम एवं सप्तम भाव पर इसकी दृष्टि है और इन भावों पर यह शुभ प्रभाव डाल रहा है। सोलह साल की यह अवधि आपके लिए साहस एवं समृद्धि की होगी।

स्वास्थ्य :

महादशेश गुरु एकादश भाव में स्थित होकर तृतीय भाव को (पंचम एवं सप्तम भावों के अतिरिक्त) देख रहा है जिसके फल स्वरूप आप हिम्मत, बहादुरी तथा मजबूती के साथ सभी समस्याओं को झेल पाएंगे और कोई बड़ी घटना या दुर्घटना आपको या आपके स्वास्थ्य को प्रभावित नहीं कर पाएगी और आपको सामान्य कार्य करने में असुविधा नहीं होगी।

अर्थ-संपत्ति :

गुरु एकादश भाव अर्थात आय भाव में स्थित है तथा अपने ही भाव को शक्ति प्रदान कर रहा है जिसके फलस्वरूप आप इस दशा काल में चल या अचल संपत्ति अर्जित नहीं कर पाएँगे और भोग विलास की वस्तुओं पर खर्च करते हुए एक सामान्य जीवन का आनन्द लेंगे।

व्यवसाय :

यदि आप नौकरी में हैं तो आपको उन्नति तथा आय एवं धन में वृद्धि मिलेगी। व्यवसाय के प्रति अनेक नये विचार आपके दिमाग में आएंगे जिससे आप अपने व्यवसाय में नाम और प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। अपके मित्र व्यवसाय में उन्नति करने की आपको प्रेरणा देंगे।

पारिवारिक जीवन :

आपके जीवन साथी आपके सहायक होंगे और आपके पारिवारिक जीवन को सुखमय तथा उत्साहपूर्ण बनाएँगे। गुरु की एकादश भाव से सप्तम अर्थात जीवन साथी के भाव पर दृष्टि के फलस्वरूप आपके जीवन साथी हमेशा आपकी परेशानी में हाथ बँटाने के लिए तैयार रहेंगे। आपके बड़े भाई तथा मित्र भी आपके पारिवारिक जीवन को सुखमय बनाने में सहायक होंगे।

शिक्षा/प्रशिक्षण :

आपकी ज्ञान की खोज के प्रति रुचि रहेगी।

Prerna Prasad

महादशा :- राहु
(06/04/2027 - 05/04/2045)

राहु की महादशा 06/04/2027 को आरम्भ होकर 05/04/2045 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 18 वर्ष है। आपकी जन्म कुण्डली में राहु चतुर्थ भाव में स्थित है। इस स्थान से राहु की दृष्टि दशम भाव पर है। इसके पूर्व आपकी 7 वर्ष की मंगल दशा चल रही थी। मंगल के कारण आपको यश, ख्याति, जीविका में प्रगति और समृद्धि की प्राप्ति होगी। राहु की इस दशा के दौरान आपको सम्पत्ति और लाभ की प्राप्ति, अचल सम्पत्ति तथा सुख में वृद्धि होगी।

स्वास्थ्य :

इस दशा के दौरान आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आप शक्तिशाली होंगे। एक सन्तुलित जीवन के फलस्वरूप आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। मौसम में परिवर्तन के फलस्वरूप चर्मरोग, पाचन-समस्या, हृदय संबंधी समस्या, विषाणुजन्य संक्रामक रोग आदि हो सकता है। थोड़ी सावधानी से इन रोगों से बचा जा सकता है।

अर्थ और व्यवसाय :

आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आपको सभी भौतिक सुख मिलेंगे। आपको माता से लाभ मिल सकता है। आपको जहाँ तक सम्भव हो सट्टे से बचना चाहिए। व्यावसायिक उपार्जन, व्यापार से आय अच्छी होगी। जीविका तथा व्यवसाय के लिए विधि के क्षेत्र, विमान उड्डयन, विमान-चालन, कला, सम्पर्क-कार्य, कम्प्यूटर, अन्तरिक्ष अनुसन्धान, व्यापार आदि का चयन कर सकते हैं। सूती कपड़ा, रत्न, दवा, चमड़ा, एण्टी-बायोटिक दवा, प्लास्टिक, रबड़ आदि का व्यापार लाभप्रद हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों की आय में वृद्धि, सम्मान, वरिष्ठ कर्मचारियों के अनुग्रह तथा वांछित लक्ष्य की प्राप्ति होगी। व्यवसाय-व्यापार से जुड़े लोगों को साझेदारों से लाभ, व्यापार में सफलता, विदेश यात्रा, आय में वृद्धि और उपार्जन होगा। जीविका में प्राप्ति के लिए यह दशा उत्तम है।

वाहन, यात्रा, जमीन-जायदाद :

इस दशा के दौरान आपको सभी भौतिक समृद्धि मिलेगी और सुखों में वृद्धि होगी। आप अपना आवास परिवर्तित कर सकते हैं। इस दशा में आपको चल सम्पत्ति, जमीन-जायदाद की प्राप्ति हो सकती है। बुध की अन्तर्दशा में आपकी छोटी व दूर की यात्रा होगी। छोटी यात्रा में सम्भावित नुकसान से बचने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए।

शिक्षा :

आपकी बुनियादी शिक्षा उत्तम होगी। उच्च शिक्षा के लिए आप अपनी संस्था में परिवर्तन कर सकते हैं। लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आप कठिन परिश्रम करेंगे। दशा की प्रगति के

साथ स्थिति में सुधार आएगा। विज्ञान, कला, कम्प्यूटर-विज्ञान, व्यापार आदि में आपकी रुचि हो सकती है। आपकी इच्छा शक्ति मजबूत है, आप स्वभाव से स्वतंत्र हैं और अपनी शिक्षा में अच्छा करेंगे।

परिवार :

आपके बच्चों के जीवन में कुछ परिवर्तन होगा और उन्हें आपकी सहायता तथा मार्गदर्शन की आवश्यकता हो सकती है। आपका आपके जीवनसाथी के साथ संबंध सन्तोषजनक रहेगा। आपकी माता की सम्पत्ति में वृद्धि होगी, आर्थिक-समृद्धि की प्राप्ति होगी और उन्हें स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतनी होगी। आपके पिता की यात्रा, अचानक लाभ की प्राप्ति तथा आध्यात्मिक विकास होगा। आपके छोटे भाई-बहनों को अचानक धन-लाभ और जीवन का सुख मिलेगा जबकि बड़े भाई-बहनों को प्रतिद्वंद्वियों पर विजय और भौतिक समृद्धि की प्राप्ति होगी।

अन्तर्दशा :

राहु की महादशा में राहु की अन्तर्दशा के कारण आपको सुख, अचल सम्पत्ति की प्राप्ति तथा लाभ मिलेगा। गुरु की अन्तर्दशा भाग्यशाली सिद्ध होगी यद्यपि प्रतिद्वन्द्वियों के कारण कुछ समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। शनि की अन्तर्दशा कष्टकारक सिद्ध हो सकती है किन्तु, भौतिक कला व यात्रा का अवसर प्रदान करेगी। बुध की अन्तर्दशा छोटे भाई-बहनों के लिए सहायक होगी और इसके फलस्वरूप उनको यात्रा और व्यय होगा। केतु की अन्तर्दशा में कुछ समस्याएं हो सकती हैं। शुक्र की अन्तर दशा के फलस्रूप लाभ और सम्पत्ति में वृद्धि होगी जबकि सूर्य की अन्तर्दशा के कारण पारिवारिक सुख मिलेगा और सम्पत्ति में वृद्धि होगी। चन्द्र की अन्तर्दशा के फलस्वरूप स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और सम्पत्ति तथा सुख की प्राप्ति होगी जबकि योगकारक मंगल के कारण सुख की प्राप्ति, बच्चे का जन्म और जीविका में प्रगति होगी।

दशा विश्लेषण

Mr.

महादशा :- शनि
(05/09/2047 - 04/09/2066)

आपकी जन्मकुण्डली में शनि की महादशा 05/09/2047 को आरम्भ और 04/09/2066 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 19 वर्ष है।

शनि आपकी जन्मकुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है। यह एक अशुभ ग्रह है और लोग बहुधा इससे डरते हैं। लक्ष्य प्राप्ति के मार्ग में यह विलम्ब और बाधाएं उत्पन्न करता है। फल प्राप्ति की दिशा में जातक को कठिन परिश्रम के लिये प्रेरित कर यह उसके धैर्य की परीक्षा लेता है। आपकी जन्मकुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित इस ग्रह की दृष्टि चौथे, आठवें और ग्यारहवें भाव पर है और इन भावों के कारकत्व पर इसका प्रभाव है। द्वितीय भाव, जिसमें यह स्थित है, सम्पत्ति, लाभ, सांसारिक सुख, दायीं आँख, कल्पनाशक्ति, जिह्वा, दाँत तथा पारिवारिक सदस्यों का द्योतक है।

स्वास्थ्य :

द्वितीय भाव, जो पारिवारिक सदस्यों का भाव है, में स्थित महादशा स्वामी शनि भाव को प्रबलित कर रहा है। इस दशा के दौरान आपको स्वास्थ्य की कोई गम्भीर समस्या अथवा दुर्घटना नहीं होगी और आप प्रसन्न रहेंगे।

अर्थ-सम्पत्ति :

द्वितीय भाव स्थित शनि अपने भाव को प्रबलित कर रहा है। इस दशा के दौरान आपके संसाधनों और चल-अचल संपत्ति में वृद्धि होगी। आप दूसरों की सम्पत्ति का लाभ उठांएगे और अनीति का सहारा भी लेंगे।

व्यवसाय :

आप नौकरीपेशा हों अथवा व्यवसायी, सम्पत्ति तथा साहस के स्वामी शनि की द्वितीय भाव में स्थिति के कारण व्यावसायिक दृष्टि से सुदृढ़ होंगे। सम्पत्ति का भाव आपको पर्याप्त धन और धनोपार्जन के स्रोत प्रदान करेगा। यदि आप नौकरीपेशा हैं तो आप की पदोन्नति के अनेक मार्ग खुलेंगे और यदि व्यवसाय से जुड़े हैं तो अनेक नये उद्यम आपके मस्तिष्क में उभरेंगे और आप पर्याप्त धन अर्जित करेंगे।

पारिवारिक जीवन :

यह दशा आपके पारिवारिक जीवन के लिए बहुत अनुकूल नहीं है। आपके पारिवारिक जीवन में बहुत उतार-चढ़ाव आ सकते हैं। आपको पारिवारिक सुख नहीं मिलेगा क्योंकि आपका दूसरी स्त्रियों की ओर झुकाव है और आप दूसरों की सम्पत्ति हड़पना चाहेंगे।

शिक्षा/प्रशिक्षण :

शिक्षा तथा साहित्यिक वृत्ति में विकास के लिए यह दशा अनुकूल नहीं है।

Prerna Prasad

महादशा :– गुरु
(05/04/2045 - 05/04/2061)

आपकी कुण्डली में गुरु की महादशा 05/04/2045 को आरम्भ होकर 05/04/2061 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 16 वर्ष है।

आपकी जन्म कुण्डली में गुरु अष्टम् भाव में है। गुरु स्वभावतः एक शुभ ग्रह है जो अष्टम में स्थित होकर द्वादश, द्वितीय तथा चतुर्थ भाव को देखता है तथा इन भावों पर यह शुभ प्रभाव डाल रहा है।

स्वास्थ्य :

आप स्वस्थ और दीर्घायु होंगे। इस दशा काल में कोई बड़ी दुर्घटना होने की संभावना नहीं है तथा आप स्वस्थ और प्रसन्नचित होकर अपना कार्य पूरा करने के योग्य रहेंगे।

अर्थ-सम्पत्ति :

गुरु की द्वितीय भाव पर दृष्टि के फलस्वरूप आप अपनी चल तथा अचल सम्पत्ति में बढ़ोत्तरी करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करेंगे।

व्यवसाय :

आप अपने व्यवसाय में प्रसन्नतापूर्वक सुव्यवस्थित हो जाएंगे तथा नौकरी या व्यवसाय में आप पर्याप्त पैसा, जमीन, वाहन, अधिकार और पद प्राप्त करेंगे।

आप कभी-कभी कुछ गलत काम कर सकते हैं जिसके लिए दंडित भी हो सकते हैं तथा घाटा उठाना पड़ सकता है।

पारिवारिक जीवन :

अष्टम भाव से गुरु की दृष्टि द्वादश अर्थात् शयन सुख के भाव के अतिरिक्त द्वितीय अर्थात् परिवार या कुटुम्ब भाव तथा चतुर्थ अर्थात् सुख भाव पर होने के फलस्वरूप आपका पारिवारिक जीवन खुशहाल और सुख सम्पन्न होगा। आपके जीवन साथी परिवार का संचालन करने और शान्ति बनाए रखने में मार्गदर्शन करेंगे। आपके पिताजी को कभी कठिनाइयों से गुजरना पड़ सकता है तथा स्थान परिवर्तन के संकेत हैं।

शिक्षा/प्रशिक्षण :

आपका झुकाव शास्त्रों तथा धार्मिक पुस्तकों के अध्ययन की ओर होगा।

Mr.

एस्ट्रोग्राफ – 2025

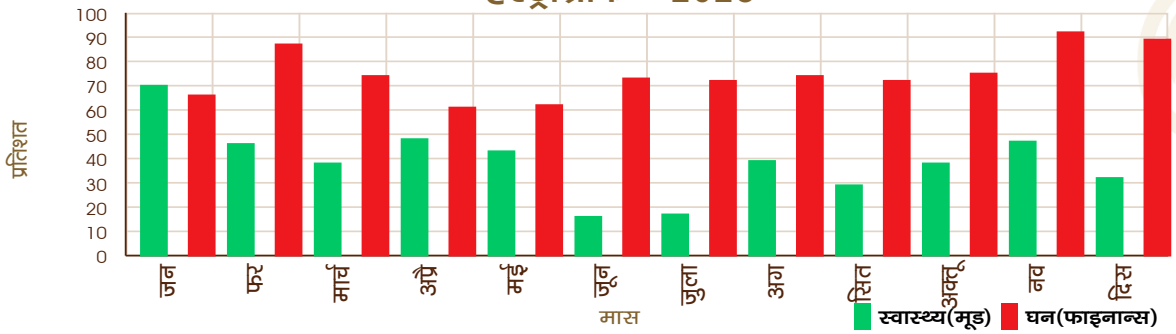

Prerna Prasad

एस्ट्रोग्राफ – 2025

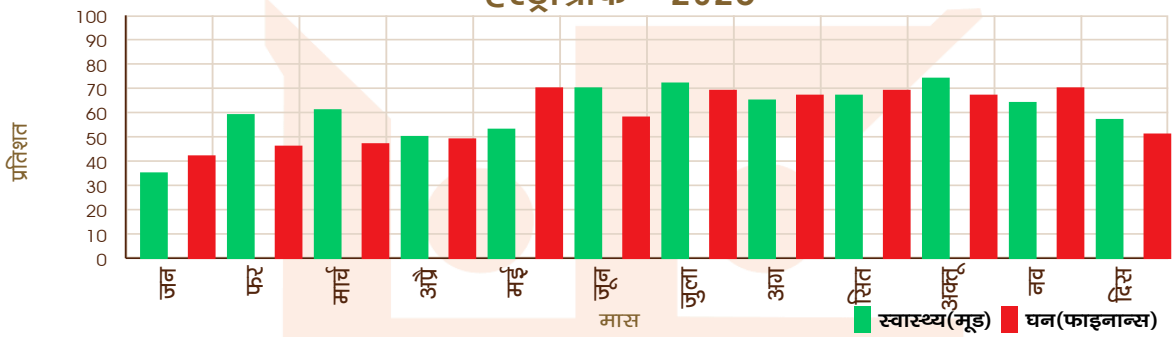

Mr.

एस्ट्रोग्राफ – 2026

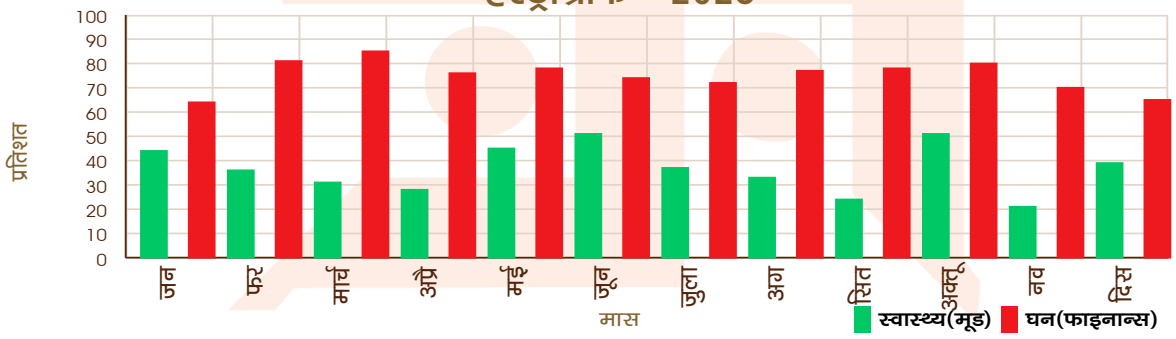

Prerna Prasad

एस्ट्रोग्राफ – 2026

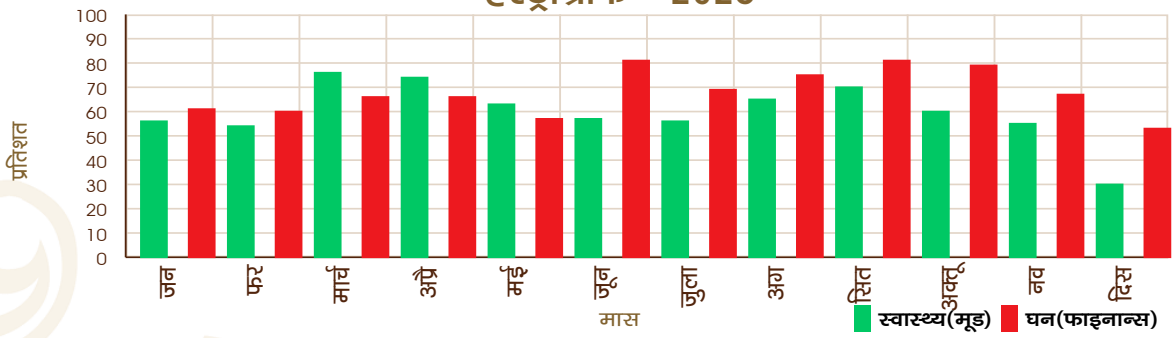

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

Mr.

एस्ट्रोग्राफ – 2027

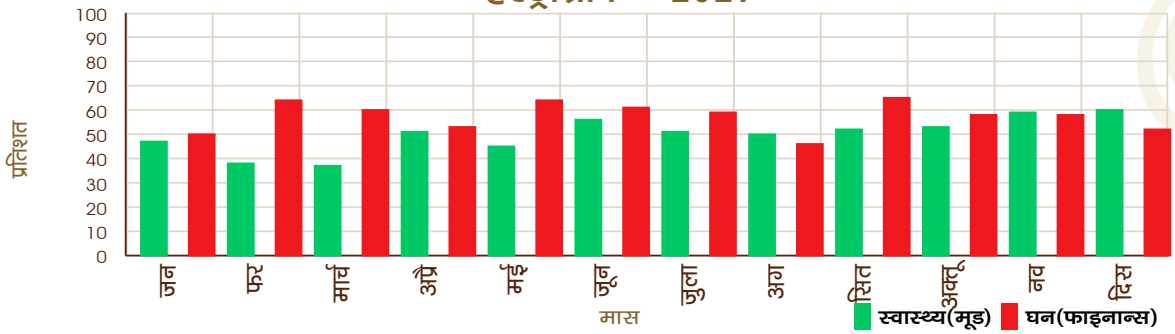

Prerna Prasad

एस्ट्रोग्राफ – 2027

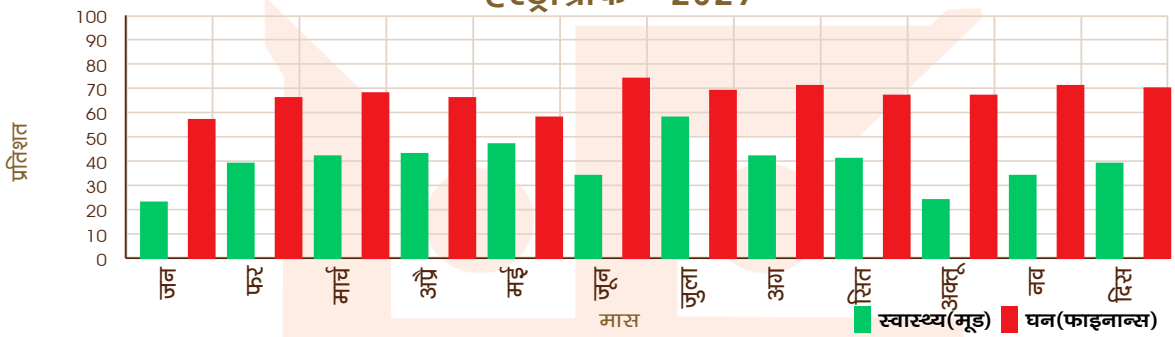

Mr.

एस्ट्रोग्राफ – 2028

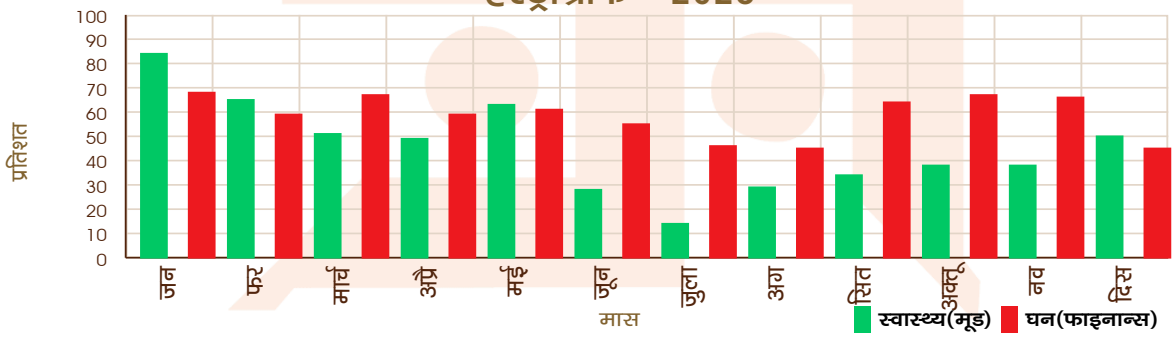

Prerna Prasad

एस्ट्रोग्राफ – 2028

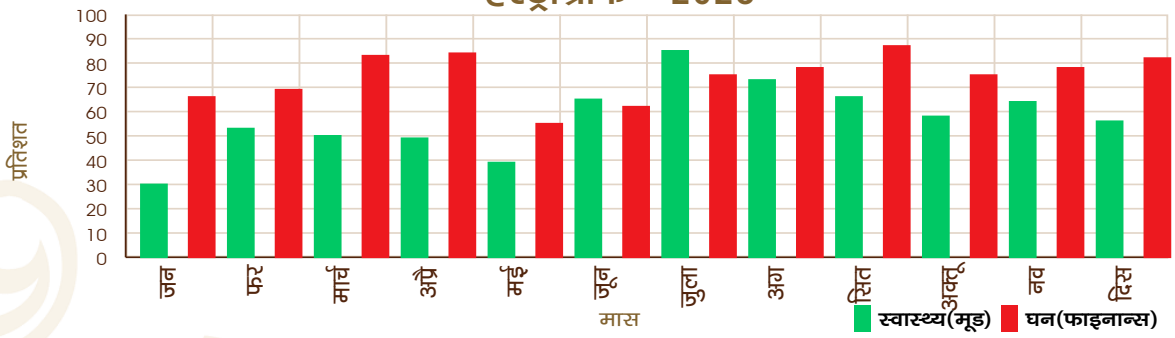

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

Mr.

एस्ट्रोग्राफ – 2029

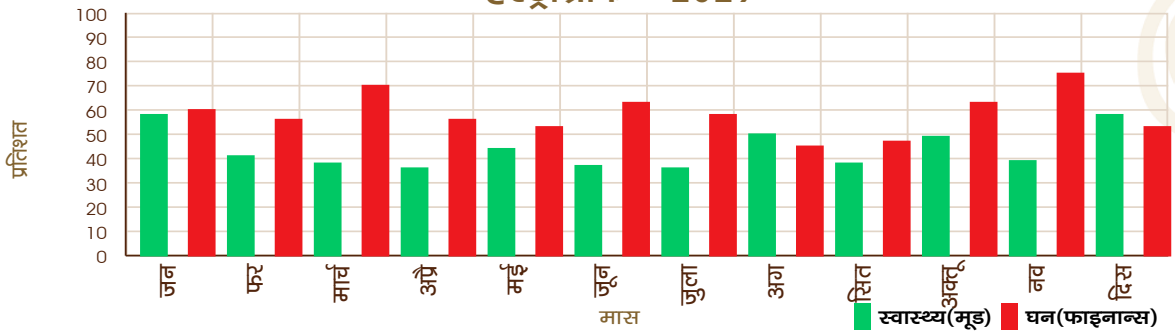

Prerna Prasad

एस्ट्रोग्राफ – 2029

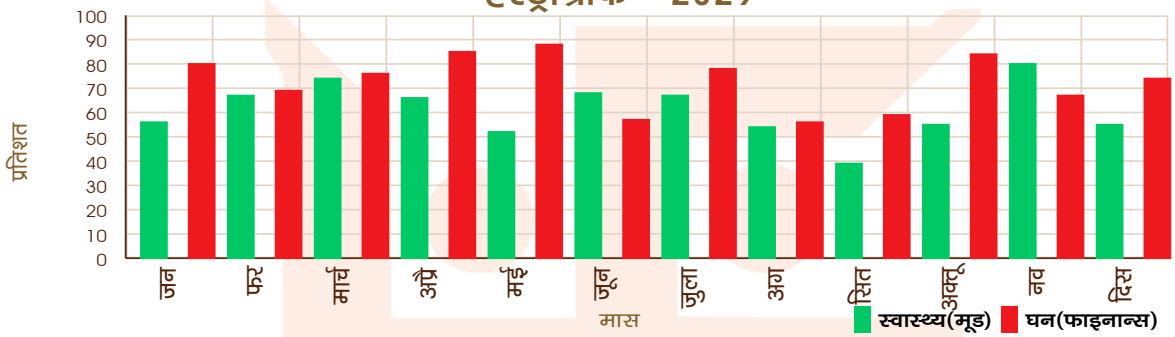

Mr.

एस्ट्रोग्राफ – 2030

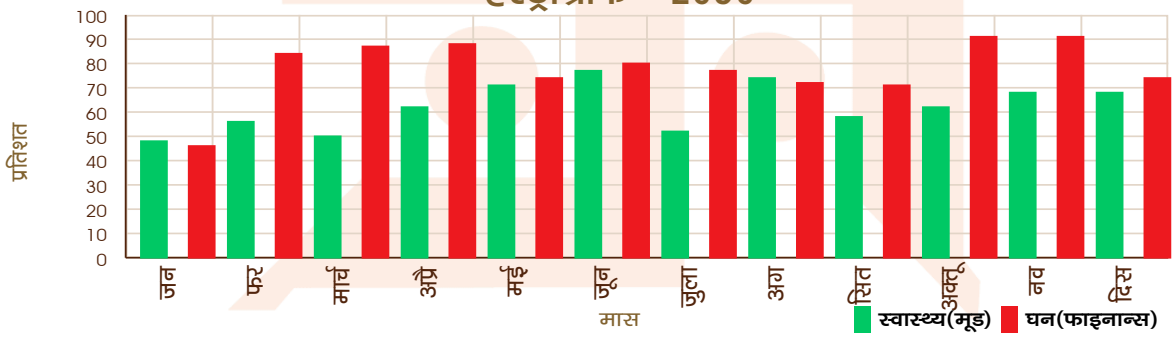

Prerna Prasad

एस्ट्रोग्राफ – 2030

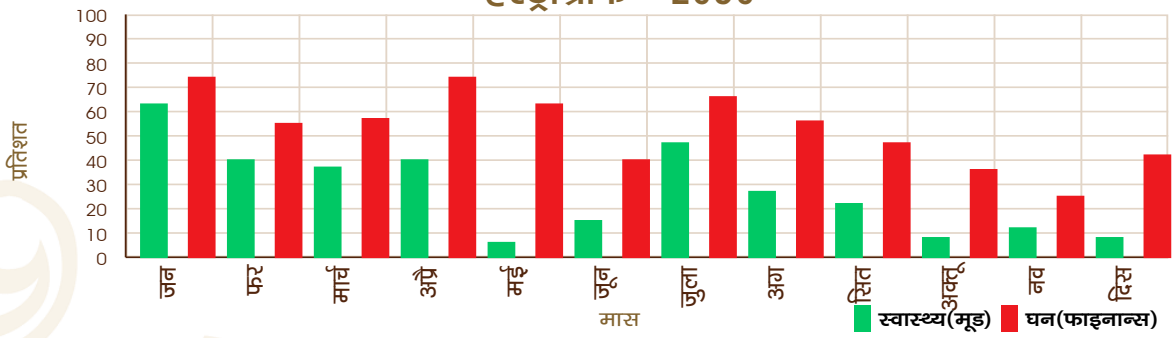

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

Mr.

एस्ट्रोग्राफ – 2031

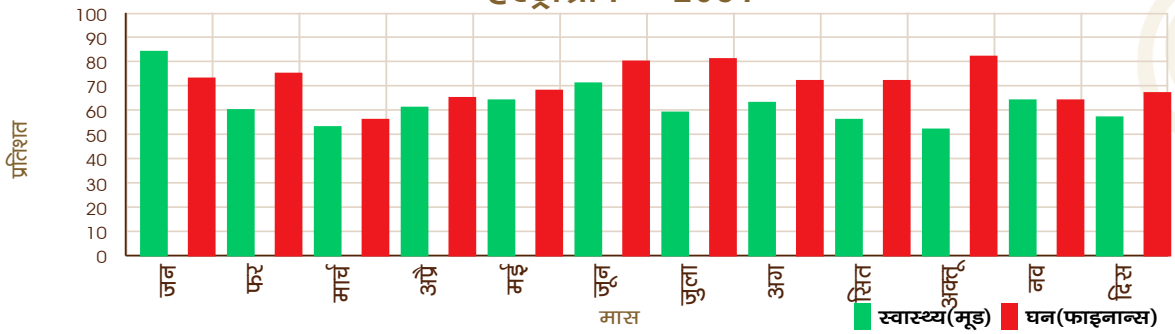

Prerna Prasad

एस्ट्रोग्राफ – 2031

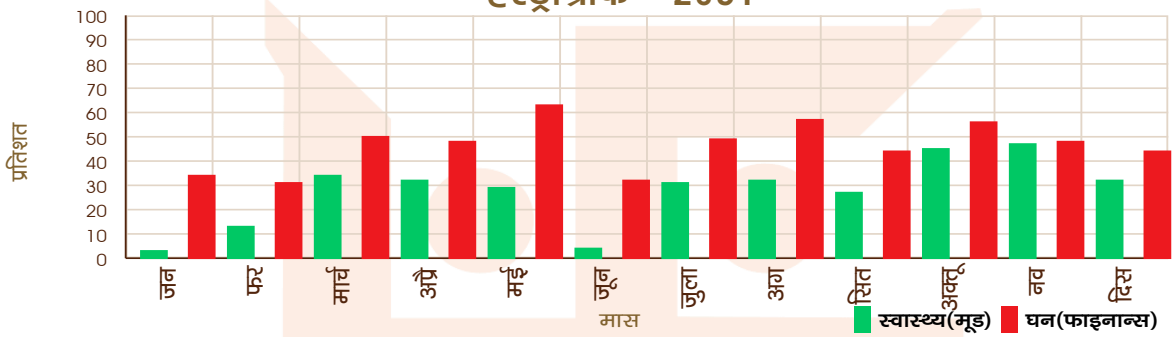

Mr.

एस्ट्रोग्राफ – 2032

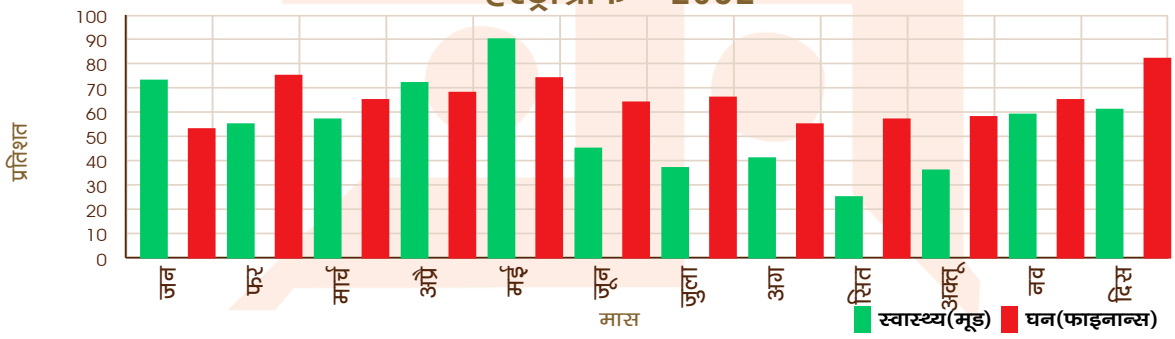

Prerna Prasad

एस्ट्रोग्राफ – 2032

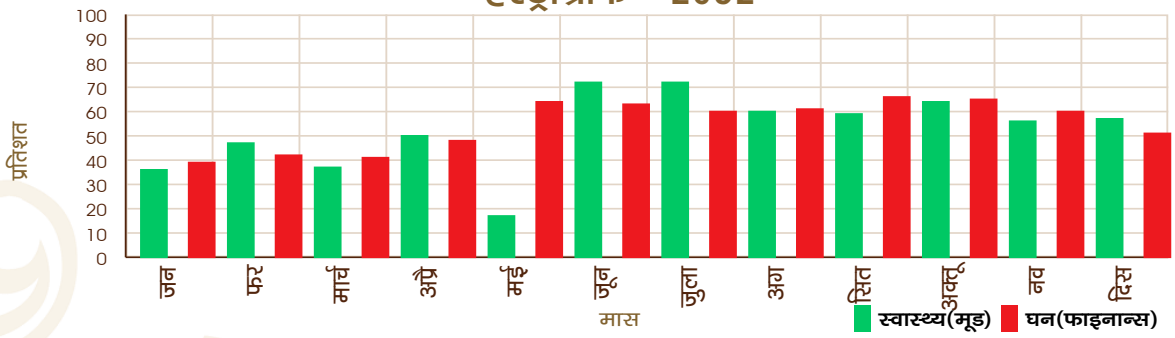

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

Mr.

एस्ट्रोग्राफ – 2033

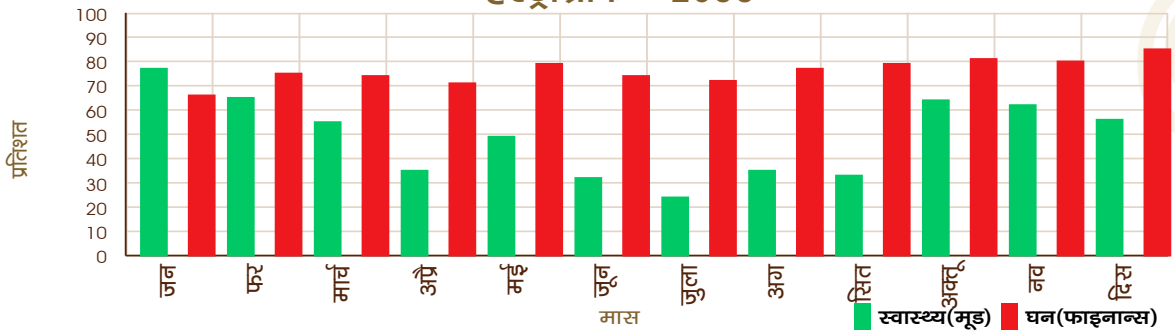

Prerna Prasad

एस्ट्रोग्राफ – 2033

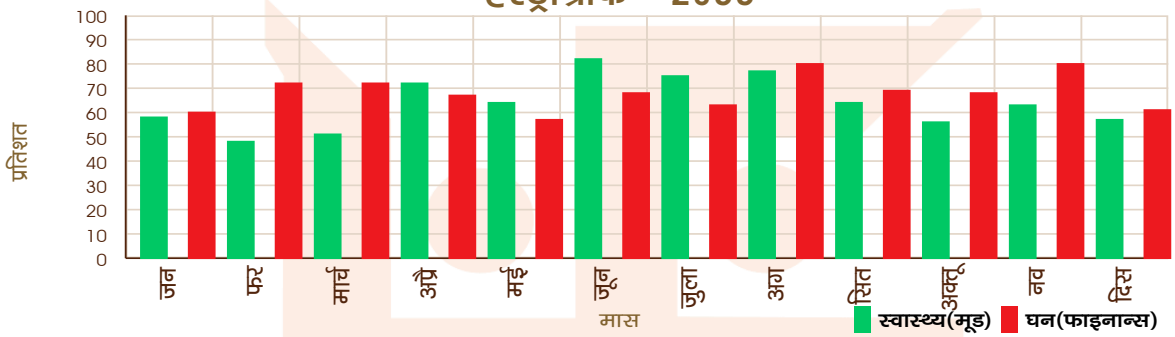

Mr.

एस्ट्रोग्राफ – 2034

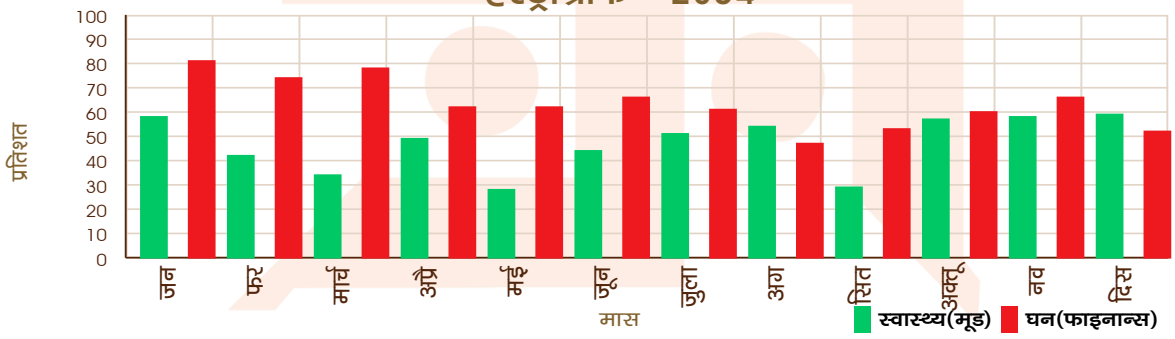

Prerna Prasad

एस्ट्रोग्राफ – 2034

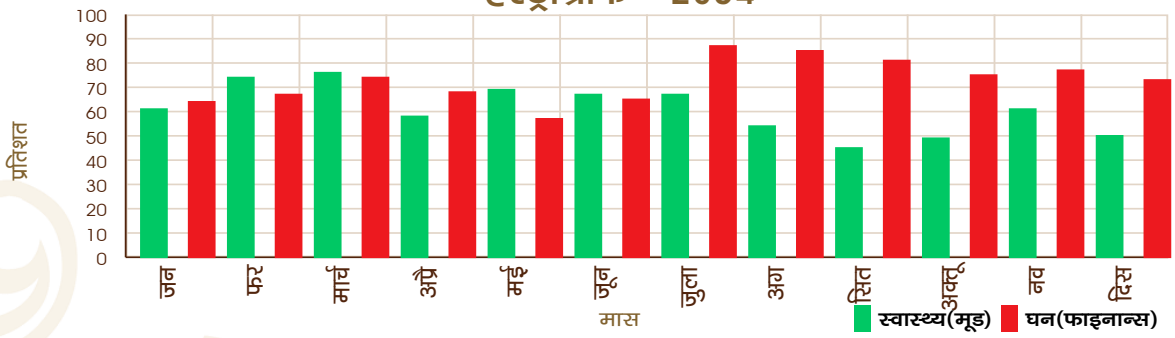

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

Mr.

एस्ट्रोग्राफ – 2035

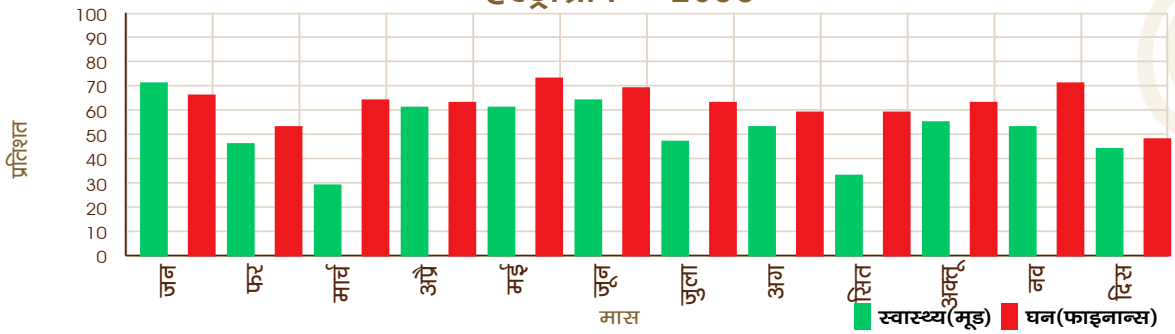

Prerna Prasad

एस्ट्रोग्राफ – 2035

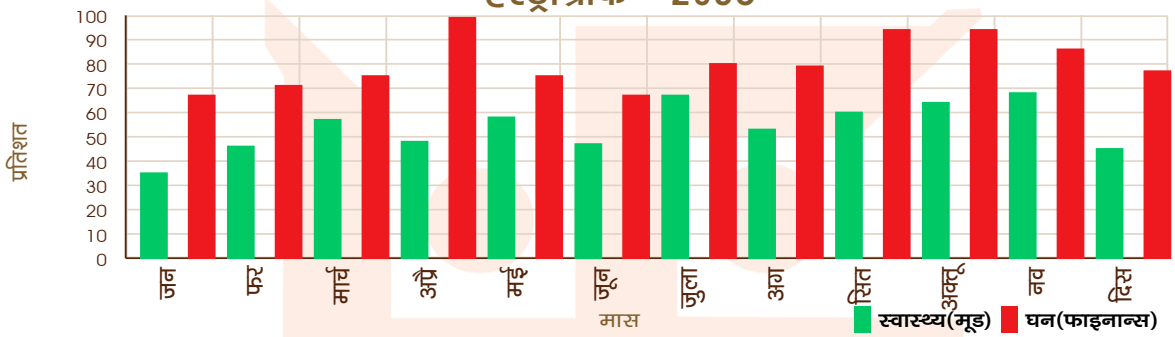

Mr.

एस्ट्रोग्राफ – 2036

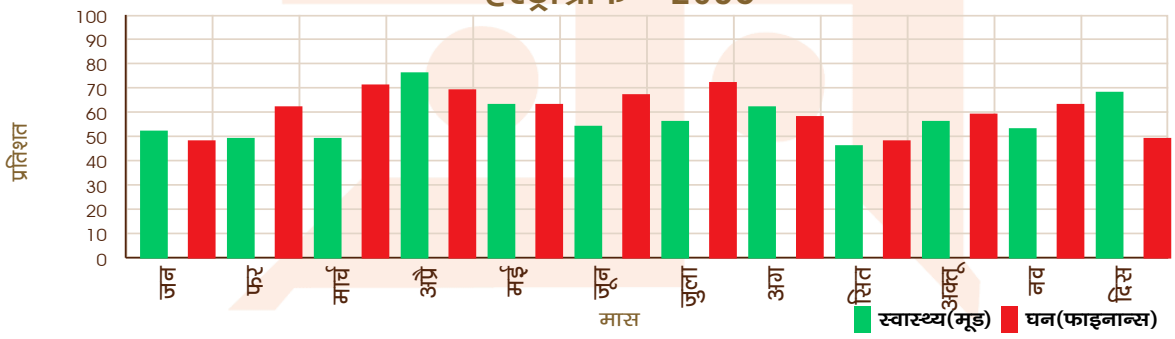

Prerna Prasad

एस्ट्रोग्राफ – 2036

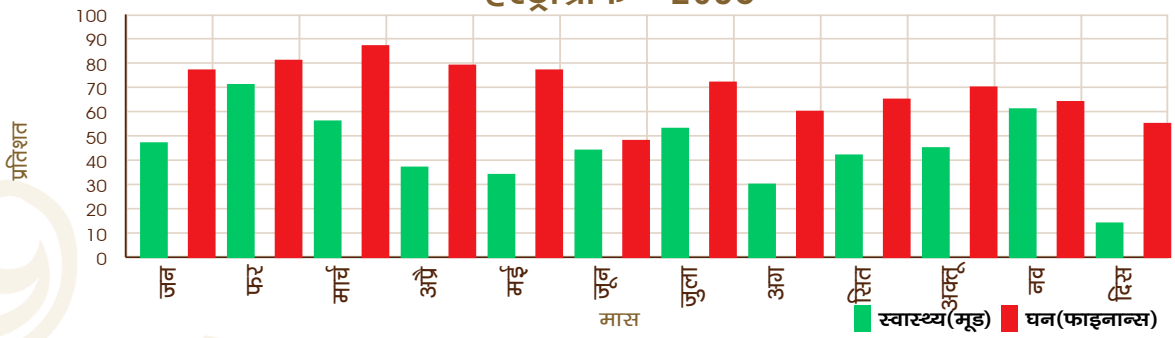

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com